31 दिसंबर 2024
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

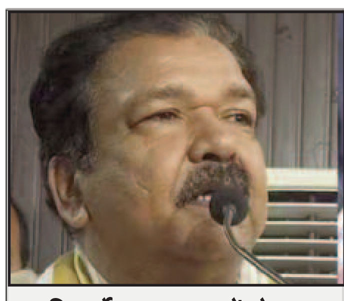

भूमि सर्वेक्षण 2026 में होगा खत्म, रैयत आसानी से तैयार कर सकते है दस्तावेज 2

चंद्रबाबू नायडू सबसे अमीर सीएम, सबसे कम संपत्ति वाले के पास सिर्फ 15 लाख

एजेंसी/नई दिल्ली

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सोमवार को एक रिपोर्ट जारी कर देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री और सबसे कम संपत्ति रखने वाले मुख्यमंत्री का डेटा जारी किया है। एडीआर के मुताबिक,आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि, प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय 2023-2024 में लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत आमदनी 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। एडीआर के डेटा के मुताबिक,

देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है।एडीआर की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

ममता बनर्जी सबसे कम संपत्ति वाली सीएमः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं, जबकि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। देश के 31 मुख्यमंत्रियों में से केवल दो महिलाएं पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी और दिल्ली की मुख्यमंत्री अतिशी हैं। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की कुल संपत्ति कुल संपत्ति 25.33 करोड़ रुपये के आस-पास है, जबकि उनके ऊपर 3.92 करोड़ रुपये की देनदारी है। असम से सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की नेटवर्थ करीब 17 करोड़ रुपये बताई गई। मेघालय के सीएम कोनराड संगमा के पास 15 करोड़ रुपए की संपत्ति है। त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा की संपत्ति 13 करोड़ के आसपास है। गोवा के सीएम प्रमोद सावंत की कुल संपत्ति 9 करोड़, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन की कुल संपत्ति 8 करोड़, गुजरात के मख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की संपत्ति 8 करोड़ से अधिक की संपत्ति के मालिक हैं। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कुल नेटवर्थ 13.27 करोड़ रुपये है, जबकि उनके ऊपर 62 लाख रुपये की देनदारी भी है। वहीं हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का नेटवर्थ 7 करोड़ से अधिक, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी का 4 करोड़ से अधिक, बिहार से सीएम नीतीश कुमार का 3 करोड़ से अधिक, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और पंजाब के सीएम भगवंत मान के पास एक-एक करोड़ की रुपए की संपत्ति है।

कर्ज भी डूबे में सीएमः खांडू पर सबसे ज्यादा 180 करोड़ रुपये की देनदारी भी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिद्धरमैया पर 23 करोड़ रुपये और नायडू पर 10 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारियां हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि 13 (42 प्रतिशत) मुख्यमंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जबकि 10 (32 प्रतिशत) ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जिनमें हत्या के प्रयास, अपहरण, रिश्वतखोरी और आपराधिक धमकी से संबंधित मामले शामिल हैं।

रक्षा मंत्रालय ने दो अहम समझौतों पर किया हस्ताक्षर, पनडुब्बियों की ताकत में होगा इजाफा

एजेंसी/नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को करीब 2,867 करोड़ रुपये के दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों का मकसद पनडुब्बियों की क्षमता को बढ़ाना और कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों में इलेक्ट्रॉनिक हेवी वेट टॉरपीडो का एकीकरण (इंटीग्रेशन) करना है। पहला समझौता मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के साथ हुआ है, जो करीब 1900 करोड़ रुपये का है।

जबकि दूसरा समझौता फ्रांस के नेवल ग्रुप के साथ हुआ है, जो करीब 877 करोड़ रुपये का है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में नई दिल्ली में दोनों समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। बयान में कहा गया, रक्षा मंत्रालय ने करीब 2,867 करोड़ रुपये की राशि के दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें एक समझौता एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन प्लग के निर्माण और उसे भारतीय पनडुब्बियों में शामिल करने के लिए है। जबकि दूसरा समझौता कलवरी-श्रेणी की पनडुब्बियों में ईएचडब्ल्यूटी का एकीकरण शामिल है। इसमें आगे कहा गया, एआईपी तकनीक को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है। इससे करीब तीन लाख श्रम दिवसों का रोजगार सृजित होगा। कलवरी-श्रेणी की पनडुब्बियों में ईएचडब्ल्यूटी का एकीकरण भारतीय नौसेना, डीआर डीओ और फ्रांस के नेवल ग्रुप के सहयोग से किया जाएगा। इसमें आगे कहा, यह भारतीय नौसेना की कलवरी-श्रेणी की पनडुब्बियों की क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा।

राष्ट्रपति इलेक्शन कैंपेन के दौरान ट्रंप ने वीजा पॉलिसी को सख्त बनाने की बात कही थी

एच-1 बी वीजा नीति पर ट्रंप के बदले अब सुर, किया भारतीयों का स्वागत

एजेंसी/नई दिल्ली

अमेरिका में अब तक एच-1 बी वीजा का विरोध कर रहे डोनाल्ड ट्रंप ने पलटी मार ली है। उन्होंने कहा है कि वो इसका समर्थन करते हैं। ट्रंप का ये ताजा बयान इसलिए भी चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि इस बार हुए राष्ट्रपति इलेक्शन कैंपेन के दौरान ट्रंप ने वीजा पॉलिसी को सख्त बनाने की बात कही थी। आखिर इस बदलते हुए रवैये की वजह क्या है। 20 जनवरी 2025 को, डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। उनके प्रशासन का नाम सुनते ही कठोर नीतियां और अप्रवास विरोधी रुख जहन में उभरता है।

लेकिन इस बार कहानी में ट्विस्ट है। एच-1 बी वीजा पर ट्रंप का बदला हुआ रुख भारत समेत पूरी दुनिया को चौंका रहा है। जो नेता कभी इस वीजा का खुलकर विरोध करते थे, अब अचानक इसके पक्ष में दिखाई दे रहे हैं। इस विवाद की चिंगारी तब भड़की जब ट्रंप ने भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन को अपने प्रशासन में अकनीति प्रमुख के तौर पर नियुक्त किया। कृष्णन, जो एच-1 बी वीजा के समर्थक माने जाते हैं, की एंट्री ने दक्षिणपंथी खेमे में खलबली मचा दी। ट्रंप की करीबी और मुखर नेता लॉरा लूमर ने पर कृष्णन की आलोचना करते हुए इसे अमेरिका फर्स्ट नीति के खिलाफ बताया। मस्क ने एक्स पर लिखा कि मैं एच1बी कार्यक्रम की वजह से ही स्पेसएक्स, टेस्ला और अमेरिका को मजबूत बनाने वाली सैकड़ों अन्य कंपनियों का निर्माण करने वाले कई महत्वपूर्ण लोगों के साथ अमेरिका में हूं। अब ट्रंप ने भी इसको लेकर अपना बयान दे दिया है। एच-1बी वीजा पर जारी विवाद में एक नया मोड़ आ गया है।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार एच-1बी वीजा को लेकर अपनी राय रख दी है. हाल ही में हुए इस विवाद पर अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। अब ट्रंप ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाया और एलन मस्क का समर्थन किया है, जो आलोचकों के खिलाफ लीगल इमिग्रेशन का बचाव कर रहे थे। मस्क ने एक्स पर लिखा कि मैं एच1बी कार्यक्रम की वजह से ही स्पेसएक्स, टेस्ला और अमेरिका को मजबूत बनाने वाली सैकड़ों अन्य कंपनियों का निर्माण करने वाले कई महत्वपूर्ण लोगों के साथ अमेरिका में हूं। विवाद के बाद न्यूयॉर्क पोस्ट से बात करते हुए ट्रंप ने हाई स्किल कामगारों के लिए इमिग्रेशन वीजा के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया. उन्होंने एच-1बी कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे हमेशा से वीजा पसंद रह है, मैं हमेशा से वीजा के पक्ष में रहा हूं। इसलिए हमारे पास ये है। मेरी कंपनियों में कई एच-1बी वीजा वाले लोग हैं। मैं एच-1बी में विश्वास करता रहा हूं। यह एक बेहतरीन कार्यक्रम है। हालांकि, ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में एच-1 बी वीजा को बैन करने को लेकर बात कही थी।

राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में एच-1 बी पर रहा प्रतिबंध

2016 में ट्रम्प ने कहा था कि एच-1 बी कार्यक्रम श्रमिकों के लिए बहुत बुरा था और इसे समाप्त करने का आह्वान किया। उनके प्रशासन ने ऐसे नियम लाए। जिनसे एच-1 बी रिजेक्ट करने की दर में वृद्धि कर दी। इसके अलावा, इसने विशेष व्यवसाय की परिभाषा के तहत कौन सी नौकरियां और शैक्षणिक डिग्रियां पात्र थीं, इसे सीमित करके व्यक्तियों के लिए एच-1 बी याचिका के लिए क्वालीफाई प्रक्रिया को अधिक कठिन बनाने का प्रयास किया।

पंच तत्व में विलीन हुए आचार्य कुणाल समाज सेवा को याद कर भावुक हुए लोग

केटी न्यूज/पटना

पटना के महावीर न्यास समिति के सचिव और पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का अंतिम संस्कार सोमवार को हाजीपुर के कौनहारा घाट पर पूरे वैदिक रीति-रिवाज के साथ किया गया। उनके पुत्र श्यान कुणाल ने चितां को मुखाग्नि दी। उनकी शवयात्रा में हजारों लोग शामिल हुए और श्रद्धांजलि अर्पित की, जो उनके व्यक्तित्व और समाज सेवा में योगदान को याद कर भावुक हो गए।

हाजीपुर के कौनहारा घाट में अंतिम संस्कारः आचार्य किशोर कुणाल की शवयात्रा सुबह नौ बजे पटना के कुर्जी स्थित उनके आवास 'सयान निलयम' से शुरू हुई. शवयात्रा कुर्जी से शुरू होकर गौशाला रोड, सदाकत आश्रम, राजीव नगर, अटल पथ और पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर होते हुए गांधी मैदान, मरीन ड्राइव, गायघाट, गांधी सेतु होते हुए हाजीपुर के कौनहारा घाट पहुंची। इससे पहले पटना के महावीर मंदिर में उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान महावीर मंदिर की ओर से पूजा अर्चना की गई। शव पर हिन्दू सहित बड़ी संख्या में मुस्लिमों ने भी फूल मालाएं चढ़ाई। आचार्य किशोर कुणाल के अंतिम दर्शन के लिए महावीर मंदिर के बड़ी संख्या में भीड़ थी। मंदिर के ऊपर चढ़कर सभी अंतिम दर्शन करना चाह रहे थे। जहां बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और आम लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे. महावीर मंदिर न्यास से जुड़े अस्पतालों के डॉक्टर और कर्मचारी, पटना विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र और उनके करीबी सहयोगी शव यात्रा में शामिल हुए. वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह समेत कई नामचीन हस्तियां देर रात उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने पहुंचीं थी।

भारतीय समाज के लिए एक अमूल्य विरासतः आचार्य किशोर कुणाल के जीवन में किए गए समाज सेवा, मंदिर निर्माण और धार्मिक ग्रंथों के संरक्षण के कार्यों को हमेशा याद किया जाएगा। बता दें कि आचार्य किशोर कुणाल ने पटना के महावीर मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से समाज सेवा और धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया। उन्होंने महावीर कैंसर संस्थान और महावीर वात्सल्य संस्थान जैसी संस्थाओं की स्थापना कर स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। धार्मिक संस्थाओं को भौतिक रूप से सशक्त बनाया। सामाजिक उत्थान के लिए भी प्रयास किए। उनके जाने के बाद उनके कार्य भारतीय समाज के लिए एक अमूल्य विरासत हैं और प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

आईपीएस वितुल कुमार होंगे सीआरपीएफ के अगले महानिदेशक, अनीश दयाल की लेंगे जगह

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय पुलिस सेवा में 1993 बैच के वरिष्ठ अधिकारी वितुल कुमार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का कार्यवाहक महानिदेशक बनाया गया है। वितुल कुमार मौजूदा डीजी अनीश दयाल सिंह की जगह लेंगे।

आईपीएस अनीश 31 दिसंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 30 दिसंबर को उन्होंने वितुल कुमार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक का पदभार सौंपा। उत्तर प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी वर्तमान में

सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। महानिदेशक के रूप उनकी नियुक्ति के संबंध में गृह मंत्रालय ने आदेश जारी किया। गृह मंत्रालय के मुताबिक नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति या अगले आदेश तक आईपीएस वितुल महानिदेशक का पदभार संभालेंगे। आठ अगस्त, 1968 को पंजाब के बठिंडा में जन्मे वितुल कुमार के पास इलेक्ट्रॉनिक्स में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री है। 1993 में नियुक्ति के बाद बीते 31 साल के करियर के दौरान वितुल कुमार ने पुलिस बल में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। सीआरपीएफ में ही उन्हें 9 फरवरी, 2009 को उप महानिरीक्षक पद पर प्रोमोशन दिया गया था। इसके अलावा 31 दिसंबर, 2012 को उन्हें आईजी बनाया गया था। इसके बाद 1 जनवरी, 2018 को एडीजी के पद पर पदोन्नत किया गया था। सितंबर 2024 में उन्हें सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

भाजपा का हमला... राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने गए वियतनाम

एजेंसी/नई दिल्ली

बीजेपी और कांग्रेस के बीच पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन के बाद तीखी नोकझोंक जारी है। अब बीजेपी ने राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर सवाल उठाए हैं, जबकि कांग्रेस ने सरकार पर मनमोहन सिंह का अपमान करने का आरोप लगाया है। यह विवाद मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के स्थान और राहुल गांधी की नए साल के मौके पर विदेश यात्रा को लेकर शुरू हुआ।

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब पूरा देश पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, तब राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने विदेश गए हैं।शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस को डॉ. मनमोहन सिंह की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने उनके जीवनकाल में उनका अपमान किया। अब भी कर रहे हैं। कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने से भी इनकार कर दिया। यही उनका असली चेहरा है। इस मामले में कांग्रेस ने सफाई देते हुए कहा कि पार्टी के नेता अस्थि विसर्जन के दौरान परिवार के साथ इसलिए नहीं गए क्योंकि वे शोक संतप्त परिवार को प्राइवेसी देना चाहते थे। इस कारण वह वहां नहीं थे।

पार्टी मुख्यालय पर संगठन विस्तार को लेकर हाई कमान की बैठक में बनी रणनीति

2025 में भारतीय जनता पार्टी को मिल जाएगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी/नई दिल्ली

बीजेपी 2025 में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करेगी। इसके लिए पार्टी जनवरी तक आधे राज्यों में नई जिला और राज्य स्तरीय टीमें बनाएगी। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर संगठन विस्तार को लेकर बैठक हुई। इसमें संगठन चुनावों की समीक्षा की गई। सदस्यता अभियान भी चलाया जा रहा है। इसमें कई चरणों वाली सत्यापन प्रक्रिया है, ताकि सदस्यता सूची पुख्ता हो। इस साल अक्टूबर में बीजेपी की सदस्यता 10 करोड़ पार कर गई।बीजेपी ने रविवार को अपने संगठन पर्व की बैठक की। दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय के विस्तार कार्यालय में यह बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा

और महासचिव (संगठन) बीएल संतोष समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। संगठनात्मक चुनावों की समीक्षा की गई। बैठक के बाद, बीजेपी के लद्दाख महासचिव पीटी कुंजंग ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि यह एक सफल बैठक रही। हमने संगठन चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर चर्चा की।

कांग्रेस के नैरेटिव का देगी जवाब भाजपा

बैठक में यह भी तय हुआ कि कांग्रेस के बीजेपी पर संसद में बीआर अंबेडकर को बदनाम करने के आरोप के जवाब में पार्टी संगठन पर्व मनाएगी। कुंजंग ने आगे कहा, 'पार्टी ने 15 जनवरी 2025 तक पूरे संगठन पर्व के काम को पूरा करने की समय सीमा तय की है। राज्य और जिला अध्यक्ष के चुनाव 15 जनवरी 2025 तक पूरे कर लिए जाएंगे और उसके बाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी के अंत तक, एक नए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी।' यानी बीजेपी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए पार्टी जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है।

पूरे साल वाजपेयी की जयंती बनाएगी बीजेपीः बीजेपी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पूरे साल मनाएगी। यह 25 दिसंबर 2024 से 25 दिसंबर 2025 तक चलेगा। इस साल वाजपेयी की जन्मशती है। इस खास मौके पर बीजेपी उनकी जयंती को सुशासन के रूप में पूरे साल मनाएगी। कुंजंग ने कहा कि पार्टी ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पूरे वर्ष 25 दिसंबर 2024 से 25 दिसंबर 2025 तक मनाने का फैसला लिया गया है।

वर्दी का रौब न दिखाएं, सालभर बाद बदल जाएगा निजाम : प्रशांत किशोर

केटी न्यूज/पटना

जनसुराज के सूत्रधार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार तेज तर्रार महिला आईपीएस अधिकारी व पटना सिटी की एसपी स्वीटी सहरावत को चेतावनी दे दी है। सिटी एसपी स्वीटी सहरावत ने नई-नई नौकरी शुरू की है। मेरा उनको एक सुझाव है कि पुलिस का काम लोगों की सुरक्षा करना है। लोगों डराना पुलिस का काम नहीं है। यह जो पिछले दो बार से लाठचार्ज हो रहा है और नया हीरो बनने की जो आप कोशिश रही हैं। कहीं ऐसा न हो की आपको ही खामियाजा भुगतना पड़े। इतना भी वर्दी का रौब मत दिखाइए कि सबकुछ उल्टा पड़ जाए। उनके आदेश पर ही छात्रों पर लाठियां बरसाई गई। हमलोग पटना सिटी एसपी के खिलाफ मानवाधिकार आयोग जाएंगे। हमलोग इनपर प्राथमिकी दर्ज करवाएंगे। इनको कोर्ट में भी ले जाएंगे। एक-एक का हिसाब किया जा रहा है।

साल भर बाद बिहार का निजाम बदलने वाला है: प्रशांत किशोर ने स्पष्ट कहा कि मैं एसपी से डरने वाला नहीं हूं। क्या बच्चों को दौड़ा-दौड़ा कर मारना कानून का उल्लंघन नहीं है। प्रशांत किशोर ने कहा कि यह लाठीतंत्र नहीं है। जो अफसर हीरो बन रहे हैं, वह कान खोलकर सुन लें कि साल भर बाद बिहार का निजाम बदलने वाला है। कोई भी बनें लेकिन नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगें। इसलिए वर्दी का रौद मत दिखाइए। केवल चमकने के चक्कर में वर्दी का रौब दिखाकर बच्चों पर लाठियां बरसाई जा रही है। क्या आरके मिश्रा, आनंद मिश्रा और मैं अपराधी हूं जो बिहार पुलिस ने हमलोगों पर केस किया गया? आरके मिश्रा डीजी होम रह चुके हैं बिहार में। आनंद मिश्रा एसपी रह चुके हैं क्या यह लोग अपराधी हैं जो आप केस कर रहे हैं। हमारी अपील है कि पटना पुलिस इन बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करें। यह लोग पढ़ने आये हैं देश के भविष्य हैं। आप इन पर लाठी चलाकर अच्छा काम नहीं कर रहे हैं। इन्हें पढ़ने दीजिए। प्रशांत किशोर ने कहा कि बीपीएससी की परीक्षा रद्द कराने की मांग लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करना काफी गलत है। पटना पुलिस ने छात्रों पर वाटर कैनन से बौछारें की गई। इसके बाद बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किया गया। जिन लोगों ने छात्रों पर लाठी चलाई है। उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। छात्र कोई उपद्रव नहीं कर रहे थे।

5 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल मुख्य सचिव से की मुलाकात

पटना। 70वीं बीपीएससी परीक्षा में हुई अनियमितताओं, छात्रों पर लाठी चार्ज और छात्रों की मांगों को लेकर 5 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से मुलाकात की। इस दौरान पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी मौजूद रहे। पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि मुलाकात के दौरान छात्रों ने परीक्षा में हुई अनियमितताओं के सारे तथ्य और अपनी चिंताएं मुख्य सचिव महोदय के समक्ष प्रस्तुत कीं। उन्होंने छात्रों की बात को गंभीरता से सुना और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। पप्पू यादव ने आगे लिखा हम सभी छात्रों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। इस मुद्दे पर जल्द से जल्द न्यायसंगत कदम उठाने की उम्मीद है।

पटना पहुंचे राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, एयरपोर्ट पर एनडीए के नेताओं ने किया स्वागत

केटी न्यूज/पटना

बिहार के नए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान सोमवार को पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एनडीए के नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बिहार के गौरवशाली इतिहास को मैं जानता हूं। भारतीय इतिहास में बिहार का क्या योगदान है, जानता हूं। इसका असर मेरे ऊपर है। मैं प्रयास करूंगा कि जो धरोहर और गौरवशाली परंपरा है। इसी के अनुरूप दायित्व निर्वहन करने का प्रयास करूंगा। एयरपोर्ट पर राज्यपाल का स्वागत करने के लिए विधानसभा स्पीकर नंद किशोर यादव, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, नगर विकास मंत्री नितिन नवीन, पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी समेत कई अधिकारी पहुंचे थे। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सभी नेताओं का राज्यपाल से परिचय कराया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान यूपी के बुलंदशहर के रहने वाले हैं। विर्तमान राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को केरल भेजा गया है। खान के रूप में बिहार को 26 साल बाद मुस्लिम राज्यपाल मिला है। इससे पहले मुस्लिम समाज से एआर किदवई 1998 तक राज्यपाल थे।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने दी जानकारी

भूमि सर्वेक्षण 2026 में होगा खत्म, रैयत आसानी से तैयार कर सकते है दस्तावेज

- पहले यह समय सीमा जुलाई 2025 तय की गई थी
- अक्टूबर-नवंबर 2025 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सर्वेक्षण का काम चुनाव के बाद पूरा हो सकेगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में भूमि सर्वेक्षण (जमीन सर्वे) की प्रक्रिया की मियाद एक साल बढ़ा दी गई है। अब यह प्रक्रिया जुलाई 2026 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। पहले यह समय सीमा जुलाई 2025 तय की गई थी। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सोमवार को इसकी घोषणा की। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने पटना स्थित सूचना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी दी कि जमीन सर्वेक्षण का काम जुलाई 2026 तक पूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि नागरिक ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से सर्वे के लिए दस्तावेज जमा कर सकते हैं और इसके लिए कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। बता दें, अक्टूबर-नवंबर 2025 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सर्वेक्षण का काम चुनाव के बाद पूरा हो सकेगा।

अगस्त 2024 में शुरू हुई थी प्रक्रिया: बिहार के 45,000 राजस्व गांवों में भूमि सर्वेक्षण की प्रक्रिया 20 अगस्त 2024 को शुरू की गई थी। प्रारंभ में, कई जगहों पर रैयतों (जमीन मालिकों) को अपने कागजात निकालने में समस्याओं का सामना करना पड़ा। अंचल कार्यालयों में लंबी कतारें देखने को मिलीं और गांवों में सर्वे के खिलाफ विरोध भी दर्ज किया गया।

संशोधन और समय सीमा में बदलाव: इन समस्याओं को देखते हुए राज्य सरकार ने सर्वेक्षण के नियमों में संशोधन किया और दस्तावेज जमा करने की समय सीमा को आगे बढ़ाया। इसके अलावा, भूमि सर्वेक्षण की प्रक्रिया धीमी होने के कारण रैयतों को राहत देने के उद्देश्य से मियाद बढ़ाई गई है। इससे अब जमीन मालिकों को अपने दस्तावेज तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय मिल सकेगा।

रैयतों को मिली राहत: भूमि सर्वेक्षण की मियाद बढ़ने से रैयतों को काफी राहत मिली है। अब उन्हें अपनी जमीन के कागजात तैयार करने और जमा करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। राज्य सरकार का यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि विवादों को कम करने और सर्वे प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूचना भवन में आयोजित राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव, दीपक कुमार सिंह ने कहा कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग आम जनता से सीधा जुड़ा हुआ विभाग है। आम लोगों / रैयतों/ किसानों का काम बिना किसी परेशानी के हो जाए और उन्हें राजस्व कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए विभाग पूरी व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए प्रयासरत है। विभाग द्वारा रैयतों को दी जा रही हर सुविधा की समय सीमा निर्धारित है। विभाग की कोशिश है कि तय समय सीमा के भीतर उन्हें सभी सेवाएं प्राप्त हों। भूमि विवादों को खत्म करने के लिए भूमि सर्वेक्षण सरकार की प्राथमिकता में है। इसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। जिससे आने वाले समय में सरकार के पास भूमि से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध रहेगी। जो विकास में मदद करेंगा।

भूमि सर्वेक्षण के कार्य हेतु 9,888 कर्मियों का किया गया चयन

बिहार विशेष भूमि सर्वेक्षण के कार्य हेतु 9,888 कर्मियों का चयन किया गया। जिन्हें 3 जुलाई 2024 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा नियोजन पत्र प्रदान किया गया। चयनित कर्मियों में विशेष सर्वेक्षण अमीन-8,035, विशेष सर्वेक्षण कानूनगो-458, विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी- 353 और विशेष सर्वेक्षण लिपिक-742 हैं। हैं। पर्व पूर्व से कार्यरत सर्वे कर्मियों को मिला दिया जाए, तो इनकी संख्या लगभग 14 हजार है। भूमि सर्वेक्षण में कैथी लिपि में लिखे पुराने खतियानों के कारण आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए विभागीय मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल द्वारा 5 दिसंबर 2024 को कैथी लिपि पाठ्यपुस्तिका का विमोचन किया गया। पुराने राजस्व दस्तावेजों तथा खतियानों को हिंदी भाषा में आसानी से रूपांतरित करने के लिए विभाग एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किया गया है।राजस्व नक्शों तथा अन्य विभागीय ऑनलाइन सुविधाएं जनता तक सुचारु रूप से पहुंचे, इसके लिए सोनपुर मेला, पटना पुस्तक मेला और सरस मेला में विभाग द्वारा स्टॉल लगाए गए, इसको लेकर जनता की प्रतिक्रिया काफी सकारात्मक रही। आमजनों की मांग पर इन स्टालों में कैथी लिपि पाठ्यपुस्तिका प्रिंट कराकर मामूली शुल्क पर उपलब्ध कराई गई।

सीएम नीतीश के लिए आरजेडी के सारे दरवाजे बंद : तेजस्वी

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के लिए आरजेडी के सभी दरवाजे पूरी तरीके से बंद हैं। उनके साथ सरकार चलाना अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। तेजस्वी की बस उम्र कच्ची है, बाकी जुबान पक्की है। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के चेहरे पर सरकार चलाई जा रही है। वे सिर्फ चेहरा हैं, अब सीएम टायर्ड हो चुके हैं। उनकी जगह रिटायर्ड अधिकारी सरकार चला रहे हैं। इनके साथ जब सरकार में थे तो सब ठीक कर दिए थे। शिक्षा विभाग में बहाली निकालने का काम किया गया। एक बार भी पेपर लीक नहीं हुआ। अब पेपर लीक से अभ्यर्थी परेशान हैं। छात्रों पर लाठी बरसाई जा रही है। अब एक बात साफ है कि इनको हाईजैक कर लिया गया है। उनकी जगह भ्रष्ट अधिकारी सरकार चलाने का काम कर रहे हैं। इस सरकार में सिर्फ पेपर लीक हो रहा है। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थिति यह है कि आज के समय में बिहार में सिर्फ पेपर लीक ही हो रह है।वहीं, तेजस्वी यादव के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि सीएम का चेहरा विश्वसनीय हैं। इसलिए उनके चेहरे पर सरकार चल रही है। जहां तक बात है आरजेडी के दरवाजे पर जाने की तो, उनके दरवाजे पर कोई नहीं जा रहा।

एक नजर

नकली शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़, कई ब्रांड का सामान बरामद

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के गरहा थाना क्षेत्र के सूयाहीं गांव में नकली विदेशी शराब बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने एक मकान में छापामारी कर शराब निर्माण के लिए उपयोग की जा रही भारी मात्रा में सामग्री जब्त की। इसके साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि सूयाहीं गांव में एक मकान में अवैध रूप से नकली शराब का निर्माण किया जा रहा है। नए साल के मौके पर बड़ी मात्रा में शराब की सप्लाई की योजना थी। इस सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस अधिकारी (नगर-2) विनीता सिन्हा के नेतृत्व में छापामारी की गई। पुलिस को मकान के भीतर शराब बनाने के सभी उपकरण व्यवस्थित रूप से रखे मिले। छापामारी के दौरान 10 लीटर स्प्रिट, 50 लीटर तैयार नकली शराब और शराब निर्माण की अन्य सामग्री जब्त की गई। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो स्थानीय निवासी हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लाल बाबू सहनी और शिवचंद्र सहनी के रूप में हुई है। दोनों पिता-पुत्र हैं और सूयाहीं गांव के निवासी हैं। पुलिस ने बरामद सामग्रियों में विभिन्न नामी ब्रांडों के नकली कवर, रैपर और स्टिकर भी पाए। इनका उपयोग नकली शराब को असली विदेशी शराब का रूप देने के लिए किया जा रहा था। वहीं, अनुमंडल पुलिस अधिकारी (नगर-2) विनीता सिन्हा ने बताया कि नए साल के मद्देनजर जिले में अवैध शराब निर्माण और तस्करी पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

फ्लिपकार्ट ऑफिस से कनपटी पर पिस्तौल तान 2.20 लाख नकदी-सिक्के ले उड़े बदमाश

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के करजा थाना क्षेत्र में फ्लिपकार्ट के कलेक्शन ऑफिस को एक बार फिर अपराधियों ने निशाना बनाया है। हथियारबंद बदमाशों ने महज पांच मिनट में दफ्तर से 2.20 लाख नकदी और सिक्के लूट लिए। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।जानकारी के मुताबिक, घटना करजा थाना क्षेत्र के मड़वन बाजार में स्थित फ्लिपकार्ट कलेक्शन ऑफिस की है। तीन नकाबपोश बदमाश देर रात बाइक से दफ्तर पहुंचे और हथियार के दम पर लूट को अंजाम दिया। दफ्तर के कर्मियों ने बताया कि बदमाशों में से दो के पास हथियार थे। कनपटी पर पिस्तौल तान दी और पैसे निकालने का आदेश दिया। डर के कारण कर्मचारी ने ऑफिस में जमा 2.20 लाख रुपये और सिक्के बदमाशों को सौंप दिए।

एसएसबी जवान के बंद घर से 21 लाख की चोरी

केटी न्यूज/बाढ़

बाढ़ के राणा बीघा गांव में चोरों ने एक बड़ी घटना को अंजाम दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एसएसबी जवान के घर से 21 लाख की चोरी हुई है। घटना के समय परिवार को कोई सदस्य घर में मौजूद नहीं था। मेन डोर पर ताला लगा हुआ था। ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे और जेवरात-कैश ले उड़े। पीड़िता उषा देवी ने बताया कि शनिवार को अपनी बहन के घर भामनचक गांव गई हुई थी। घर में ताला बंद था। सोमवार सुबह पड़ोसियों ने फोन बताया कि कि आपके घर का मेन गेट खुला है। इसकी सूचना मिलते ही तत्काल अपने घर आयी। घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर प्रवेश की तो होश उड़ गए। चोरों ने घर में रखें सभी बक्सा व सुटकेश को तोड़ दिया था। उसमें रखा हुआ सारा सामान बिखेर दिया गया था। गोदरेज और आलमारी का लॉक टूटा हुआ था। गोदरेज से 20 से 25 लाख के सोने-चांदी के जेवर और 1 लाख कैश गायब थे। देखने से यह अंदाजा लग रहा था कि चोरों ने जमकर ताड़व मचाया होगा। वहीं इस घटना के बारे में आसपास के लोगों को भनक तक नहीं लग पायी। पीड़ित ने बताया कि दोनों बेटे और पति बाहर रहते हैं। पीड़िता ने आशंका जताते हुए कहा शराब तस्कर और नशेड़ियों ने वारदात को अंजाम दिया है। घर के आसपास नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। एएसआई संजीत महाराज ने बताया कि गश्ती टीम को राणाबीघा गांव में बंद घर से चोरी की सूचना मिली है। मौके पर पुलिस टीम को भेजा गया है। वरीय पदाधिकारी को सूचना दी गई है। जांच के लिए डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया है। साथ ही आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है। मामले की जांच चल रही है।

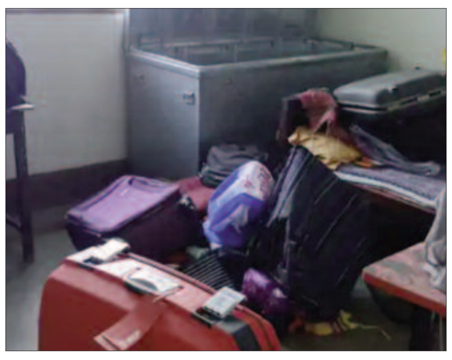

पटना में बनेगा हाईटेक कॉल और ट्रेनिंग सेंटर

पटना। साइबर अपराध की चुनौतियों से निपटने के लिए बिहार पुलिस की ओर से बड़े स्तर पर तैयारी की जा रही है। इसमें हाईटेक कॉल सेंटर और ट्रेनिंग सेंटर खोलने के लिए बिहार सरकार को पुलिस विभाग ने प्रस्ताव भेजा है। इस कॉल सेंटर के जरिए 24 घंटे साइबर अपराध से जुड़े मामलों की निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा साइबर कमांडो को भी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जा रहा है।इसके लिए राज्य भर से 176 पुलिस पदाधिकारियों का चयन किया गया है। एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर बताया कि बिल्डिंग के डिजाइन का काम चालू है। इसमें ट्रेनिंग के लिए स्पेस का ध्यान रखा गया है।

मिस बिहार 2024 के ग्रैंड फिनाले का भव्य आयोजन होटल पाटलिपुत्र एग्जॉटिका में हुआ

ऐश्वर्या के सिर सजा मिस बिहार 2024 का ताज, अनुष्का फर्स्ट रनरअप व तान्या बनीं सेकेंड रनरअप

केटी न्यूज/पटना

बिहार के एकमात्र ब्यूटी पीजेंट मिस बिहार 2024 का भव्य आयोजन आज पटना में संपन्न हुआ, जहां ऐश्वर्या के सर मिस बिहार 2024 का ताज सजा। वहीं, फर्स्ट रनरअप का खिताब अनुष्का ने जीता, जबकि तान्या सेकेंड रनरअप रहीं। विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र, और विशेष उपहार दिए गए। ऐश्वर्या को बिहार का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करने का अवसर मिलेगा। मिस बिहार 2024 के ग्रैंड फिनाले का भव्य आयोजन होटल पाटलिपुत्र एग्जॉटिका में हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत रूफ फाउंडेशन और ओसियन विजन द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता ने बिहार की प्रतिभाशाली युवतियों को अपनी कला और आत्मविश्वास प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान किया। प्रतियोगिता के चीफ गेस्ट और निर्णायक मंडल में मिस इंडिया और बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रेया शंकर, मिस्टर इंडिया और बॉलीवुड एक्टर राहुल राजशेखरन, मिसेज इंडिया जुली, और प्रसिद्ध बॉलीवुड शो डायरेक्टर कौशिक घोष शामिल थे। इन प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति ने प्रतियोगिता को और भी खास बना दिया। प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न जिलों से चयनित 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वे रैंप वॉक, इंट्रोडक्शन राउंड, टैलेंट राउंड और सवाल-जवाब के कठिन चरणों से गुजरे। हर प्रतिभागी ने अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा से निर्णायकों और दर्शकों का दिल जीतने का प्रयास किया। वहीं, कार्यक्रम के दौरान बॉलीवुड सिंगर दीपक उपाध्याय और विशु बाबा के गानों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। और बूगी बूगी डांस ग्रुप के प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। आयोजन समिति के प्रवीण सिन्हा ने इस कार्यक्रम को बिहार की प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताते हुए कहा कि यह न केवल एक प्रतियोगिता थी, बल्कि यह बिहार की कला, संस्कृति, और युवाओं के हुनर का उत्सव भी था।

विडंबना: हाई स्कूल दूर होने से असमय बंद हो जा रही है दर्जनों छात्रों की पढ़ाई

8वीं के बाद हाई स्कूल की पढ़ाई करने दूसरे प्रखंड में जा रहे हैं आधा दर्जन गांवों के बच्चे

- पढ़ाई के लिए दुर्गम मार्ग पार करते हैं रामपुर मठिया, परमानपुर, इंग्लिशपुर, रमधनपुर, चकनी, खैरा आदि गांवों के बच्चे
- 10 से 12 किमी दूर है पंचायत मुख्यालय, पांच से छह किमी दूरी तय कर नया भोजपुर आते हैं छात्र-छात्राएं

केटी न्यूज/डुमरांव

राज्य सरकार गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिशन को धरातल पर उतारने के लिए कई प्रयास कर रही है। खासकर छात्राओं को उच्च शिक्षित बनाने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी पंचायतों में हाई स्कूल खुलवाए है, यही नहीं अब छात्रों के खेल कौशल को निखारने के लिए पंचायत स्तर पर खेल मैदान का निर्माण कर खेल संसाधन भी मुहैया कराए जा रहे है, लेकिन अनुमंडल मुख्यालय से सटे व सिमरी प्रखंड के अंतर्गत आने वाले आधा दर्जन से अधिक गांवों के बच्चों को ये दोनों सुविधाएं मयस्सर नहीं हो पा रही है।

अलब्ता उन्हें हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए जहां डुमरांव प्रखंड में स्थित नया भोजपुर जाना पड़ता है तो मैदान के अभाव खेल प्रतिभाएं भी दम तोड़ रही है। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है। वही, इस गंभीर समस्या के प्रति स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों की चुप्पी व शासन-प्रशासन की बेफिक्री से हर साल दर्जनों छात्र-छात्राएं असमय पढ़ाई छोड़ने पर मजबूर हो रहे है।

भौगोलिक स्थिति भी है जिम्मेवार, 10-12 किलोमीटर दूर पड़ता है पंचायत मुख्यालय : बता दें कि इन आधा दर्जन गांवों में तीन पंचायत के अंतर्गत गांव आते है। जिनमें सबसे अधिक मझवारी पंचायत के परमानपुर, रामपुर मठिया, मुकुंदपुर व इंग्लिशपुर गांव शामिल है। इसके अलावे गायघाट पंचायत का रमधनपुर व काजीपुर पंचायत का चकनी गांव शामिल है। खुद काजीपुर पंचायत का हाई स्कूल भी जमीन के अभाव में गांव से करीब चार-पांच किलोमीटर दूर दुरासन मध्य विद्यालय में संचालित हो रहा है।

यहां बता दें कि मझवारी पंचायत के अंतर्गत आने वाले गांवों की पंचायत मुख्यालय से दूरी 10-12 किलोमीटर हो जा रही है। मझवारी से इन गांवों के बीच कोलिया ताल व भोजपुर नदी बहती है। जिस कारण ग्रामीणों को पंचायत मुख्यालय जाने के लिए नया भोजपुर से पुराना भोजपुर होकर जाना पड़ता है। यही कारण है कि इस पंचायत के बच्चें अपने पंचायत के हाई स्कूल में नहीं पढ़ पाते है। यही हाल गायघाट पंचायत के अंतर्गत आने वाले रमधनपुर से भी पंचायत मुख्यालय की दूरी बहुत अधिक है, जबकि काजीपुर पंचायत में आने वाले चकनी से दुरासन की दूरी भी बढ़ जाती है। जिस कारण इन गांवों के छात्र नया भोजपुर स्थित उच्च विद्यालय और एपी शर्मा उच्च विद्यालय में पढ़ाई करने जाते है। जिन्हें आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मुद्दे पर छात्राओं तथा उनके अभिभावकों से की गई बात : सोमवार को केशव टाइम्स की टीम ने इस गंभीर मुद्दे पर छात्रों तथा उनके अभिभावकों से बात की। इस दौरान रमधनपुर से नया भोजपुर उच्च विद्यालय जा रही छात्राएं सोनम कुमारी, माधुरी कुमारी, अंशु कुमारी, अंजली कुमारी, अनिशा कुमारी व प्रिती कुमारी आदि ने बताया कि उनके गांव से नया भोजपुर की दूरी करीब आठ किलोमीटर है। हर दिन यह दूरी तय करनी पड़ती है। छात्राओं ने कहा कि यदि उनके गांव के आस पास हाई स्कूल होता तो पढ़ाई में सुविधा होती। छात्राओं ने बताया कि उनके गांव की कई छात्राएं आठवी के बाद पढ़ाई छोड़ देती है। कुछ ऐसी ही बातें रामपुर की सोनी, गुड़िया, मनीषा आदि ने बताया।

कोलिया ताल को पार करने का खतरा मोल लेते है बच्चे

सड़क मार्ग से रामपुर मठिया से नया भोजपुर गांव की दूरी चार से पांच किलोमीटर है, लेकिन रामपुर के ठीक सामने से कोलिया ताल होकर नवरत्न गढ़ किला तक एक कच्चा मार्ग है, जिसके बीच में नदी पर बनी पुलिया का एक रेलिंग भी टूट गया हैं। यह मार्ग काफी कठिनाई वाला है तथा अक्सर इसमें कीचड़ उत्पन्न हो जाता है। बावजूद अधिकतर छात्र-छात्राएं इसी मार्ग से होकर हाई स्कूल की पढ़ाई करने जाते है।

मुद्दे पर ग्रामीणों ने कहा ये...

" गांव में हाई स्कूल नहीं होने से बच्चियों की पढ़ाई बाधित हो रही है। अधिकांश अभिभावक अधिक दूरी के कारण अपनी बच्चियों को आठवी के बाद पढ़ाई बंद करा देते है। गांव से नया भोजपुर जाने में हमेशा डर बना रहता है। गांव के आस पास हाई स्कूल होने से छात्राओं की पढ़ाई में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। - मुन्ना खरवार

" हाई स्कूल व खेल मैदान के अभाव में हमारे गांव सहित आधा दर्जन गांवों के छात्र के साथ यहां के युवाओं में कुंठा है। प्रशासन की उदासिनता के कारण यहां की लड़कियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ रही है। यदि गांव के आस पास हाई स्कूल बन जाता तो यह समस्या दूर हो जाती। - बिहारी सिंह

" आधा दर्जन गांवों में हाई स्कूल नहीं होना, शासन प्रशासन तथा शिक्षा विभाग के लिए चुनौती है। यह इलाका कोलिया ताल के कारण पंचायत मुख्यालयों से काफी दूर है, जिस कारण इस इलाके के लिए एक हाई स्कूल व एक खेल मैदान होना चाहिए। - गोरख यादव

" गांव में रामपुर मठिया के नाम पर करीब 337 बीघा की सार्वजनिक जमीन है, जो भू-मॉफियाओं के कब्जे में है। फिलहाल इसका मामला कोर्ट में चल रहा है। इस जमीन की मापी करा इस पर हाई स्कूल व खेल मैदान बनाया जा सकता है। - प्रभुनाथ यादव

जांच कर विभाग को दी जाएगी इसकी जानकारी

" सभी पंचायतों में कम से कम एक हाई स्कूल बनवाया गया है। पंचायत मुख्यालय से दूरी के कारण अगर छात्र-छात्राओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है तो इसकी जांच करा विभाग को इसकी जानकारी दी जाएगी। विभागीय निर्देश के आलोक में हाई स्कूल बनवाया जाएगा।

- अमरेन्द्र कुमार पांडेय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, बक्सर

एक नजर

आरटीपीएस काउंटर पर आए आवेदनों का करें त्वरित व गुणवत्ता पूर्ण निष्पादन: जिलाधिकारी

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार को बिहार लोक सेवा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कार्यरत सभी आईटी सहायको के कार्यां की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। इस दौरान डीएम ने लोक सेवाओ के अंतर्गत लंबित आवेदनों का अंचलवार समीक्षा करते हुए उसके त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया, साथ ही प्रत्येक पंचायत सरकार भवन व पंचायत भवन में कार्यरत आरटीपीएस काउंटर से प्राप्त आवेदनों का त्वरित गुणवत्ता पूर्ण निष्पादन का भी निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि आरटीपीएस पर जो आवेदन आते है वह आम जनता के होते है। उन्होंने कहा कि आरटीपीएस काउंटर पर प्राप्त आवेदनों का निष्पादन समय से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिक समय से लंबित आवेदनों का यदि शीघ्र निष्पादन नहीं हुआ तो संबंधित आईटी सहायक पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से सभी के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश भी दिए।

आचार्य कुणाल किशोर का असामयिक निधन धर्म, संस्कृति व साहित्य को भारी नुकसान

बक्सर। आचार्य कुणाल किशोर के असामयिक निधन से बिहार के धर्म, संस्कृति, सभ्यता और साहित्य को भयंकर नुकसान पहुंचा है। वे आजीवन धर्म व संस्कृति के उत्थान का प्रयास करते रहे थे। उक्त बातें बक्सर भाजपा के वरिष्ठ नेता और होटल व्यवसायी प्रदीप राय ने कही। वे आचार्य कुणाल किशोर के अंतिम यात्रा में शामिल होने गए थे तथा उनके पार्थिव पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने बताया कि पटना स्थित हनुमान मंदिर से उनकी शव यात्रा निकाली गई। वही, अंतिम संस्कार हाजीपुर के कौनहारा घाट पर किया गया। जहां, उनके बड़े पुत्र सायन कुणाल ने मुखाग्नि दी। उन्होंने बताया कि अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए थे। प्रदीप राय ने बताया कि आचार्य कुणाल किशोर का निधन उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है। उन्होंने कहा कि धर्म व संस्कृतिक की रक्षा के लिए उन्होंने अपने जीवन को बलिदान कर दिया था। उनका ही देन है कि आज बिहार के कई मंदिर सुरक्षित बचे है तथा मंदिरों की संपति पर भी किसी ने आंख नहीं उठाई है। श्री राय ने कहा कि उनका निधन समस्त सनातन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

कार के धक्के से हुई मौत पर वाहन मालिक समेत तीन पर प्राथमिकी दर्ज

नावानगर। सोनवर्षा बाजार में बीते सप्ताह कार की चपेट आने से हुई वृद्ध की मौत पर वाहन मालिक समेत तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी दर्ज मृतक के पुत्र रघुवेन्द्र कुमार आनंद ने कराया है। इधर प्राथमिक दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की अनुसंधान में जुट गई है। दर्ज प्राथमिकी में मृतक रघुवर प्रसाद के पुत्र ने बताया है, कि वाहन चालक ने जानबूझकर उनके पिता को अपने कार के नीचे कुचल कर हत्या किया है। दर्ज प्राथमिकी में सोनवर्षा निवासी निशिकांत व शुभम कुमार उर्फ रिशु पटेल व इकील गांव निवासी नन्दू चौधरी के पुत्र शनि कुमार को नामजद किया है। बता दें कि बीते 23 दिसंबर की रात मृतक रघुवर प्रसाद प्रतिदिन की तरह अपने पुराने घर से भोजन कर थाना के पीछे नवनिर्मित घर में विश्राम करने जा रहे थे। इसी दौरान सब्जी बाजार स्थित मस्जिद के पास कार की चपेट में आने से उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी। इस संबंध में सोनवर्षा थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि सीसीटीवी के माध्यम कार चालक की पहचान की जा रही है। दोषी पर कार्रवाई की जाएगी।

जर्मन हैंगर तकनीक से बना रैन बसेरा हुआ शुरू

डुमरांव। अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में सोमवार को जर्मन हैंगर तकनीक से बने चौबीस बेड के रैन बसेरा का उद्घाटन किया गया। अस्पताल में खुलने से बीमार मरीज के अभिभावकों के अलावे ग्रामीण क्षेत्र जाने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी। विदित हो कि इसके पहले प्रखंड कार्यालय परिसर में एक रैन बसेरा पहले ही खुल चुका है, जिसका उपयोग यात्री से लेकर जरूरतमंद लोग उठा रहे हैं। मालूम हो की एक रैन बसेरा बनाने में 40 लाख रूपया खर्च हो रहे है, जिस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस जर्मन हैंगर रैनबसेरा में क्या खासियत है कि चालीस लाख रूपया खर्च हो रहे हैं। इतने पैसे में तो पक्का स्थायी रैनबसेरा का निर्माण हो सकता है। इस रैन बसेरा के उदघाटन उप मुख्य पार्षद के अलावे कई वार्ड के महिला व पुरूष वार्ड पार्षद व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि भी शामिल थे। इस मौके पर उपस्थित सीआरपी को यह बताया गया की फिल्ड में कार्य के दौरान रैन बसेरा के संबंध में बताया जाए, जिससे लोग पहुंच इसका उपयोग कर सकें। फिर नप स्टाफों के साथ वार्ड पार्षदों से भी अनुरोध किया गया कि रैन बसेरा में मिलने वाली सुविधाओं को भी बताया जाए। मौके पर वार्ड पार्षद सुभद्रा देवी, पूर्व वार्ड पार्षद सोनू राय, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मदन चौबे, सीआरपी सरोज देवी सहित अन्य मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

चक्की। पुलिस ने थाना क्षेत्र के विशेश्वर डेरा के पास से 37 पीस देसी शराब के साथ कारोबारी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। कारोबारी की पहचान उत्तर प्रदेश के बेयासी थाना क्षेत्र के प्राणपुर गांव निवासी मुरारी यादव पिता कपिल देव यादव के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष संजय पासवान ने बताया कि वह बाइक पर दूध वाले केन में शराब छुपाकर तस्करी कर रहा था।

67.405 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त

चौसा। मुफस्सिल पुलिस ने कृतपुरा से नववर्ष पर शराब बिक्री करने की तैयारी को लेकर यूपी से तस्करी कर बाइक से लायी जा रही 67.405 लीटर अंग्रेजी शराब को बरामद किया है। हालांकि, तस्कर बाइक छोड़ फरार हो गया। जिसे थाने ला शराब व बाइक की जब्त की कार्रवाई की गई। वही, बाइक के नम्बर से तस्कर का पता लगाया जा रहा है।

झोपड़ीनुमा मकान में लगी आग सात बकरियों की जलकर मौत

केटी न्यूज/राजपुर

जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के रसेन गांव में एक कच्चे झोपड़ीनुमा घर मे अचानक से आग लग गई। जिसमें घर मे रखे टेंट व पशु चारा समेत बंधे सात बकरियों के जलने से मौत हो गई। संयोग रहा आग लगने की जानकारी के बाद घर मे सोए गृहस्वामी व परिजन बाहर निकल आये।

जानकारी के अनुसार रविवार की रात्रि रसेन गांव निवासी मंगल सिंह व उसका परिवार रात्रि पहर खाना खाकर सो गए। देर रात्रि अचानक से आग लग गई। ठंड के मौसम होने के कारण सभी लोग अपने घर में सो रहे थे। किसी को कुछ अहसास नही हुआ। जब आग ने विकराल रूप लिया व बकरियों के चिल्लाहट से घर के लोगों को आग लगने की जानकारी हुई। सभी लोग घर के चिल्लाते बाहर भागे। तब-तक ग्रामीण जूट आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इसकी सूचना अग्निशमक दल को दी गई। जहा अग्निशमक वाहन व ग्रामीणों द्वारा मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन, वहा रखे सामग्री व बंधे बकरियों को जलने से बचाया न जा सका। बताया जाता है कि इस घटना में रखे टेंट का सामान, पशु चारा व झोपड़ीं में बंधी सात बकरियां भी आग की भेंट चढ़ गई। सोमवार की सुबह ग्रामीणों द्वारा इस घटना की सूचना राजपुर अंचल पदाधिकारी डा. शोभा कुमारी को देते हुए उचित मुआवजा की मांग की गई है। वही अंचल द्वारा घटना का मुआयना कर नुकसान का आंकलन कर सरकारी सहायता दिए जाने का आश्वासन दिया गया।

एक माह से बंद है यादव मोड़ पर लगा हाई मास्ट लाइट

चौसा। स्थानीय नगर पंचायत के मुख्य चौराहा यादव मोड़ व अखौरीपुरगोला के साथ चौसा के प्रमुख स्थल महर्षि च्यवन स्थल पर बक्सर थर्मल प्लांट कम्पनी द्वारा लाखों खर्च कर विगत माह हाई मास्ट लाइट लगाई गई थी। मगर, यादव मोड़ पर लगे हाई मास्ट लाइट लगने के दस दिन बाद ही खराब हो गया। जिससे फिर एक बार यादव मोड़ चौराहा रात को अंधेरे में डूब जा रहा है।

वहीं, स्थानीय दुकानदार व आम नागरिकों में इसको लेकर काफी आक्रोश है। लोगों ने बताया कि लगने के विगत दस दिन बाद महीने दिनों से लाइट बुझे हुए है। जिससे अब फिर एक बार घुप अंधेरा छा जा रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी रात के दौरान होती है। ठंड के दौरान रात में बिना लाइट के चलने में काफी परेशानी हो रही है। इस संबंध में नगर पंचायत से सम्पर्क किया तो वह के विभागीय कर्मियों को कहना है कि लाइट जल रही या नहीं इसकी यहा किसी के द्वारा शिकायत नहीं की गई है। इस बात की जानकारी आप लोगों से मिली तो दिखाया जाएगा।

31 दिसंबर तक बढ़ी राज्य मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना की तिथि

केटी न्यूज/बक्सर

- वर्ष 2022, 23 व 24 में मैट्रिक प्रथम श्रेणी से पास करने वाली छात्राएं कर सकती है आवेदन

मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग व अत्यंत पिछड़ा वर्ग मेधावृत्ति योजना तथा मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति मेधावृत्ति योजना के लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण एवं अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण लाभुकों को प्रोत्साहन राशि दिये जाने के लिए रजिस्ट्रेशन करने की अंतिम तिथि विस्तारित की गई है। अब छात्राएं इन योजनाओं का लाभ पाने के लिए 31 दिसंबर तक रजिस्टेज्शन कर सकती है।

जबकि बिहार मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री बालिका (इन्टरमीडिएट उत्तीर्ण) प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत बिहार सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त राज्य के विभिन्न परीक्षा बोर्डों से इन्टरमीडिएट परीक्षा 2022, 2023 एवं 2024 में उत्तीर्ण अविवाहित छात्राओं को प्रोत्साहन राशि दिये जाने के लिए रजिस्ट्रेशन की तिथा 31 दिसंबर तक विस्तारित की गई है। अभ्यर्थियों को मेधासॉफ्ट पोर्टल पर पंजीकरण कराना पड़ेगा।

मुरार पंचायत के टीबी मरीजों को लिया गया गोद, अधिकारियों ने दी लोगों को जानकारी

खुशखबरी: टीबी मुक्त घोषित हुआ चौगाईं प्रखंड का मुरार पंचायत

- एस्वास्थ्य कर्मियों और जनप्रतिनिधियों ने टीबी के इलाजरत मरीजों के बीच बांटे फूड बास्केट

केटी न्यूज/चौगाईं

चौगाईं प्रखंड का मुरार पंचायत टीबी मुक्त पंचायत बन गया है। पंचायत प्रतिनिधियों व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा इस पंचायत के मरीजों का चयन कर गोद लेकर उन्हें पौष्टिक भोजन देने तथा पीएचसी से मुफ्त दवाई के द्वारा उन्हें टीबी जैसी गंभीर बीमारी से निजात मिली है। पंचायत के टीबी मुक्त घोषित होने पर ग्रामीणों में खुशी व्याप्त है।

बत दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीबी मुक्त भारत का अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत पंचायत के कुल आठ मरीजों को गोद लिया गया था। इन मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कर्मी रितेश कुमार, पंचायत के मुखिया श्रवण कुमार प्रसाद, उप मुखिया प्रतिनिधि कन्हैया सिंह समेत अन्य पंचायत प्रतिनधियों ने उन्हें गोद ले पौष्टिक भोजन करा इस बीमारी से लड़ने में मरीजों की सहायता की है। इसके अलावे चौगाईं सीएचसी प्रभारी डॉ. मितेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों ने बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चला लोगों को जागरूक भी किया है। जिसका परिणाम है कि मुरार पंचायत टीबी मुक्त घोषित किया गया है। चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि बहुत जल्द पूरे प्रखंड इलाके को टीबी मुक्त घोषित कर दिया जाएगा।

पोषण, आजीविका के स्तर पर करेंगे मदद : बीएचएम चिंतामणी देवी ने बताया कि निक्षय मित्र योजना एक तरह से टीबी रोग से पीड़ित लोगों को गोद लेने की योजना है। इस योजना के तहत कोई भी सामान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, राजनीतिक दल, गैर सरकारी संस्थान, कॉर्पोरेट संस्थान टीबी के मरीज को गोद ले सकता है। इस अभियान के तहत व्यवस्था की गई है कि निक्षय मित्र बनने वाला व्यक्ति या संस्था कम से कम एक वर्ष के लिए और अधिक से अधिक तीन साल के लिए किसी गांव, वार्ड, पंचायत, ब्लॉक या जिले के किसी टीबी रोगियों को गोद लेकर उन्हें भोजन, पोषण, आजीविका के स्तर पर जरूरी मदद उपलब्ध करा सकते हैं।

टीबी मुक्त घोषित किए गए मरीजों को सोमवार को पोषण किट के अलावे कई अन्य सामग्री दे उन्हें सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर बीसीएम विकास कुमार, अनिल कुमार, मेहताब आलम, बब्लू कुमार, गोविंद कुमार, अजीत सिंह समेत कई अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

किसानों को वैज्ञानिकों का साथ मिलने से हरित क्रांति का सपना होगा साकार

- जिला कृषि पदाधिकारी की अध्यक्षता में आत्मा ने आयोजित किया दो दिवसीय कृषक वैज्ञानिक वातार्लाप
- कृषि वैज्ञानिकों ने दिये खेती के आधुनिक टीप्स

केटी न्यूज/बक्सर

किसानों को वैज्ञानिकों का साथ मिले तो हरित क्रांति का सपना खेतों में अवश्य दिखेगा। इसके मद्देनजर आत्मा द्वारा संयुक्त कृषि भवन, बक्सर के सभागार में सोमवार को दो दिवसीय कृषक वैज्ञानिक वातार्लाप कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वातार्लाप के माध्यम से किसानों की दैनिक समस्याओं का तत्काल समाधान एवं नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। मौसम के अनुकूल कृषि की मांग है। इसलिए किसान बंधु बीज की किस्म का चयन करते समय इसका विशेष ध्यान दे। मिट्टी की जांच कराकर बेहतर खेती के लिए किसान बंधु बर्मी कंपोस्ट का प्रयोग कर जैविक खेती की ओर अग्रसर हो। किसानों के समस्याओं के समाधान हेतु मैं सतत प्रयासरत रहूंगा।

उन्होंने कहा कि इस वातार्लाप का मुख्य उदेश्य एक मंच के माध्यम से कृषक एवं वैज्ञानिक के बीच संवाद कराना है, ताकि संवाद के दौरान रबी मौसम में उगाई जाने वाली फसलों में हो रहे समस्याओं का समाधान किया जा सकें। कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब सभी योजनाओं का कार्यान्वयन ऑनलाईन मोड में कर दिया गया है। इसका लाभ लेने हेतु कृषि विभाग के ऑफिसियल वेबसाईट पर जानकारी हासिल कर सकते हैं। योजनाओं से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अपने सम्बंधित पंचायत के कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार, बीटीएम, एटीएम से संपर्क कर सकते हैं।

कार्यक्रम का समन्वय आत्मा बक्सर के रघुकुल तिलक तथा विकास कुमार राय द्वारा किया गया। वातार्लाप में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेखर कुमार व शेखर किशोर, आत्माकर्मी सत्येन्द्र राम, दीपक कुमार, त्रिपुरारी शरण सिन्हा सहित सहित सभी प्रखंडों के कृषक उपस्थित थे।

फसलों का ससमय प्रबंधन न होने से प्रभावित होता है उत्पादन

केवीके के विशेषज्ञ रामकेवल ने बताया कि फसलों का ससमय प्रबंधन न होने से उत्पादन प्रभावित होता है। आगे उन्होंने रबी मौसम में लगने वाले कीट के प्रबंधन पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बीज उपचार के महत्व से किसानों को अवगत कराया। केवीके के विशेषज्ञ श्री हरगोविंद जायसवाल ने किसानों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया। उन्होंने बीज उत्पादन के तरीके को किसानों के बीच साझा किया। आत्मा की उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी ने कहा कि समयानुसार फसल प्रबंधन बेहद जरुरी है। उन्होंने पोषक तत्वों के महत्व पर चर्चा की, जिसमें अधिकतर कृषक चार पोषक तत्वों नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश तथा जिंक के व्यवहार से अवगत हैं, शेष पोषक तत्वों के महत्व को जानने की आवश्यक्ता है ताकि उसकी ससमय भारपाई की जा सकें। उन्होंने फसलों में रोग की पहचान कर कृषि वैज्ञानिक या प्रशिक्षित डीलर के सलाह से अनुशंसित मात्रा में कीटनाशक दवा प्रयोग करने की सलाह दी।

आरा में आइसा व आरवाईए ने किया चक्का जाम, रोकी ट्रेन

केटी न्यूज/आरा

बीपीएससी की 70 वीं सीसीई परीक्षा रद्द करने, अभ्यर्थियों पर बर्बर लाठीचार्ज, पेपर लीक करने वाले माफियों की गिरफ्तारी एवं मृतक बीपीएससी अभ्यर्थी सोनू कुमार के परिजनों को मुआवजा की मांग को लेकर आइसा और आरवाईए का चक्का जाम। बिहार बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों ने आरा रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर प्लेटफार्म एक पर 03376 बक्सरझपटना पैसेंजर को रोककर बिहार सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने ट्रेन के इंजन और ट्रैक पर खड़ा होकर जमकर प्रदर्शन किया।

आरवाईए के राज्य सचिव सह अगिआंव विधायक शिव प्रकाश रंजन ने कहा कि बीपीएससी की 70वीं पीटी पटना समेत बिहार के अनेक केंद्रों पर पेपर लीक व घोर आपत्तिजनक अनियमितताओं के साथ सम्पन्न हुई। परीक्षा रद्द करने की लोकप्रिय मांग उठी। अभ्यर्थी ठंड में धरने पर बैठ। लेकिन नीतीश-भाजपा सरकार न सिर्फ जिद्द में बहरी बनी रही बल्कि उल्टे न्याय की मांग कर रहे नौजवानों पर अंग्रेजी शासन की याद दिलाने वाला बर्बर लाठीचार्ज किया।

एक परीक्षा सुचारु रूप से करा पाने में सफल नहीं है सुशासन : अगिआंव विधायक शिव प्रकाश रंजन ने कहा कि नीतीश-मोदी सरकार बिहार में सुशासन के बड़े बड़े दावे करती है पर एक परीक्षा सुचारु रूप से करा पाने में सफल नहीं है। लोकतांत्रिक मांगे उठाने पर जेल, फर्जी मुकदमे व बर्बर पुलिसिया दमन नियम बनते जा रहा हैं। इसी परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन का विरोध कर रहे छात्रझछात्राओं पर भी लाठीचार्ज किया गया था। वहीं, आइसा-आरवाईए ने कहा है कि बिहार इस वक्त शिक्षा और परीक्षा माफियाओं के गिरफ़्त में है। समय पर डिग्री न मिलना, कॉलेज में शिक्षक न होना, परीक्षा में धांधली, पैसे पर बिकती नौकरी और डिग्री बिहार में आम चलन बनता जा रहा है। पर सरकार इन माफियाओं पर लगाम लगाने की बजाय युवाओं पर लाठियां चला रही है।

पालीगंज के छात्र ने तनाव में ले ली अपनी जान : विदित है कि मुजफ्फरपुर केंद्र पर बीपीएससीझपीटी परीक्षा देने वाले पटना जिले के पालीगंज के सोनू कुमार नाम के छात्र ने इस तनाव में अपनी जान ले ली। यह आत्महत्या नहीं सांस्थानिक हत्या है जिसका जवाब मोदीझनीतीश की जोड़ी को देना होगा। 30 दिसंबर के चक्का जाम की पूर्व संध्या 29 दिसंबर को पूरे बिहार में नौजवानों के बीच मोमबत्ती जलाकर सोनू कुमार को श्रद्धांजलि दी गई थी और सोनू के परिवार वालों को 5 करोड़ का मुआवजा सरकार दे।

खबरें फटाफट

पांच वारंटी को गिरफ्तार, जेल

डुमरांव। पुलिस ने थाना क्षेत्र में छापेमारी कर पांच वारंटियों को पकड़ने में सफलता पायी हैं। सभी वारंटियों के खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी किया गया था। पुलिस के अनुसार पकड़े गये वारंटियों में सुरौंधा गांव के रत्न राम, हरेंद्र राम, वीरेंद्र राम और अभिताभ बच्चन राम शामिल हैं। सभी आरोपी दरोगा राम के पुत्र बताये जाते हैं। वहीं डुमरांव के विश्वनाथ कुंवर को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने बताया कि इन आरोपियों के खिलाफ डुमरांव थाने में केस दर्ज किया गया था।

शिक्षकों को दिया गया औपबंधिक नियुक्ति पत्र

केसठ। प्रखंड के बीआरसी परिसर में सोमवार को शिक्षा विभाग के निर्देश के आलोक में प्रथम चरण के सक्षमता पास शिक्षकों के बीच औपबंधिक नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजेश राम ने बताया कि नियुक्ति पत्र वितरण के लिए कुल दो काउंटर बनाए गए थे। उन्होंने बताया कि केसठ में सक्षमता परीक्षा पास कुल 53 शिक्षकों ने पास किया है। जिसमें कुल 49 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया गया। शेष चार शिक्षकों का नियुक्ति पत्र नहीं आया है।

अनुमंडल के सभी होटल, रेस्टोरेंट व लॉज में बढ़ेगी पुलिस की चहलकदमी

सख्ती: नए साल के जश्न पर रहेगी कड़ी नजर, पुलिस ने बनायी रणनीति

- पुलिस मुख्यालय सभी थानों के गतिविधियों पर नजर रखेगा

केटी न्यूज/डुमरांव

नए साल के जश्न में शराब का सेवन करना लोगों को जेल की सलाखों में पहुंचा सकता है। ऐसे जश्न के पार्टियों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। अलविदा साल के देर शाम से ही पुलिस की चहलकदमी शहर के होटल, लॉज सहित कई मोहल्लों में बढ़ जायेगी। पुलिस ऐसे जगहों की सूची बनानी शुरू कर दी है। शराब के खिलाफ अनुमंडल की पुलिस ने कई रणनीति तैयार की हैं। निगरानी को लेकर पूरे इलाके में कई टीमों का गठन किया गया है, जो अनुमंडल के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पैनी नजर रखेंगे। इस टीम में तेज-तर्रार पुलिस अधिकारी के साथ मद्य निषेध विभाग भी शामिल है।

पुलिस मुख्यालय सभी थानों के गतिविधियों पर नजर रखेगा। इसके लिए गोपनीय तरीके से प्रगति रिपोर्ट भी पुलिस मुख्यालय तैयार करेगा। बेहतर कार्य करने वाले थानाध्यक्ष पुरस्कार के भागी बनेंगे। डुमरांव अनुमंडल के कई ऐसे भी थानाध्यक्ष है, जिनकी कार्यशैली से पुलिस महकमा खासा प्रभावित है। इनके बेहतर कार्य से अपराध नियंत्रण में भी कमी आयी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शराब के मामले में क्राइम मीटिंग के दौरान कई थानाध्यक्षों पर वरीय पदाधिकारियों की नाराजगी स्पष्ट तौर पर देखी गयी है। सूत्रों की मानें तो नए साल में सभी थानों की प्रगति रिपोर्ट बनेगी, जिसमें शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन, शराब की बरामदगी, शराब तस्करों की गिरफ्तारी, शराब के धंधे से अर्जित किये गये संपत्ति की जब्ती के साथ ही कांड के अनुसंधान की समीक्षा तथा अपराध नियंत्रण को लेकर थाना स्तर पर किये गये प्रयासों की चर्चा प्राथमिकता के आधार पर अंकित है।

शराबबंदी पर लागू रहेगी सख्ती : शराबबंदी कानून का कड़ाई से पालन किया जायेगा। क्राइम मीटिंग के दौरान सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि नए साल पर विशेष नजर रखे। शराब और इसके धंधेबाजों के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। इसके लिए सभी थाना क्षेत्रों में टीमें गठित की गयी हैद्द अफाक अख्तर अंसारी, डीएसपी डुमरांव।

थाना क्षेत्र के लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन करें अनुसंधानकर्ता: एसपी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर एसपी शुभम आर्य छुट्टी से वापस आ गए है। छुट्टी से लौटते ही वे विभागीय कार्यों का निष्पादन तेज कर दिए है। इसी कड़ी में सोमवार को उन्होंने जिले के बगेन थाने का औचक निरीक्षण किया तथा थानाध्यक्ष समेत पुलिस पदाधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश भी दिया।

निरीक्षण के क्रम में एसपी ने गुंडा पंजी, आगन्तुक पंजी, लोक शिकायत पंजी, केश डायरी, वारंट, इश्तिहार व कुर्की जाब्ती पंजियों का अवलोकन किया। साथ ही, अनुसंधानकताओं को लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिए। वहीं, निरीक्षण के दौरान एसपी ने बगेनगोला थाना के प्रतिवेदित कांडो के अनुसंधान की समीक्षा की। सीसीटीएनएस थाना सिरिस्ता संबंधित कार्यो को अद्यतन रखने का निर्देश दिया। राज्य से बाहर के अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं सत्यापन के लिए टीम बनाकर कार्रवाई करने, लंबित कांडों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने, सुरक्षा व्यव्यस्था के मद्देनजर गश्ती के दौरान ज्वेलरी दुकान, बैंक, एटीएम, पेट्रोल पंप अन्य वित्तिय संस्थाओं पर निगरानी रखने आदि का निर्देश दिया। वही एसपी ने पुलिस गश्त तेज करने व फरार अपराधियों की गिरफ्तारी का निर्देश भी दिया है।

एक नजर

उदासीनता: साल गुजर गया, नहीं हुआ नवरत्नगढ़ किले का सौंदर्यीकरण

डुमरांव। नवरत्न गढ़ कले के सौंदर्यीकरण और पार्क निर्माण को लेकर नया भोजपुर सहित क्षेत्र की जनता को वर्तमान साल 2024 में इंतजार हो रहा था। अब साल बितने जा रहा है, लिहाजा इसके बनने की संभावना 2025 में ही संभव है। मालूम हो की ऐतिहासिक नवरत्न गढ़ का किले का अस्तित्व धीरे-धीरे मिटने के कगार पर पहुंच गया है। इसको देखते हुए क्षेत्रिय विधाक अजीत कुशवाहा ने नवरत्नगढ़ किले के सौंदर्यीकरण और वहां पार्क बनाने के लिये अनुशंसा किया था। विधायक की अनुशंसा करने के बाद नया भोजपुर और जिले के लोगों में आस बंधी थी कि नवरत्नगढ़ किले का सौंदर्यीकरण होने से और पार्क बनने से यह स्थान पर्यटक के रूप में विकसित हो जाएगा। बता दें की इस नवरत्न गढ़ किले का पुरातत्व विभाग की टीम भी आकर सर्वे कर चुकी है। उसके द्वारा भी इसे विकसित करते हुए पर्यटल स्थल के रूप में विकसित करने की बात कही गई थी। विभाग के अधिकारियों ने अपने निरीक्षण के दौरान यहां की मिट्टी और पत्थर को नमूना के तौर पर जांच के लिये ले गई थी। क्षेत्र और गांव के लोग दशकों से इस किले के जीर्णोद्धार की आस लगाए हुए थे। इधर विधायक द्वारा सौंदर्यीकरण और पार्क बनाने की अनुशंसा किये जाने से उनकी इस दिशा में उम्मीदों को कफी बल मिल गया था, लेकिन साल गुजर गया कोई काम शुरू नहीं हुआ। यह साल निराशा में गुजर गया।

सूरत-ए-हाल : केसठ में बनकर भी काम नहीं आ रहे सामुदायिक शौचालय

केसठ। गांवों को स्वच्छ बनाने के लिए सरकार ने सामुदायिक शौचालय बनाने में लाखों रुपये खर्च किए, लेकिन इनका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। लाखों खर्च से गांव-गांव बने सामुदायिक शौचालय कहीं वीरान में धूल फांक रहे हैं और कहीं गांव के पास भी बनकर प्रयोग में नहीं आ रहे हैं। इसको जानने के बाद भी जिम्मेदार लापरवाह बने हैं। प्रखंड के केसठ, हरि टोला, खरवानिया सहित अन्य जगहों पर सामूदायिक शौचालय बनवाए गए हैं। ग्राम पंचायतों में करीब पांच से आठ लाख की लागत से सामुदायिक शौचालय बनाए गए हैं। गांव-गांव सामुदायिक शौचालय बनाने के पीछे सरकार की मंशा थी कि गांव के लोग खुले में शौच न जाएं। जिससे गांव स्वच्छ बनाया जा सके। लेकिन सरकारी रुपयों से सामुदायिक शौचालय बनाने में भी लापरवाही में कोई कमी नहीं की गई। कहीं गांव से दूर वीरान में सामुदायिक शौचालय बनाए गए तो कहीं गांव के पास बनाए भी गए तो उनकी देखरेख में लापरवाही की गई। इसका परिणाम है कि कई जगह सामुदायिक शौचालय जंगली घास से ढके हैं। अधिकांश सामुदायिक शौचालयों में ताला बंद रहता है। सफाई भी नहीं होती है। सामुदायिक शौचालय केसठ, खरवानिया, हरिटोला सामुदायिक शौचालय लापरवाही का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस तरह की लापरवाही हो रही है, लेकिन जिम्मेदार जानकर भी अंजान बने हैं।

समस्याओं का अभिलंब समाधान किया जाए: वाम दल

केटी न्यूज/डुमरांव

जनता के विभिन्न ज्वलंत मांगों को लेकर प्रखंड सह आंचल मुख्यालय पर सोमवार 30 दिसंबर 2024 को भाकपा-माले व खेग्रामस ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में सैकड़ों खेत-मजदूर, गरीब, भूमिहीन, मनरेगा मजदूर, महिलाएं अपनी समस्याओं को लेकर शामिल हुए। धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रखंड सचिव कन्हैया पासवान ने बीडीओ संदीप कुमार पांडेय को अपनी मांगों से अगवत करते हुए 9 सूत्री मांग पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि हमारी समस्याओं को अभिलंब समाधान करने की गारंटी दी जाए।

प्रदर्शन के माध्यम भाकपा माले नेताओं ने मांग रखी की जो भूमिहीन जहां बसे हैं बासगीत जमीन का पर्चा और पक्का मकान दिया जाए। सभी पंचायत में भूमिहीनों के लिए बास कॉलोनी का निर्माण किया जाए। 95 लाख परिवार जिनकी प्रति महीना 6,000 से नीचे आए वाले हैं, उन्हें 72,000 से नीचे का आय प्रमाण पत्र दिया जाए एवं मुख्यमंत्री लघु उद्धयमी योजना के तहत सभी परिवार को दो लाख अनुदान राशि देने की गारंटी की जाए, अनुदान राशि के लिए पोर्टल खोला जाए, सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रति महीना 3000 दिया जाए, महिला सम्मान योजना के तहत सभी गरीब महिलाओं को 2,500 प्रति महीना देने की गारंटी किया जाए। साथ ही गरीब मजदूर भूमिहीन किसान आम नागरिक को खून चुसने बाले स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने और 200 यूनिट बिजली फ्री दिये जाने की मांग करते हुए आवाज बुलंद की गई। मांगों में बकाया बिजली बिल माफ करने, मनरेगा मजदूरों को 200 दिन काम, 600 रूपया दैनिक मजदूरी का भुगतान, मनरेगा में व्यापक भ्रष्टाचार पर रोक, मनरेगा योजना में केंद्र सरकार के द्वारा 538 न्यूनतम मजदूरी प्रतिदिन तय है लेकिन मनरेगा मजदूरों को 245 रुपया भुगतान किया जा रहा है, लेकिन केंद्र सरकार 293 प्रतिदिन पड़ रही मजदूरो की मजदूरी चोरी कर रही है। मजदूर नेताओं ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा मनरेगा मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी की चोरी पर अभिलंब रोक लगे, माइक्रो फाइनेंस कंपनियों पर रोक लगाते हुए महिलाओं के माइक्रोफाइनेंस, जीविका के सभी तरह का कर्ज माफ किया जाए, जीविका कैडर सहित रसोईया, आशा, स्कीम वर्क्स, मानदेय को बढ़ाया जाए। प्रदर्शन में प्रखण्ड सचिव कन्हैया पासवान, मनरूप पासवान, कृष्णा राम, पूजा कुमारी, भगवान दास, जाबिर कुरैशी, वीर उपाध्याय, शंकर तिवारी, बाबूलाल राम, चंदेश महतो, रामेश्वर सिंह सहित सैकड़ों महिला व पुरूष मजदूर शामिल हुए।

शीतलहर व ठंड से बचने को ले बीडीओ ने किया गरीबों के बीच कंबल वितरित

केसठ। शीतलहर व बढ़ते ठंड को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने सरकार के निर्देश पर गरीब एवं असहाय लोगो के बीच सोमवार को बीडीओ मिथलेश बिहारी वर्मा द्वारा कंबल वितरण किया।बीडीओ ने प्रखंड के तीनों पंचायतों में गरीब लोगों को शामिल करते हुए 23 कंबल का वितरण किया।

बीडीओ ने बताया कि विकास मित्र और स्वच्छता पर्यवेक्षक के माध्यम से गरीबों अपंगो निरूसहायो की पहचान कर उनके बीच कंबल का वितरण किया गया है। अभी 23 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया है। मौके पर घुमन दुबे, स्वच्छता पर्यवेक्षक संजय प्रसाद, प्रदीप कुमार, विनोद कुमार, छोटे लाल पासवान, जहांगीर अंसारी, गुड्डू कुमार, माया कुमारी, श्वेता कुमारी, राजीव कुमार, रवींद्र कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राज हाई स्कूल में कैंप लगा किया गया वितरण, राज्यकर्मी बनने से प्रसन्न दिख रहे थे शिक्षक

नियोजित से विशिष्ट शिक्षक बने 450 अभ्यर्थियों को मिला नियुक्तिपत्र

केटी न्यूज/डुमरांव

सोमवार को शिक्षा विभाग के निर्देश पर स्थानीय राज हाई स्कूल परिसर में कैंप लगा प्रथम चरण के तहत सक्षमता परीक्षा पास नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक का नियुक्ति पत्र दिया गया। इसके साथ ही ये शिक्षक अब राज्यकर्मी का दर्जा भी प्राप्त कर लिए है तथा इन्हें राज्यकर्मियों को मिलने वाली सारी सुविधाएं भी मिलेगी।

बता दें कि सक्षमता प्रथम चरण उतीर्ण एक लाख 80 हजार शिक्षक, जो पूरे बिहार में नियोजित से विशिष्ट शिक्षक बने है, उन सभी को आज अलग-अलग प्रखंडों में औपबंधिक नियुक्ति पत्र दी गई।

पूर्व में दिए गए औपबंधिक नियुक्ति पत्र निरस्त होने के बाद फाइनली औपबंधिक नियुक्ति पत्र दिया गया। इस दौरान राज हाई स्कूल में बीआरपी अविनाश कुमार, बीपीएम निर्भय सिंह, राज प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुराग कुमार मिश्र, बीआरपी दीप्ति कुमारी एवं शैलेंद्र पांडेय इत्यादि के माध्यम से जिले के तकरीबन साढे चार सौ शिक्षकों को औपबंधिक नियुक्ति पत्र दिया गया। औपबंधिक नियुक्त पत्र प्राप्त करने के बाद सभी शिक्षकों में हर्ष व्याप्त है। औपबंधिक नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी शिक्षक एक जनवरी 2025 से विशिष्ट शिक्षक बन जाएंगे और उन्हें राज्य कर्मी का दर्जा प्राप्त हो जाएगा। इन शिक्षकों को राज्य कर्मियों को मिलने वाली सारी सुविधाएं भी मिलेगी। प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र ने कहा कि काफी खुशनुमा माहौल में नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान अभ्यर्थी काफी खुश नजर आ रहे थे। उनके चेहरे पर राज्यकर्मी बनने की खुशी झलक रही थी।

द्वितीय फेज के सक्षमता परीक्षा उतीर्ण शिक्षकों का किया गया काउंसलिंग

बक्सर। दूसरे फेज के सक्षमता परीक्षा उतीर्ण नियोजित शिक्षकों का काउंसलिंग सोमवार को आईटीआई रोड़ स्थित डीआरसीसी भवन में किया गया। कुल 62 उतीर्ण शिक्षक अभ्यर्थियों में 34 अभ्यर्थियों का सफलता पूर्वक काउसलिंग हो गया, वही तकनीकी तथा अन्य कारणों से 28 अभ्यर्थी इससे वंचित रह गए। इस संबंध में डीपीओ स्थापना विष्णुकांत राय बताया कि सक्षमता-2 पास सभी शिक्षकों का काउंसिलिंग किया जाना है।

उन्होंने कहा कि काउंसलिंग के दौरान विभाग के निदेर्शानुसार काउंटर बनाए गए थे। काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, नियोजन इकाई की ओर से दिए गए नियोजन पत्र आदि की जांच की गई। वही, आधार कार्ड, मूल प्रमाण पत्र में नाम व पिता के नाम में जरा सा भी अंतर रहने पर 28 अभ्यर्थी इस काउंसलिंग से वंचित रह गए है। शिक्षक अभ्यर्थियों की सहूलियत के लिए उनके मोबाइल पर पर काउंटर नंबर और समय दिया गया था। डीपीओ ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों के कैरेक्टर मैच नहीं हुए उनसे आवेदन लिया गया है। जो विभाग को भेज दिया जाएगा। साथ इनसे कहा गया कि त्रुटि को दूर कर ले। उन्होंने कहा कि विभागीय नियमों के अनुसार ही काउंसलिंग कराई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जारंगडीह में दुकान का एसबेस्टस तोड़कर चोरी

बोकारो, एजेंसी। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के जारंगडीह उत्तरी पंचायत स्थित बबन जेनरल स्टोर (दुकान) में शुक्रवार की रात चोरी हो गई। मुख्य सब्जी बाजार स्थित उक्त दुकान में चोर एसबेस्टर शीट तोड़कर अंदर घुसे और दुकान के गल्ले में रखे नकद लेकर फरार हो गए। दुकानदार बबन कुमार ने बताया कि शनिवार की सुबह जब वह दुकान पहुंचा, तो घटना की जानकारी हुई। हालांकि चोरों ने दुकान में रखे किसी सामान को हाथ नहीं लगाया। दुकानदार ने बोकारो थर्मल थाना में घटना की लिखित शिकायत दी है। चोरी की इस घटना के बाद से सब्जी बाजार के दुकानदार डरे हुए हैं।

रेल लाइन पार करते समय युवक की मालगाड़ी से कटकर मौत

गोड्डा, एजेंसी। रेलवे लाइन पार करने के क्रम में एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र की है। शनिवार की सुबह बोआरीजोर थाना पुलिस को सूचना मिली कि छोटी बोआरीजोर गांव के समीप रेल लाइन पर युवक की लाश पड़ी हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। युवक का शरीर मालगाड़ी से कटकर दो हिस्सों में हो गया था। युवक की पहचान मकई मुर्मू के रूप में हुई। बताया गया कि ललमटिया कोलियरी से कोयला लेकर मालगाड़ी एनटीपीसी फरक्का जा रही थी। उसी दौरान रेल लाइन पार कर रहा युवक मालगाड़ी की चपेट में आ गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया।

सिद्दीकी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष बने इम्तियाज

रांची, एजेंसी। सिद्दीकी वेलफेयर सोसाइटी प्रदेश कमेटी का चुनाव रविवार को डोरंडा परसटोली स्थित इसलहिया कम्युनिटी हॉल में संपन्न हुआ। मतदान दिन के 11 बजे से दोपहर 3 तीन बजे तक चला। मतगणना में आये परिणाम, जिसमें अध्यक्ष पद के इम्तियाज आलम रामगढ़, उपाध्यक्ष पद के इमरान सिद्दीकी चतरा से, सचिव पद के फिरोज अहमद उर्फ गोल्डन गढ़वा से, सह सचिव पद के मो मुस्तकीम डाल्टनगंज से एवं कोषाध्यक्ष पद के असगर आलम पलामू से निर्वाचित हुए। यह चुनाव सिद्दीकी वेलफेयर सोसाइटी रांची जिला के सदर अफजल आलम और मो नवाब सिद्दीकी की देखरेख में हुआ। प्रदेश कमेटी के गठन के उपरांत 21 लोगों को एग्जीक्यूटिव बोर्ड के लिए चुना गया। साथ ही रांची के सदर अफजल आलम को प्रदेश कमेटी के वरीय उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। मुख्य रूप से इम्तियाज आलम, शमशुल होदा, सनोवर आलम, तोहिद आलम का अहम योगदान रहा। चुनाव ऑब्जर्वर टीम में इम्तियाज आलम धनबाद, असीम जफर हजारीबाग, मो जिसान बरही, मक्सूद आलम रांची, हाजी अकरम शामिल थे।

सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों के लिए खुशखबरी, जेएसएससी करेगा लेखा सहायक की नियुक्ति

रांची, एजेंसी। अगर आप झारखंड की सरकारी नौकरियों की तैयारी में लगे हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। दरअसल जेएसएससी द्वारा जल्द ही लेखा सहायक के पदों पर भर्ती की जाएगी। इनकी नियुक्ति वित्त विभाग में होगी। कुल 384 पदों पर अभ्यर्थियों की बहाली होगी। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड वित्त अवर लेखा सेवा भर्ती, प्रोन्नति व अन्य सेवा शर्त नियमावली को मंजूरी दे दी है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की मंजूरी के बाद वित्त विभाग ने इसका गजट प्रकाशन भी कर दिया है। इसके अनुसार, वित्त विभाग में वरीय लेखा सहायक तथा लेखा अधीक्षक के पद प्रोन्नति से भरे जायेंगे। वरीय लेखा सहायक का कार्य बल 217 व लेखा अधीक्षक का कार्य बल 70 होगा। नियुक्ति के बाद तीन माह का संस्थागत प्रशिक्षण, छह माह का व्यावहारिक प्रशिक्षण और एक माह का अंतिम प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्रोन्नति के लिए विभागीय समिति का गठन होगा। लेखा सहायक के पदों पर नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता इंटर पास रखी गयी है। इसके अलावा कंप्यूटर ज्ञान आवश्यक है। साथ ही साथ अभ्यर्थियों को हिंदी और अंग्रेजी टाइपिंग आना अनिवार्य है। हिंदी में टाइपिंग की स्पीड 25 शब्द प्रति मिनट वहीं अंग्रेजी टाइपिंग 30 शब्द प्रति मिनट आवश्यक है। नियुक्ति के लिए न्यूनतम उम्र सीमा 18 वर्ष होगी। उम्र सीमा की गणना अधियाचना वर्ष की पहली अगस्त होगी।

सारंडा में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बल का नया एक्शन प्लान तैयार,

अब सहयोगियों पर भी प्रशासन की नजर

रांची, एजेंसी। पश्चिम सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में केंद्रीय बलों के साथ मिलकर झारखंड पुलिस नक्सलियों के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई की ओर आगे बढ़ रही है। करीब दो साल से चल रहा यह अभियान अब अंतिम दौर में है।

सुरक्षा बलों ने बूढ़ा पहाड़ पर ऑपरेशन आक्टोपस व बुलबुल जंगल में आपरेशन डबल बुल के दौरान जिस तरह से नक्सलियों का हुक्का-पानी बंद किया था और सफलता हासिल की थी, उसी तरह अब सारंडा में भी अभियान तेज है। यहां भी सुरक्षा बल नक्सलियों का हुक्का-पानी पूरी तरह बंद करेंगे।

नक्सलियों के सहयोगियों पर सुरक्षा बलों की नजर है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो व राज्य पुलिस की विशेष शाखा के अधिकारी भी इसपर नजर रख रहे हैं। हाल के महीनों में नक्सलियों तक राशन, दवाइयां, हथियार, विस्फोटक पहुंचाने वालों की पहचान से लेकर उनपर कार्रवाई तक हुई है। यही वजह है कि सारंडा में करीब एक वर्ष से अधिक समय से सभी बड़े फरार नक्सली घिरे हुए हैं। इस वर्ष झारखंड पुलिस ने नक्सलियों की कमर लगभग तोड़कर रख दी है। इस वर्ष 20 दिसंबर तक झारखंड पुलिस ने सारंडा सहित राज्य के विभिन्न जिलों से कुल 244 नक्सलियों-उग्रवादियों को गिरफ्तार किया।इनमें 15 ऐसे नक्सली हैं, जिनपर राज्य सरकार ने 36 लाख का इनाम रखा था। इनमें एक स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य के अलावा दो जोनल कमांडर, छह सब जोनल कमांडर और अन्य छह एरिया कमांडर गिरफ्तार किए गए हैं।

इस वर्ष 20 दिसंबर तक सुरक्षा बलों की दबिश व मारे जाने के भय के चलते राज्य में 24 नक्सलियों-उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें आठ बड़े नक्सली भी हैं, जिनमें चार जोनल कमांडर, एक सब जोनल कमांडर व तीन एरिया कमांडर रैंक के नक्सली शामिल हैं। इन नक्सलियों पर 41 लाख का इनाम घोषित है।सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियान के दौरान इस वर्ष 20 दिसंबर तक नौ नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें एक जोनल कमांडर, एक सब जोनल कमांडर, एक सरिया कमांडर व छह नक्सली सदस्य शामिल हैं।झारखंड पुलिस ने नक्सलियों-उग्रवादियों के विरुद्ध पूरे साल पूरे राज्य में अभियान चलाया। इस वर्ष 20 दिसंबर तक इस अभियान के दौरान पुलिस ने राज्य में नक्सलियों-उग्रवादियों के पास से 123 हथियार बरामद किए। इनमें 35 हथियार पुलिस से लूटे हुए थे। वहीं, सात रेगुलर हथियार, 81 देसी थे।

पुलिस ने 5234 कारतूस व 239 आइइडी भी बरामद किया। अभियान के दौरान 246 किलोग्राम विस्फोटक व लेवी के 13।39 लाख रुपये भी पुलिस ने जब्त की है।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए एकलव्य विद्यालय की नेहा बास्की का चयन

दुमका, एजेंसी। दुमका जिले के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय काठीजोरिया की छात्रा नेहा बास्की का चयन 31वें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। नेहा बास्की व सहयोगी छात्रा अनामिका किस्कू के परियोजना कार्य को चुना गया है। प्रतियोगिता 3 से 6 जनवरी 2025 तक रवींद्र भवन भोपाल में आयोजित की जाएगी। परियोजना कार्य का मुख्य विषय- स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारितंत्र को समझना है।

प्रोजेक्ट का शीर्षक है- स्टडी ऑफ ट्राइबल फूड एंड इट्स हेल्थ इफेक्ट इन डिफरेंट ट्राइबल एरियाज ऑफ दुमका डिस्ट्रिक्ट है। यह आदिवासियों के खान-पान व स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव से संबंधित सर्वेक्षण पर आधारित है।

गाइड शिक्षिका पुष्पलता कुमारी के नेतृत्व में बाजरा से लाभ एवं मोटे अनाज के रूप में इन मिलेट्स का उपयोग आदिवासी छात्राएं अपने परिवार में किस प्रकार करती है। इससे क्या-क्या स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है। कौन-कौन से व्यंजन बनाकर आदिवासी ग्रामीण इनका उपयोग प्रतिदिन करके स्वस्थ रहते हैं। इन सभी का सर्वेक्षण कराकर परियोजना रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया है। एकलव्य विद्यालय की प्राचार्य डॉ करुणा शर्मा व विद्यालय परिवार के सदस्यों ने ग्रुप लीडर नेहा बास्की व सहयोगी बाल वैज्ञानिक छात्रा अनामिका किस्कू को शुभकामनाएं दी है।

भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब बरामद,

पलामू, एजेंसी। नव वर्ष पर शराब के अवैध व्यापार को देखते हुए उत्पाद विभाग की ओर से कार्रवाई तेज की गई है। इसी क्रम में पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब बरामद किया गया है। विभाग ने छापेमारी कर 45।810 लीटर नकली विदेशी शराब बरामद करते हुए इस गोरख धंधे में शामिल एक आरोपित को गिरफ्तार किया है, जबकि दो फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपित की पहचान मनातू बाजार निवासी पवन कुमार गुप्ता (28) के रूप में हुई है। जबकि फरार आरोपित प्रिंस कुमार और मनीष कुमार शामिल हैं।

उत्पाद विभाग की ओर से सोमवार सुबह बताया गया कि रविवार को गुप्त सूचना मिली थी कि जिले के मनातू बाजार में मनीष कुमार एवं पवन कुमार गुप्ता के घर पर नकली शराब तैयार की जा रही है और उसे नव वर्ष के मौके पर खपाने की तैयारी है।

सूचना के आलोक में उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक अनूप प्रकाश और गृह रक्षकों के दल ने मनातू बाजार में छापेमारी की। यहां से नकली विदेशी शराब इंपीरियल ब्लू व्हिस्की एवं बी सात ब्रांड की शराब एवं भारी मात्रा में खाली बोतल बरामद हुई। मौके से पवन कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया गया, जबकि प्रिंस और मनीष भागने में सफल रहे। उत्पाद विभाग ने बताया कि खाली शराब की बोतले 500 पीस बरामद की गई है। बड़े पैमाने पर शराब बनाने की तैयारी थी, लेकिन उसके पहले ही तस्करों के मंसूबे को विफल कर दिया गया। इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नए साल को लेकर देर रात चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

रांची, एजेंसी। नए साल को लेकर राजधानी रांची में रविवार की देर रात एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए और डीएसपी सिल्ली के नेतृत्व में कई थाना की पुलिस ने मेन रोड से लेकर रातु रोड सड़क पर पैदल पेट्रोलिंग किए। इस दौरान बार एंड रेस्टोरेंट से लेकर सड़क पर वाहनों की जांच हुई। इसके अलावा नशा में वाहन चलाने वाले की भी जांच हुई। गौरतलब है कि नए साल के स्वागत को लेकर पूरे झारखंड में कई कार्यक्रमों का आयोजन होना है। वहीं, साल खत्म होने से पहले पिकनिक स्पॉट पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इसे देखते हुए पुलिस मुख्यालय के द्वारा राज्य के सभी जिलों में पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। झारखंड पुलिस मुख्यालय की तरफ से सभी जिलों के एसपी को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपने-अपने जिले के सभी पिकनिक स्पॉट के अलावा शहर के रेस्टोरेंट और होटलों में सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से अलर्ट रहें।

डीजीपी ने पुलिस की सभी इकाई में साप्ताहिक परेड कराने का दिया आदेश

रांची, एजेंसी। राज्य के विभिन्न जिलों में पुलिसकर्मियों का साप्ताहिक परेड कराने के संबंध में शनिवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने आदेश जारी किया है। डीजीपी के आदेश के बाद आईजी अभियान ने सभी जिला पुलिस इकाइयों को निर्देश जारी किया है कि वह नियमित रूप से साप्ताहिक परेड का आयोजन सुनिश्चित करें। साप्ताहिक परेड का आयोजन नहीं होने के कारण पुलिसकर्मियों में अनुशासनहीनता बढ़ रही है। साथ ही नियमित परेड से पुलिसकर्मी शारीरिक रूप से फिट रहते हैं। परेड न होने से उनकी शारीरिक दक्षता में कमी आ रही है। इसको लेकर जारी निर्देश में कहा गया है कि सभी जिला, इकाई और वाहिनी में प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक दिन परेड का आयोजन अनिवार्य है।

बढ़ते भारत, बदलते भारत की गाथा है मन की बात कार्यक्रमः बाबूलाल मरांडी

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को आकाशवाणी पर किया गया मन की बात संबोधन अत्यंत प्रेरणादायी और महत्वपूर्ण जानकारियों से परिपूर्ण संबोधन होता है। इस कार्यक्रम में देश की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं को संजोए हुए उसकी गौरव गाथाओं के साथ सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति, बढ़ते भारत और बदलते भारत की झलक होती है।

मरांडी ने कहा कि आगामी 14 जनवरी से प्रयागराज में लग रहे कुंभ में दिखने वाली भारत की एकता और श्रेष्ठता को समाज जीवन में लगातार बनाए रखने की आवश्यकता है। हमारी विविधताएं देश की कमजोरी नहीं, बल्कि विशिष्टता है, विशेषता है। यह देश विविधता में एकता का जीता जगता उदाहरण है। देश के प्रत्येक नागरिक को प्रधानमंत्री के आह्वान पर निरंतर चलते हुए एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण में योगदान करने केलिए संकल्पित होना चाहिए।

मरांडी ने कहा कि देश की युवा शक्ति की विश्व पटल पर बढ़ती ताकत और प्रतिभाओं को मिलता सम्मान भारत को विश्व की अगुवाई के लिए तैयार कर रहा। युवाओं की ताकत 2047 में विकसित भारत के सपनो को साकार करेगा। रविवार को पूरे प्रदेश में बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा के नेताओं, प्रदेश पदाधिकारियों, सांसद, विधायकगण, कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्र में जनता के साथ बैठकर कार्यक्रम को सुना।

झारखंड में हर दिन हो रही है औसतन पांच लोगों की हत्याः बाबूलाल

रांची, एजेंसी। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की गिरती कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि झारखंड में प्रतिदिन औसतन 5 लोगों की हत्या हो रही है। एससीआरबी द्वारा जारी आंकड़े के मुताबिक, इस वर्ष जनवरी से अक्टूबर तक के बीच 1400 लोगों की हत्या की जा चुकी है। इस दौरान सिर्फ आमलोग ही नहीं बल्कि पुलिस अधिकारी, अधिवक्ता और जनप्रतिनिधि भी असमय मौत के घाट उतार दिए गए हैं। झारखंड में अपराध का ग्राफ चिंताजनक रूप से ऊपर चढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री नागरिकों की सुरक्षा में विफल साबित हो रहे

बाबूलाल ने आगे लिखा है कि विधि व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखना राज्य सरकार की जिम्मेवारी है। लेकिन मुख्यमंत्री नागरिकों की सुरक्षा में बुरी तरह विफल साबित हो रहे हैं। झारखंड में बढ़ता अपराध आमलोगों के जेहन में खौफ पैदा कर रहा है। अगर तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो राज्य की स्थिति और भयावह हो सकती है। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन को अपराध नियंत्रण के लिए मजबूत इच्छाशक्ति के साथ ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है।

गुरुसिंह सभा ने डॉ मनमोहन की याद में की शोकसभा

रांची, एजेंसी। मेन रोड स्थित गुरुद्वारा में रविवार को गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा के तत्वावधान पर दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की शोकसभा आयोजित की गई। मुख्य रूप से शामिल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह न केवल एक विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे, बल्कि आज देश में बह रही आर्थिक सुधारों के जनक भी थे। पहले बतौर वित्त मंत्री और उसके बाद प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने देश में गिरती हुई अर्थव्यवस्था को ही नहीं संभाला, बल्कि कई अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुधार कर नई योजनाएं शुरू की। देश में बढते राजस्व घाटे को उन्होंने रोक कर उसमें नई जान फूंकी।

सिख फेडरेशन ने सजाया विशेष दीवान : इस अवसर पर झारखंड सिख फेडरेशन की ओर से विशेष दीवान सजाया गया था। धन्यवाद ज्ञापन अल्पसंख्यक आयोग, के उपाध्यक्ष एवं फेडरेशन के महासचिव ज्योति सिंह मथारु ने दिया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने सूचना, शिक्षा, भोजन का अधिकार, मनरेगा तथा आधार कार्ड जैसे पांच क्रांतिकारी कार्यक्रम शुरू किया। सभा में गगनदीप सेठी, परमजीत सिंह टिंकू ने भी अपने विचार रखा। संचालन प्रो हरविंदर वीर सिंह ने किया।

मौके पर फेडरेशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह धूरा, अध्यक्ष गुरुद्वारा गुरमीत सिंह, मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, चेयरमैन, युवा आयोग अध्यक्ष कुमार गौरव उपाध्यक्ष, अल्पसंख्यक आयोग शमशेर आलम, सतीश पॉल मुंजनी, कमल ठाकुर, विनय सिन्हा दीपू, अरुण चावला हरजीत सिंह स्विंकी, प्रीतपाल सिंह,गोल्डी सिंह, जयदीप चड्ढा, रंजीत सिंह, ऋषि छाबड़ा, त्रिलोचन अकाली, कुलवंत सिंह, राजेंद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में महिलाएं व अन्य मौजूद थे।

5 साइबर अपराधी गिरफ्तार, 11 मोबाइल व 30 से अधिक सिम कार्ड बरामद

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिला पुलिस ने साइब ठग गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने जिले के अलग-अलग स्थानों व पड़ोसी राज्य बिहार में छापेमारी कर साइबर ठगी में लिप्त 5 अरपाधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 11 मोबाइल वअलग-अलग कंपनियों के 30 से अधिक सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। यह जानकारी गोड्डा सदर के एसडीपीओ अशोक कुमार प्रियदर्शी ने शनिवार को प्रेसवार्ता में दी। बताया कि एसपी के निर्देश के आलोक में प्रतिबिंब एप के जरिए ट्रेस किए जा रही नंबरों पर नजर रखी जा रही थी। इसी क्रम में कई नंबरों को लोकेशन पर लेकर जांच की गई और उनके ठिकानों पर छापेमारी कर साइबर ठगी में लिप्त 5 युवकों को पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि युवकों से पूछताछ में पूरा मामला साफ होता गया। पहली गिरफ्तारी बिहार के भागलपुर जिले के जगदीशपुर से की गई। इसके बाद बांका व दुमका जिले के रामगढ़ से एक-एक तथा गोड्डा से दो आरोपियों को पुलिस ने दबोचा। पकड़े गए पांचों युवक विगत कुछ महीनों से साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। उनके पास से 11 मोबाइल, 31 सिम, 6 डेविड कार्ड, एक स्मार्ट टीवी, दो कैमरा, 3 बैंक पासबुक, एक पैन कार्ड, एक कैमरा स्टैंड सहित अन्य सामान बरामद किया

रात में सीओ आवास की खिड़की तोड़ कर घुसे बदमाश, हमले की थी मंशा

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट प्रखंड मुख्यालय स्थित बीडीओ सह सीओ फुलेश्वर मुर्मू के सरकारी आवास में शनिवार की रात बदमाश घुस गए। बदमाश आवास की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे थे। सीओ शनिवार को बाहर गए हुए थो, संयोग से नाइट गार्ड भी आवास में नहीं था। इसलिए बदमाशों को खाली हाथ लौटना पड़ा।

इस घटना को बालू-पत्थर माफियाओं के खिलाफ की जा रही कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है। खाली आवास में घुसे बदमाशों ने न तो किसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, न ही किसी सामान की चोरी की। इससे अस्पष्ट है कि वे सीओ पर हमले की मंशा से आवास में घुसे थे। रविवार की दोपहर घटना की जानकारी होने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

जिप सदस्य पर जताया जा रहा संदेह : सीओ फुलेश्वर मुर्मू ने तीन दिन पहले हंसडीहा-बौसी मुख्य मार्ग पर कमराडोल के समीप अवैध गिट्टी लदे एक हाइवा को पकड़ा था। उक्त हाइवा पर एक ही चालान का दुबारा प्रयोग कर अवैध गिट्टी ले जाई जा रही थी। इसके बाद वहां काफी देर तक हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। गाड़ी मालिक बिहार के बांका निवासी प्रीतम सिंह ने मौके पर पहुंचकर सीओ पर हाइवा को छोड़ने का दबाव बनाया। आरोप है कि उसने सीओ के साथ दुर्व्यवहार भी किया। पोड़ैयाहाट पश्चिम के जिप सदस्य राघवेंद्र सिंह ने भी मामले को रफादफा करने के लिए सीओ पर दबाव बनाया था। इससे नाराज सीओ ने हाइवा जब्त करते हुए गाड़ी मालिक व ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कराते हुए उन्हें जेल भेजवाया था। सीओ के आवास में रात में बदमाशों के घुसने की घटना में जिप सदस्य का हाथ होने की बात कही जा रही है। क्षेत्र में इसकी खूब चर्चा है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

समाज को दिशा देती है पत्रकारिता : बैजनाथ मिश्र

रांची, एजेंसी। रांची प्रेस क्लब आरबीएस वैदिक ट्रस्ट की ओर से पत्रकार सम्मान की दिशा में एक नई पहल शुरू की जा रही है। प्रेस क्लब झारखंड जर्नलिज्म अवार्ड्स 2024 के तहत तीन पत्रकारों को सम्मानित किया जायेगा। इसके लिए चयन समिति का गठन किया गया है। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र, सोनाली दास, प्रेस क्लब के प्रतिनिधि के रूप में अध्यक्ष सुरेन्द्र लाल सोरेन व सचिव अमरकांत, पूर्व आईएएस रणेन्द्र व रांची विवि के वीसी प्रो अजीत कुमार सिन्हा व ट्रस्टी नित्यानंद शुक्ला शामिल रहेंगे।

मौके पर वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने कहा कि झारखंड बनने के बाद पहली बार रांची प्रेस क्लब और आरबीएस वैदिक ट्रस्ट की ओर से झारखंड जर्नलिज्म अवार्ड्स देने का निर्णय लिया गया है, जो सराहनीय है। कहा कि जिस तरह दधिचि ने अपनी हड्डी दान कर अपने राज्य की रक्षा की थी, उसी तरह पत्रकार अपना सर्वस्व देकर समाज को दिशा दिखाने का काम करते हैं। ऐसे पत्रकारों का सम्मान समाज का सम्मान होगा।

तीन कैटेगरी में दिया जाएगा पत्रकार सम्मान : रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन ने बताया कि कुल तीन कैटेगरी- लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड (31000 रुपये, शॉल व मोमेंटो), बेस्ट रिपोर्टर अवार्ड (21000 रुपये, शॉल व मोमेंटो) और बेस्ट फोटोग्राफी अवार्ड (21000 रुपये, शॉल व मोमेंटो) दिया जाएगा। जूरी मेंबर रिटायर्ड आईएएस रणेंद्र कुमार ने कहा कि पूरी पारदर्शिता से चयन किया जाएगा। आरबीएस वैदिक ट्रस्ट के अध्यक्ष नित्यानंद शुक्ला ने बताया कि पत्रकारों का सम्मान कार्यक्रम से जुड़कर ट्रस्ट आह्लादित है।

15 जनवरी तक कर सकते हैं नॉमिनेशन : प्रेस क्लब के सचिव अमरकांत ने बताया कि झारखंड जर्नलिज्म अवार्ड्स के लिए आज से 15 जनवरी तक रांची प्रेस क्लब में नॉमिनेशन किया जा सकता है। तीनों अलग-अलग कैटेगरी के लिए अलग-अलग आवेदन जमा करने होंगे। आवेदन का प्रारुप रांची प्रेस क्लब के वेबसाइट से डाऊनलोड कर सकते हैं या रांची प्रेस क्लब से हासिल किया जा सकता है। विधिवत भरा आवेदन आवश्यक डॉक्यूमेंट्स के साथ रांची प्रेस क्लब में 15 जनवरी 2025 तक जमा किया जा सकता है।

सात सदस्यीय जूरी करेगी निर्णय : नित्यानंद शुक्ला ने बताया कि आवेदनों की जांच कर अंतिम निर्णय लेने के लिए सात सदस्यीय जूरी गठित की गई है। जूरी में वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार सोनाली दास, रांची यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो अजीत कुमार सिन्हा, रिटायर्ड आईएएस रणेंद्र कुमार, रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र लाल सोरेन, महासचिव अमरकांत और ट्रस्ट के अध्यक्ष नित्यानंद शुक्ला शामिल हैं।

सुभाषितम्

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।

- कहावत

केवल एक जनवरी ही नहीं है नववर्ष !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

प्रत्येक वर्ष एक जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। इसकी शुरूआत रोमन कैलेंडर से हुई थी। इस रोमन कैलेंडर का नया वर्ष 1 मार्च से शुरू होता है, लेकिन रोमन के प्रसिद्ध सम्राट जूलियस सीजर ने 46 वर्ष ईसा पूर्व में इस कैलेंडर में परिवर्तन किया था। इसमें उन्होंने जुलाई का महीना और इसके बाद अपने भतीजे के नाम पर अगस्त का महीना जोड़ दिया था। तब से नया साल 1 जनवरी को मनाया जाने लगा। नव वर्ष लगभग 4,000 वर्ष पहले बेबीलीन नामक स्थान से मनाया जाना शुरू हुआ था। कहते है ब्रह्मा जी ने इसी दिन सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी, इसलिए इस दिन से नव वर्ष का आरंभ भी होता है। इस्लामी कैलेंडर के अनुसार मोहर्रम महीने की पहली तारीख को नया साल हिजरी शुरू होता है। सिख धर्म के नानकशाही कैलेंडर के अनुसार नया वर्ष मार्च में होली के दूसरे दिन मनाते हैं। जैन धर्म में नववर्ष को दिवाली के अगले दिन मनाते हैं। यह भगवान महावीर स्वामी की मोक्ष प्राप्ति के अगले दिन से शुरू होता है। नया साल निश्चित ही नई खुशियों की सम्भावना लेकर आता है।हम सोचते है इस साल जो हुआ सो हुआ लेकिन हम सबके लिए आने वाला साल अच्छा ही हो। इसीलिए नये वर्ष का जुनून हर किसी के सिर चढ़कर बोलता है।हर कोई चाहता है कि नये साल में उसके मन की सारी मुरादे पूरी हो जाये और आने वाला साल उपलब्धियों भरा सिद्ध हो।हालांकि हिन्दू संवत्सर के अनुसार अभी भी चैत्र मास प्रतिपदा से ही नये वर्ष की शुरूआत मानी जाती है।लेकिन बहुसंखयक वर्ग दुनियाभर मे एक जनवरी को ही नववर्ष के रूप मे मनाते है।हिन्दू धर्म के मतानुसार ब्रह्मा जी ने हिन्दू संवत्सर के पहले दिन सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। इसलिए इस दिन से नव वर्ष का आरंभ भी होता है। इस्लामी कैलेंडर के अनुसार मोहर्रम महीने की पहली तारीख को नया साल हिजरी शुरू होता है। जिसका प्रचलन आज भी जारी है।अपने देश में नववर्ष सभी स्थानों पर अलग-अलग तिथियों पर मनाया जाता है। ज्यादातर ये तिथियां मार्च और अप्रैल के महीने में पड़ती हैं। पंजाब में नया साल बैशाखी के रूप में 13 अप्रैल को मनाया जाता है।नववर्ष पर पर्यावरण सुरक्षा के लिए कुछ ऐसा करे जो अनुकरणीय हो, इसके लिए नववर्ष में कुछ नए पौधे लगाकर प्रकृति को और भी सुंदर बनाने का संकल्प लिया जा सकता है।घर के हर सदस्य से कही न कही एक पौधा लगवाये और उसका पोषण भी हो।नववर्ष पर परमात्मा को याद करना और उन्हें नमस्कार करना न भूले।साथ ही नये वर्ष पर कुछ अच्छा करने का संकल्प लेकर अच्छा सोचना शुरू करे तो सहज ही संकल्प पूरा हो

जाएगा।परम परमात्मा से प्रार्थना है कि हे, परमात्मा यह वर्ष हम सबके लिए,अपने देश और समाज के लिए कल्याणकारी हो तथा दुनिया हिंसा समाप्त होकर शांति सदभाव का वातावरण बना रहे।एक जनवरी को नया साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार मनाया जाता है। ये कैलेंडर दुनियाभर में प्रचलित है। लेकिन अनेक देश ऐसे हैं, जिनका अपना अलग कैलेंडर है और वे उस कैलेंडर के हिसाब से अलग-अलग तारीखों और महीनों में अपने नव वर्ष का उत्सव करते हैं।चीन में चंद्रमा आधारित कैलेंडर माना जाता है।यहां हर तीन साल में सूर्य आधारित कैलेंडर से इसका मिलान किया जाता है।इसके हिसाब से इनका नव वर्ष 20 जनवरी से 20 फरवरी के बीच पड़ता है। चीन के अलावा वियतनाम, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया और मंगोलिया में भी चंद्रमा कैलेंडर को ही नववर्ष का आधार माना जाता है और उसी के हिसाब से ननववर्ष मनाया जाता है। जबकि थाईलैंड में जल महोत्सव या थाई नव वर्ष, एक जनवरी को नहीं, बल्कि अप्रैल के मध्य में मनाया जाता है। यहां 13 या 14 अप्रैल को नववर्ष मनाया जाता है।उनकी स्थानीय भाषा में इस दिन को ह्यसोंगक्रणह्न कहा जाता है। इस दिन लोग एक दूसरे को ठंडे पानी से भिगोकर नव वर्ष की शुभकामना देते हैं।कंबोडिया का नया वर्ष 13 या 14 अप्रैल को मनाया जाता है। इस अवसर पर यहां के लोग शुद्धि समारोह में भाग लेते हैं यानी खुद को पवित्र करते हैं और धार्मिक स्थानों पर जाते हैं।

श्रीलंका में भी नया साल अप्रैल के म६?य में मनाया जाता है।नए साल के पहले दिन को अलुथ अवरुद्दा कहते हैं।नए साल के मौके पर श्रीलंकाई प्राकृतिक वस्तुओं से स्नान करते हैं।इथियोपिया में 11 या 12 सितंबर को नया वर्ष मनाया जाता है। नए वर्ष का उत्सव मनाने के लिए इथियोपियाई लोग गीत गाते हैं और एक-दूसरे को फूल देते हैं। यहां नए वर्ष को ह्यएनकुतातशह्न कहा जाता है।मंगोलिया में नया साल 16 फरवरी को मनाया जाता है। नव वर्ष का ये उत?सव 15 दिनों तक चलता है।इस दौरान, लोग पारंपरिक कपड़े पहनते हैं और पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने, कर्ज चुकाने और विवादों को सुलझाने के लिए एकत्र होते हैं।वही रूस, मैसेडोनिया, सर्बिया, यूक्रेन में रहने वाले लोग ग्रेगोरियन न्यू ईयर की तरह जूलियन न्यू ईयर 14 जनवरी को मनाते हैं। यहां आतिशबाजी व मनोरंजन के साथ इस दिन अच्छा खाना खाने की परंपरा है।नेपाली में 14 अप्रैल को नया साल मनाया जाता है। इस दिन नेपाल में अवकाश रहता है। यहां के लोग इस दिन पारंपरिक परिधान पहनकर खुशियां मनाते हैं,तो है न दिलचस्प इतिहास नव वर्ष का, जिसपर लोग झूमते गाते है, खुशियां मनाते है।लेकिन बेहतर हो इस दिन अपनी कोई बुराई छोड़ने का संकल्प ले और परमात्मा को यादकर सकारात्मक सोच के साथ अपने जीवन की शुरूआत करें।

कुछ अच्छा सोचे !

31 दिसंबर की रात घड़ी की सुई ने जैसे ही 12 पार किये कलैंडर बदल गया। सन 2024 से सन 2025 हो गया।

फिर धीरे धीरे रात से सुप्रभात हो गया। नया साल आ गया, परन्तु नया क्या हुआ, सिवाय कलैंडर बदलने के क्या बुराइयां खत्म हो गई क्या हिंसा अब नही रही। क्या अबलाओ पर अब अत्याचार बन्द हो गए क्या इंसानियत जीत गई है। क्या हैवानियत हार गई है। क्या विकारो पर विजय मिल पाई क्या रावण हमेशा के लिए जल गया है। क्या राम राज्य आ गया है। क्या भूख से अब नही मरेगा कोई क्या अब कोई किसान आत्महत्या नही करेगा।

क्या अब किसी से दुराचार नही होगा। क्या अब युवाओं से खिलवाड़ नही होगा। यदि यह सब नही बदलना है।

तो नये साल का हमे क्या करना है, चलो अच्छा सोचते है। कुछ गलत न होने पाये ऐसी राह खोजते है। अच्छी सोच के साथ ही आओ करे 2024 की विदाई।

बैंकों और एनएफसी कंपनियों में गिरवी रखे सोने की नीलामी

भारत में आम लोगों की वित्तीय हालत दिनों दिन खराब होती चली जा रही है। वित्तीय कठिनाइयों की गहराई इस बात से समझी जा सकती है। लोग अपनी सबसे मूल्यवान संपत्ति, सोना, गिरवी रखकर भी अपनी नियमित जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। मुथूट फाइनेंस और मणप्पुरम फाइनेंस जैसी बड़ी कंपनियों द्वारा अप्रैल से सितंबर माह के बीच करीब 680 करोड़ रुपये का सोना नीलाम किया गया है। यह स्थिति केवल उक्त कंपनियों तक सीमित नहीं है; बल्कि यह देश में जनसामान्य के बीच आर्थिक असमानता और सामाजिक आर्थिक तंगी का प्रतीक है। बैंकों से जिन लोगों ने सोना रखकर कर्ज लिया है। यदि वह गिरवी रखे सोने का ब्याज नहीं चुका पा रहे हैं। बैंकों से सोने पर लिए गए कर्ज को नीलाम किया जा रहा है। सोना एक ऐसी वस्तु है जो सबसे कठिन समय पर ही लोग गिरवी रखते हैं। लोग मजबूरी में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, शादी विवाह के आवश्यक खर्चों, और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखते हैं। बैंकों और एनएफसी कंपनियों में सोना गिरवी रखकर समय पर मूलधन और ब्याज चुकाने में विफल हो जाते हैं। उनका गिरवी रखा हुआ सोना नीलम कर दिया जाता है। जिसके कारण हमेशा के लिए उनके पास का सोना बेच दिया जाता है। सोने की नीलामी यह साबित कर रही है, कि गरीब और मध्यम वर्ग किस हालत में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। समाज में गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी और अति आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में किस तरह के वित्तीय संकट का सामना गरीब एवं मध्यम वर्ग को करना पड़ रहा है। सवाल उठता है, सरकार और वित्तीय संस्थान इस समस्या का समाधान खोजने और आम आदमी को राहत पहुंचाने के लिए क्या पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं? गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को वित्तीय राहत देने के लिए सरकार और वित्तीय संस्थानो को ऐसी नीतियों की आवश्यकता है। जो आम आदमी के वक्त जरूरत की बचत जो सोने के रूप में होती है। उसे बिना नीलाम किए आवश्यक वित्तीय सहायता एवं सुरक्षा प्रदान हो सके।

वर्तमान स्थिति केवल व्यक्तिगत आर्थिक संकट का नहीं है। सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों से लगातार टैक्स बढ़ाया जा रहा है। आम आदमी की आय मैं कोई इजाफा नहीं हो रहा है। खर्च बढ़ते ही चले जा रहे हैं। जिसके कारण पहले लोगों की बचत खत्म हुई। जरुरी खर्चे के लिए सोने के रूप में जो थोड़ा मोड़ा वक्त जरूरत के लिए परिवार ने सोने के रुप में बचा कर रखा था। वह भी उसके पास नहीं रहा। ऐसी स्थिति में उसके परिवार के लिए एक बड़ा संकट उत्पन्न हो गया है। यह स्थिति परिवार समाज और भारतीय अर्थ व्यवस्था के लिए बड़ी चेतावनी है। इस विकट समय में, सरकार को जरूरतमंदों के लिए आसान और सहायक ऋण योजनाओं के साथ-साथ ब्याज दरों को नियंत्रित करने की दिशा में काम करना होगा। टैक्स की दरों को कम करना होगा। गरीबों और मध्यम वर्ग की आय में इजाफा करना होगा। समाज के सभी वर्गों के बीच में आर्थिक संतुलन स्थापित हो। इसके लिए आर्थिक नीतियों में तुरंत बदलाव करने की जरूरत है। गरीब और मध्यम वर्ग इस समय बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहा है। सरकार स्वयं दावा करती है, कि 80 करोड लोगों को उसे मुफ्त में अनाज देना पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में नियमित रूप से खानपान की चीजों के रेट कई गुना बढ़ गए हैं। देश में कुपोषण के कारण बच्चों और महिलाओं की हालत खराब है। सरकार, आम आदमी के उपयोग में आने वाली सभी चीजों पर 12 फीसदी से लेकर 28 फीसदी तक जीएसटी वसूल कर रही है। विभिन्न सेवाओं में टैक्स और शुल्क भी लग रहा है। आम आदमी का रोड पर चलना भी मुश्किल हो रहा है। अब तो पेट भरने लायक भी स्थिति नहीं दिख रही है। जिसके कारण आम आदमी का गुस्सा अब दिखने लगा है। बहुत कठिन समय होने पर ही व्यक्ति अपना सोना गिरवी रखता है।

चिंतन-मनन

जाल हैं राग और द्वेष

परमानंद को समझा नहीं जा सकता और उसे पाना भी अत्यंत कठिन है। कई जीवन कालों के बाद परमानंद की प्राप्ति होती है और एक बार पाने पर इसे खोना तो और भी कठिन है। जीवन में तुम्हें तलाश है केवल परमानंद की- अपने स्रेत के साथ तुम्हारा दिव्य मिलन और संसार में बाकी सबकुछ तुम्हें इस लक्ष्य की प्राप्ति से विचलित करता है। असंख्य कारण, विभिन्न तरीकों से तुम्हें उस लक्ष्य से विमुख करते हैं; लाख बहाने, जो न समझे जा सकते हैं, न बताए जा सकते हैं, तुम्हें घर नहीं पहुंचने देते। राग और द्वेष से मन चंचल रहता है। केवल जब मन शांत होता है, तब परमानंद उदित होता है। परमानंद वास है दिव्यता का, सभी देवों का। केवल मानव शरीर में ही इसे पाया जा सकता है, अनुभव किया जा सकता है। एक बार मानव जीवन पाकर, तथा इस मार्ग पर आकर भी यदि तुम्हें यह समझ में नहीं आता, तो तुम बड़े नुकसान में हो। राग और द्वेष तुम्हारे हृदय को कठोर बनाते हैं। यदि हृदय में रूखापन है तो केवल व्यवहार में विनम्रता होने से कोई लाभ नहीं। संसार को यह परवाह नहीं कि तुम अंदर से कैसे हो। संसार केवल तुम्हारा बाहरी व्यवहार देखता है। परंतु, ईश्वर को यह परवाह नहीं कि तुम बाहर से कैसे हो- वे केवल तुम्हारे अंदर देखते हैं। थोड़ा-सा भी राग या द्वेष का अंश कभी भी अपने दिल में मत बसाओ। इसे तो गुलाब के फूल की तरह रहने दो- ताजा, कोमल और सुगंधित। यह कैसा भ्रम है- तुम किसी व्यक्ति या वस्तु को नापसंद करते हो, और यह तुम्हारे हृदय को कठोर बनाता है। और इस कठोरता को निर्मल होने में बहुत समय लगता है। राग और द्वेष ऐसे जाल हैं जो तुम्हें अनमोल खजाने से दूर रखते हैं। इस भौतिक संसार में कोई भी चीज तुम्हें तृप्ति नहीं दे सकती।

महाकुम्भ का न्यौता देने वाले आप कौन?

राकेश अचल

बेसिर-पैर की राजनीति करने में दक्ष हमारे राजनितिक दल और सरकारें अपना असली काम छोड़कर रोजाना नए-नए विवाद खड़े करने में सिद्धहस्त हो चुकी है। अब देश में ताजा विवाद महाकुम्भ का न्यौता है। उत्तरप्रदेश की सरकार इस आयोजन के निमंत्रण पत्र बाँट रही है ,समाजवादी पार्टी ने इसी पर सवाल खड़े किये हैं /प्रयागराज में अगले साल 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ को लेकर तैयारियां लगभग अंतिम चरण पर है। महाकुंभ के लिए उत्तर प्रदेश की सरकार ने निमंत्रण पत्र बांटना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित कई गणमान्य लोगों से मिलकर उन्हें महाकुंभ में शामिल होने के लिए निमंत्रण दे रहे हैं। इसको लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के लिए निमंत्रण नहीं दिए जाते हैं. कुंभ में लोग खुद आते हैं. हमने अपने धर्म में यही सीखा है। यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव आप भी आएं, अपने पापों को धो लें और पुण्य प्राप्त करे। जहाँ तक मेरी स्मृति है देश में किसी भी धार्मिक आयोजन के लिए कभी निमंत्रण पत्र बांटे नहीं जाते फिर चाहे कुंभ हो,सिंघस्थ हो या चारधाम यात्रा हो। हमारे पुरखे पंचांग के हिसाब से तिथियां देखकर इन आयोजनों में अपने आप आते-जाते रहे हैं। ये धार्मिक आयोजन देश में चुनी हुई सरकारें बनने से हजारों साल पहले से होते आ रहे हैं और होते भी रहेंगे ,लेकिन ये किसी की बेटी या बेटे की शादी नहीं है जो घर-घर जाकर निमंत्रण पत्र बांटे जाएँ। जिसे आना है ,वो आये और जिसे नहीं आना वो अपने घर बैठे। इन आयोजनों में सरकारों की भूमिका एक संरक्षक की तो है किन्तु वे इसे अपना आयोजन या उपलब्धि नहीं बना सकतीं। धार्मिक आयोजनों को हड़पने का पुण्यकार्य भाजपा ने शुरू किया है। सबसे पहले राम मंदिर में प्राण प्रतिस्ठा समारोह में शामिल होने के लिए भेजा और संघ के स्वयं सेवकों ने घर-घर जाकर पीले चावल बांटे और सरकार ने लिखित निमंत्रण पत्र अब उत्तरप्रदेश की सरकार महकुम्भ के निमंत्रण पत्र बाँट रही है। सरकार के फैसले पर ऊँगली उठाना जिनका काम है वे उठा रहे हैं ,लेकिन मेरा सवाल ये है कि निमत्रण पत्र बांटने की जरूरत क्या है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भी इस धार्मिक आयोजन के लिए निमंत्रण पत्र देना ठीक नही। यदि इन महानुभावों के मन में महाकुम्भ के प्रति शृद्धा है है तो ये खुद अपना दौरा तय करें और राज्य सरकार इन महानुभावों के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करे।

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ही नहीं बल्कि भाजपा की सभी डबल और सिंगल इंजिन की सरकारें धार्मिक आयोजनों को हड़पकर उन्हें राजनीतिक और पार्टीगत आयोजन बना देने में लगीं हैं। मध्यप्रदेश में सिंघस्थ का आयोजन भी सरकार करती है लेकिन भाजपा ने इसका भी भाजपाई यानि भगवाकरण कर दिया है। धार्मिक ही नहीं बल्कि दुसरे सांस्कृतिक ,सांगीतिक कार्यक्रम भी भगवा बनाये जा चुके हैं। मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में होने वाले तानसेन संगीत समारोह भी अब भाजपा का अपना कार्यक्रम है। इस समारोह के शताब्दी वर्ष समारोह में भी किसी संगीतज्ञ को उद्घाटन के लिए नहीं बुलाया गया ,यहाँ भी मुख्यमंत्री ,केंद्रीय मंत्री और जिला स्तर के भाजपा नेता मंच पर जमे रहे। समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि जो करोड़ों लोग आएंगे, क्या उन्हें निमंत्रण दिया जाता है? यह सरकार अलग है. उन्होंने कहा कि सरकार को कठघरे में खड़ा करने की हमारी जिम्मेदारी है. जब सपा सरकार में कुंभ हुआ था, उसकी स्टडी हॉवर्ड यूनिवर्सिटी ने की थी. महाकुंभ का अच्छे से आयोजन हो, इसके लिए सपा सहयोग के लिए तैयार है। लेकिन अखिलेश यादव ये नहीं जानते कि भाजपा की सरकारें सबका साथ, सबका विकास , का नारा केवल दिखने के लिए लगाती हैं ,हकीकत में उन्हें न सबका साथ चाहिए और न वे सबका विकास करना चाहतीं हैं। उन्हें अपना और अपनी पार्टी का विकास करना है और उन्हीं का साथ चाहिए।

भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों ने जितना ध्यान धार्मिक आयोजनों और धार्मिक स्थलों के विकास पर दिया है उतना विज्ञान और शोध कार्यों पर नहीं दिया। हमारी सरकारों और नेताओं को विज्ञान से ज्यादा धार्मिक अनुष्ठान प्रिय हैं। पिछले 10 साल में देश में जितने धार्मिक कॉरिडोर बने और जितनी विशाल प्रतिमाएं बनवाई गयी उतना पहले कभी नहीं हुआ । हमारी सरकारें हर धार्मिक आयोजन को पर्यटन में बदल देना चाहती हैं हमारी सरकारों की होड़ विज्ञान और शोध में नहीं है ,हमारी सरकारें दिये जलने का विश्व रिकार्ड बनाकर अभिभूत होतीं हैं। अब इस प्रवृत्ति के लिए कोई क्या कर सकता है ?

महाकुम्भ के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने अम्बानी के बेटे अनंत अम्बानी को न्यौता दिया है,जाहिर है कि सरकार महामुक्भ में भी धनकुबेरों को महत्व देकर निवेश के अवसर तलाश रही है ,अन्यथा अनंत क्या कोई शंकराचार्य हैं। अभी तक योगी जी का कोई चित्र किसी शनकराचार्य को निमंत्रण देते हुए नहीं आया ,क्योंकि योगी जी जानते हैं की जिसकी अटकी होगी वो तो महाकुम्भ में आएगा ही ,लेकिन जिसकी अटकी नहीं है उसे न्यौता देकर लाना पडेगा। बेहद हास्यास्पद है निमंत्रण पत्र बांटते हुए तस्वीरें उतरवाना और फिर उनका प्रचार करवाना। मेरा तो सुझाव है कि भाजपा और संघ को महाकुम्भ में अपने भी शिविर लगा लेना चाहिए दुसरे अखाड़ों की तरह। इस महाकुम्भ में पार्टी का सदस्यता अभियान भी शुरू कर देना चाहिए। वैसे भी देश के प्रधानमंत्री जी त्रिपुण्ड लगाकर किसी महामंडलेश्वर से कम आकर्षक तो नहीं लगते। मुझे चूंकि योगी जी ने महाकुम्भ का निमंत्रण पत्र खुद आकर नहीं दिया है इसलिए मैंने तो फिलहाल अपना मन बनाया नहीं है। आपकी आप जानें। आपको बिना निमंत्रण पत्र के जाना है तो शौक से जाएँ।

छत्तीसगढ़ : ईडी की छापेमारी और सियासी तनाव

सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़ की राजनीति में पूर्व मंत्री कवासी लखमा के निवास और उनके सहयोगियों के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी ने राज्य के राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है। यह घटनाक्रम कानूनी कार्रवाई से आगे बढ़कर सियासी आरोप-प्रत्यारोप का कारण बन गया है। कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखी बयानबाजी और कवासी लखमा की प्रतिक्रिया ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय चर्चा का केंद्र बना दिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने रायपुर धरमपुरा स्थित कवासी लखमा के आवास और उनके करीबी सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी ने उनके बेटे और जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश लखमा तथा नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू के परिसरों को भी जांच के दायरे में लिया। आरोप हैं कि इन स्थानों पर आर्थिक अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से जुड़े सबूत खोजने की कोशिश की जा रही थी। ईडी का दावा है कि छापेमारी भ्रष्टाचार और धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) से संबंधित मामलों की जांच के लिए की जा रही है। हालांकि, इस कार्रवाई के कानूनी आधार की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। कांग्रेस पार्टी ने ईडी की इस कार्रवाई को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि भाजपा सरकार विपक्ष के नेताओं को दबाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेस ने इसे भाजपा का राजनीतिक बदला बताया। यह छापेमारी जनता का ध्यान भटकाने और कांग्रेस पार्टी की छवि खराब करने की साजिश है। लेकिन कांग्रेस इससे डरने वाले नहीं हैं। भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी है और वह कानून के तहत अपना काम कर रही है। भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि अगर कवासी लखमा निर्दोष हैं, तो उन्हें डरने की जरूरत नहीं है। भाजपा का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह हर कानूनी जांच को राजनीतिक रंग देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। भाजपा का कहना है कि अगर ईडी ने कोई कार्रवाई की है, तो उसके पीछे पुख्ता सबूत होंगे। कांग्रेस हर बार इस तरह के मामलों को राजनीतिक षड्यंत्र का नाम देती है, जबकि हकीकत यह है कि भ्रष्टाचार को खत्म करना हर सरकार का दायित्व है। कवासी लखमा ने ईडी की कार्रवाई को व्यक्तिगत प्रताड़ना बताया। उन्होंने कहा कि अनपढ़ होने का फायदा उठाकर उन्हें फंसाने की कोशिश की जा रही है। लखमा ने जोर दिया कि वह निर्दोष हैं और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाएगी। लखमा ने कहा कि वह जांच के लिए तैयार हैं, लेकिन यह कार्रवाई केवल उन्हें बदनाम करने के लिए की गई है। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा जनता की सेवा की है। मेरे खिलाफ कोई भी आरोप साबित नहीं होगा। यह कार्रवाई केवल राजनीतिक लाभ के लिए की जा रही है। इस छापेमारी ने छत्तीसगढ़ की राजनीति में नए विवादों को जन्म दिया है। कांग्रेस इसे लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला बता रही है, जबकि भाजपा इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ जरूरी कदम करार दे रही है।

आज का राशिफल

मेष दिन लाभदायक रहेगा। हर काम में सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में आपके प्रयास रंग लाएंगे।

तुला दिन लाभदायक है। मेहनत रंग लाएगी। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।

वृषभ आज दिन शुभ है और भाग्य आपका साथ देगा और दिन सफलता से भरा रहेगा।

वृश्चिक आज आर्थिक लाभ होगा। आप काफी समय से चढ़ा हुआ कोई बड़ा कर्ज चुका पाएंगे।

मिथुन भाग्य का साथ मिलेगा और आपको रुका हुआ पैसा मिल सकता है। धन और ऐश्वर्य में वृद्धि होगी।

धनु हर मामले में सावधान रहना चाहिए। लेन-देन न करें। सहकर्मियों से सावधान रहें।

कर्क दिन शुभ है और आपको करियर या व्यवसाय से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

मकर आज लाभ होगा। धन और सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में सफलता मिलेगी।

सिंह आज भाग्य साथ देगा और आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी। हर काम में सफलता मिलेगी।

कुंभ आज धन में वृद्धि होगी। व्यापार में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े प्रयास सफल होंगे।

कन्या दिन उलझनों भरा रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा, लेकिन आर्थिक रूप से आपको सफलता मिलेगी।

मीन आज धन में वृद्धि होगी। आज का दिन लाभदायक रहेगा। पुराने झगड़ों से छुटकारा मिलेगा।

विशेष

अमित शाह के इस्तीफा पर अड़ा विपक्ष

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों में आपस में तकरार बनी हुई है। अमित शाह के इस्तीफा को लेकर सारा विपक्ष एकजुट नजर आ रहा है। जिसके कारण गृह मंत्री के ऊपर इस्तीफे की तलवार लटकी हुई है। भाजपा अच्छी तरह से जानती है। यदि दलित वोट बैंक में भाजपा के प्रति नाराजी बढ़ी। तो चुनाव में उसे भारी नुकसान हो सकता है। भाजपा के अंदर ही अंदर बाबा साहब अंबेडकर को लेकर भाजपा दो खेमे में बंटती हुई नजर आ रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद ही अमित शाह के भाग्य का फैसला होगा, इतना तय है। यदि दिल्ली में भाजपा कोचुनाव में असफलता प्राप्त होगी। तभी भाजपा और संघ अमित शाह से अपना पीछा छुड़ाएगी। राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है, दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले अमित शाह इस्तीफा नहीं देंगे। ना ही प्रधानमंत्री उनसे इस्तीफा मांगेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम ही अमित शाह के भाग्य का फैसला होगा।

चंडीगढ़ नगर निगम में लगे वोट चोर के नारे

चंडीगढ़ नगर निगम मे कांग्रेस और भाजपा के पार्षदों में सदन के अंदर मारपीट और हंगामा देखने को मिला। कांग्रेस के पार्षदों ने मनोनीत पार्षद अनिल मसीह को वोट चोर कहकर संबोधित किया। इस पर भाजपा के पार्षद वेल के अंदर आ गए। कांग्रेस पार्षद भी बेल के अंदर चले गए। विवाद इतना बढा, कांग्रेस के पार्षद गुरप्रीत और सीनियर डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह संधू के बीच में हाथापाई हो गई। कांग्रेस और भाजपा के पार्षदों में हाथापाई के बाद, सदन की बैठक को स्थगित कर दिया गया। उल्लेखनीय है, अनिल मशीह ने 8 वोट कांग्रेस के अमान्य कर भाजपा के उम्मीदवार को मेयर पद के चुनाव मे जिता दिया था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1599 ईस्ट इंडिया कंपनी को शाही स्वीकृति मिली. 1719 इंग्लैंड के राजघराने के पहले खगोलशाखी जान फ्लैम स्टीड का निधन. 1802 पेशवा बाजीराव द्वितीय ब्रिटिश संरक्षण में गए. 1879 थामस एडीसन ने न्यू जर्सी में विद्युत लैंप का प्रदर्शन किया. 1929 भारतीय राष्ट्रीय कांगेस ने लाहोर में आधी रात को पूर्ण स्वराज का संकल्प लिया. 1946 अमरीका ने द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने का ऐलान किया. 1948 पानी और धरती पर सबसे तेज गतिका रिकार्ड बनाने वाले सर मैलकम कैम्पबेल का निधन. 1968 रूस के सुपरसानिक विमान डी यू 144 ने पहली बार उड़ान भरी. 1973 ब्रिटेन में सरकार ने ऊर्जा में बचत केलिए काम का सप्ताह तीन दिन कर दिया. 1987 घाना में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया. 1984 राजीव गांधी दोबारा प्रधानमंत्री बने. 1990 लेखक रघुवीर सहाय का निधन.

दैनिक पंचांग

31 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2024 वर्ष का 366 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 03.22 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 00.04 बजे रात्र को समाप्त।
योग ध्रुव 18.59 बजे को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 15.43 बजे तदनन्तर बव 03.22 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 0.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 05'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872210
जूलियन दिन 2460675.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 28

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.43 बजे से
चंद्र	धनु में	कुंभ	09.29 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	11.02 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	12.33 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	14.13 बजे से
शुक्र	कुंभ में	मिथुन	16.11 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	18.24 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	20.40 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	22.52 बजे से
राहुकाल		तुला	01.03 बजे से
3.00 से 4.30		वृश्चिक	03.18 ब.से
बजे तक		धनु	05.34 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजारों के लिए काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा 2024, लेकिन लगातार नौवें साल बना यह रिकॉर्ड

2024 लगातार नौवां साल रहा है जबकि स्थानीय शेयर बाजारों ने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया है। वैश्विक वृहद आर्थिक आंकड़ों और भू-राजनीतिक तनाव ने बाजार को काफी प्रभावित किया, जिसकी वजह से बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला।
शेयर बाजारों के लिए 2024 का साल काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। साल के दौरान जहां भारतीय शेयर बाजारों ने कई बार रिकॉर्ड बनाया, वहीं दूसरी ओर उसे बीच-बीच बड़े नुकसान का भी सामना करना पड़ा। हालांकि, इसके बावजूद घरेलू निवेशकों के दम पर शेयर बाजारों ने साल के दौरान निवेशकों को पॉजिटिव रिटर्न दिया है। इस साल 27 दिसंबर तक बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 6,458.81 अंक या 8.94 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 2,082 अंक या 9.58 प्रतिशत का उछाल आया है। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स इस साल 27 सितंबर को 85,978.25 के अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। उसी दिन निफ्टी ने भी अपने 26,277.35 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर को छुआ था।

स्मॉल कैप और मिड कैप का रहा जलवा

इस दौरान स्मॉल कैप और मिड कैप कंपनियों के शेयरों का प्रदर्शन बड़ी कंपनियों से बेहतर रहा। यही वजह है कि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने निवेशकों को 'लार्जकैप' की तुलना में अधिक रिटर्न दिया है। निफ्टी और सेंसेक्स का प्रदर्शन अन्य देशों विशेषरूप से अमेरिका के बाजारों से कमजोर रहा है। इस खराब प्रदर्शन की वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की जबर्दस्त बिकवाली है। सितंबर के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर से सेंसेक्स 8.46 प्रतिशत नीचे आ चुका है। वहीं, निफ्टी रिकॉर्ड स्तर से 9.37 प्रतिशत टूट चुका है। अकेले अक्टूबर में सेंसेक्स 4,910.72 अंक या 5.82 प्रतिशत नीचे आया था।
इसी महीने निफ्टी में 1,605.5 अंक या 6.22 प्रतिशत की गिरावट आई थी। दिसंबर में अबतक सेंसेक्स 1,103.72 अंक या 1.38 प्रतिशत नीचे आया है। अक्टूबर में एफआईआई ने भारतीय बाजारों से 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। बीते साल यानी 2023 में सेंसेक्स 11,399.52 अंक या 18.73 प्रतिशत चढ़ा था। वहीं निफ्टी 3,626.1 अंक या 20 प्रतिशत के लाभ में रहा था।

कोविड महामारी के बाद तीसरी बड़ी गिरावट थी

मोतीलाल ओसवाल वेल्थ मैनेजमेंट ने एक नोट में कहा है कि साल की पहली छमाही में कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों, घरेलू कोषों के प्रवाह में उछाल और मजबूत वृहद परिदृश्य की वजह से निफ्टी सितंबर, 2024 में 26,277.35 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा गया था। नोट में कहा गया, पिछले दो माह में बाजार अपने सर्वकालिक उच्चस्तर से नीचे आ गया है। यह 2020 में कोविड-19 महामारी के बाद तीसरी बड़ी गिरावट थी। इसकी मुख्य वजह घरेलू और वैश्विक कारकों की वजह से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की जबर्दस्त बिकवाली है। यह साल काफी घटनाक्रमों का रहा। साल के दौरान भारत में आम चुनाव के अलावा अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव मुख्य घटनाक्रम रहे। इसके अलावा शेयर बाजारों पर दो प्रमुख भू-राजनीतिक घटनाक्रमों। इजरायल-ईरान संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध का भी असर पड़ा। वर्ष 2024 में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच काफी संघर्ष देखने को मिला।

बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव रहा

वैश्विक वृहद आर्थिक आंकड़ों और भू-राजनीतिक तनाव ने बाजार को काफी प्रभावित किया, जिसकी वजह से बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हालांकि, दुनियाभर में अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय बाजारों ने काफी हद तक दबाव के बीच अच्छा प्रदर्शन किया और निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोध-अनुसंधान विश्लेषक प्रशांत तापसे ने कहा, ''यह मूल्यांकन में उछाल का साल भी था, जिसने भारतीय बाजारों को दुनिया में सबसे महंगा बना दिया। बाजार में अतिरिक्त तरलता ने मूल्यांकन को ऊंचाई पर पहुंचा दिया जिसकी वजह से अंततः 'करेक्शन' देखने को मिला।

वर्ल्ड कप की जीत ने बनाया साल को खास

टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया के लिए साल 2024 काफी यादगार रहा जिसमें जून महीने में खेले गए वर्ल्ड कप को भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में उसे अपने नाम करने में कामयाब रही थी। इस साल भारतीय टीम को 26 मैचों में से सिर्फ 2 में हार का सामना करना पड़ा।

साल 2024 भारतीय टीम और क्रिकेट फैंस दोनों के लिए एक यादगार साल है, जिसमें ये इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों से दर्ज कर दिया गया है। इस साल टीम इंडिया का टी20 इंटरनेशनल में एकतरफा प्रदर्शन देखने को मिला है और इसकी सबसे बड़ी वजह अनुभवी प्लेयर्स के साथ युवा खिलाड़ियों का भी बेहतर खेल दिखाना। साल 2024 में यदि किसी एक फॉर्मेट में टीम इंडिया ने अपने प्रदर्शन से सबसे ज्यादा प्रभावित किया तो वह टी20 ही है, जिसमें जहां भारतीय टीम ने कोई भी सीरीज नहीं गवाई तो वहीं सिर्फ 2 मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस साल खेले गए टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला था, जिसमें एक भी मैच गंवाए बिना ही खिताब को अपने नाम किया था। इस साल भारतीय टीम ने टी20 इंटरनेशनल में कुल 26 मैच खेले जिसमें से उन्होंने 22 को अपने नाम किया।

अफगानिस्तान को किया क्लीन स्वीप

भारतीय टीम ने साल 2024 की शुरुआत में घर पर अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली थी, जिसके सभी मैचों को भारतीय टीम अपने नाम करने में कामयाब रही थी।

टी20 वर्ल्ड कप को किया अपने नाम

साल 2023 में वनडे वर्ल्ड कप में मिली हार को इस साल टी20 वर्ल्ड कप जीत ने जरूर थोड़ा भारतीय फैंस के गम को कम करने का काम किया। टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज और यूएसए की संयुक्त मेजबानी में खेले गए मेगा इवेंट में रोहित शर्मा की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन दिखाया, जिसमें पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों को काफी आसानी से एकतरफा मात दी। वहीं फाइनल मुकाबले में जरूर साउथ अफ्रीका की टीम ने एक समय धड़कनों को बढ़ा दिया था, लेकिन सूर्यकुमार यादव का लॉन्ग ऑफ पर पकड़े गए बेहतरीन कैच ने भारतीय टीम को दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका अदा की। इस मेगा इवेंट में जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन बिल्कुल ही एक अलग स्तर पर देखने को मिला था।

जिम्बाब्वे में 4-1 से जीती टी20 सीरीज

टी20 वर्ल्ड कप 2024 को अपने नाम करने के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी20 इंटरनेशनल को अलविदा भी कह दिया। वहीं इसके बाद भारतीय युवा टीम ने जिम्बाब्वे का दौरा किया जिसमें 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए शुभमन गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली और कई नए प्लेयर्स को भी मौका मिला। भारतीय टीम ने इस सीरीज को 4-1 से अपने एकतरफा अपने नाम किया।

श्रीलंका और बांग्लादेश को भी किया क्लीन स्वीप

टीम इंडिया के नए टी20 नियमित कप्तान के रूप में सूर्यकुमार यादव की पहली सीरीज श्रीलंका के दौरे पर आई जिसमें भारतीय टीम का बिल्कुल ही एक अलग रूप देखने को मिला और उन्होंने मेजबान टीम को उसी घर पर क्लीन स्वीप करने में सफलता हासिल की। वहीं इस सीरीज के बाद भारतीय टीम को घर पर बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलने का मौका मिला और इसमें भी टीम इंडिया का एकतरफा प्रदर्शन देखने को मिला। इस सीरीज के आखिरी मुकाबले में संजू सैमसन के बल्ले से फैंस को बेहतरीन शतकीय पारी भी देखने को मिली थी।

साउथ अफ्रीका में 3-1 से किया सीरीज को अपने नाम

साल 2024 में भारतीय टीम ने अपनी आखिरी टी20 सीरीज साउथ अफ्रीका के दौरे पर खेली, जिसमें इस सीरीज के पहले मुकाबले को तो टीम इंडिया ने एकतरफा अपने नाम किया लेकिन दूसरे ही मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। आखिरी 2 मैचों में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा के बल्ले से बेहतरीन शतकीय पारी देखने को मिली जिसके दम पर टीम इंडिया इस सीरीज को 3-1 से अपने नाम करने में कामयाब रही।

इन 5 भारतीय प्लेयर्स ने लिया था संन्यास, 3 ने तो टी20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म किया करियर

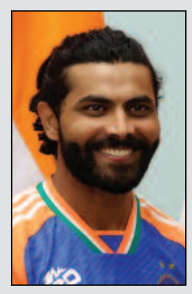

भारतीय टीम ने साल 2024 टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब साउथ अफ्रीका को हराकर जीता था। टी20 वर्ल्ड कप के दौरान टीम इंडिया ने एक भी मुकाबला नहीं हारा था और भारतीय टीम दबदबा कायम करते हुए टी20 क्रिकेट में विजेता बनी थी। लेकिन वर्ल्ड कप 2024 के बाद कप्तान रोहित शर्मा, सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने संन्यास ले लिया था। इन तीनों ही प्लेयर्स ने खिताब जीतने के 24 घंटे के अंदर ही रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था।

टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज शिखर धवन ने साल 2024 में ही इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। अपने 13 साल के करियर में उन्होंने टीम इंडिया के लिए 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैच खेले।
दिनेश कार्तिक ने भी टीम इंडिया के लिए क्रिकेट के तीनों ही फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। वह साल 2022 में आखिरी बार टीम इंडिया की तरफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में खेले थे।

सुशील मोदी-मनमोहन सिंह समेत इस साल देश ने खोए कई दिग्गज नेता, बाबा सिद्दीकी की हत्या ने सबको चौंकाया

इस साल देश ने कई दिग्गज नेताओं को गंवा दिया। इनमें पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी, सीपीआईएम नेता सीताराम येचुरी, कांग्रेस के दिग्गज नेता नटवर सिंह और बाबा सिद्दीकी का नाम शामिल है।

साल 2024 भारतीय राजनीति में कई महत्वपूर्ण क्षतियों से भरा रहा है। इस साल कई दिग्गज नेता गुजर गए। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी और कम्यूनिस्ट नेता सीताराम येचुरी का निधन हो गया। वहीं, इस साल महाराष्ट्र में बाबा सिद्दीकी हत्या विशेष रूप से चौंकाने वाला थी। बाबा सिद्दीकी चार बार कांग्रेस से विधायक रहे, जिन्होंने बाद में एनसीपी ज्वाइन कर ली थी। 12 अक्टूबर 2024 को बाबा सिद्दीकी की मुंबई में गोली मारकर हत्या की गई थी। विधानसभा चुनाव से महाराष्ट्र की राजनीति से बड़ा नेता चला गया।

सीताराम येचुरी का निधन

इस साल एक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के दिग्गज नेता सीताराम येचुरी का भी निधन हो गया। येचुरी, जो पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सांसद थे। 12 सितंबर 2024 को 72 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। राजनीति में उनका कार्यकाल, जिसमें 1992 से सीपीआई (एम) के पोलित ब्यूरो के सदस्य के रूप में शामिल होना शामिल था। येचुरी को वामपंथी नीतियों की वकालत और भारत में राजनीतिक विमर्श में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है।

13 मई को सुशील कुमार मोदी का निधन

वहीं, बिहार की राजनीति में बड़ा चेहरा भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का इस साल निधन हो गया। साल 2005 से 2020 तक बिहार के शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सुशील कुमार मोदी 13 मई 2024 को 72 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थे। उनका जाना भाजपा और राज्य के राजनीतिक ढांचे के लिए एक झटका था।

नटवर सिंह का निधन

10 अगस्त 2024 को नटवर सिंह के निधन से कांग्रेस पार्टी को भी एक बड़ा झटका लगा। राजनीति में आने से पहले भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी के रूप में एक प्रतिष्ठित करियर रखने वाले नटवर सिंह ने पहली यूपीए सरकार में विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया। एक राजनयिक और राजनेता के रूप में उनके अनुभवों ने दशकों तक भारतीय राजनीतिक परिदृश्य को काफी समृद्ध किया।

बीआरएस के इस बड़े नेता का भी निधन

तेलंगाना राज्य आंदोलन ने 6 सितंबर 2024 को अपने एक प्रमुख नेता जिट्टा बालकृष्ण रेड्डी को खो दिया। 52 साल की उम्र में भारत राष्ट्र समिति के नेता और पूर्व टीआरएस युवा कार्यकर्ता का तेलंगाना राज्य के लिए योगदान अमूल्य था। रेड्डी का असामयिक निधन उनकी पार्टी और उनके द्वारा चलाए गए आंदोलन के लिए एक झटका था।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन

देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है. उन्होंने 26 दिसंबर 2024 को 92 साल की उम्र में दिल्ली स्थित एम्स हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली. उनकी मौत की पुष्टि होते ही केंद्र सरकार ने 7 दिनों के राष्ट्रीय शोक (26 दिसंबर 2024 से 01 जनवरी 2025) की घोषणा की . भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से देश में शोक की लहर दौड़ गई। उनके योगदान को याद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

हमेशा के लिए हो गया खालीपन

साल 2024 में इन दिग्गज नेताओं के निधन से राजनीतिक गलियारों में एक खालीपन बना हुआ है। इन सभी नेताओं ने जनता के बीच कई सराहनीय काम किए। इस साल जान गंवाने वाले नेताओं ने अपने विशिष्ट योगदान और विचारधाराओं के साथ अपने-अपने क्षेत्रों और पूरे देश के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन सभी नेताओं का स्मरण भारतीय राजनीति में आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेंगी।

रतन टाटा का निधन

रतन टाटा के निधन ने कारोबारी क्षेत्र में एक अपूरणीय शून्य पैदा कर दिया. टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष ने नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने तक समूह का विस्तार करके इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया.

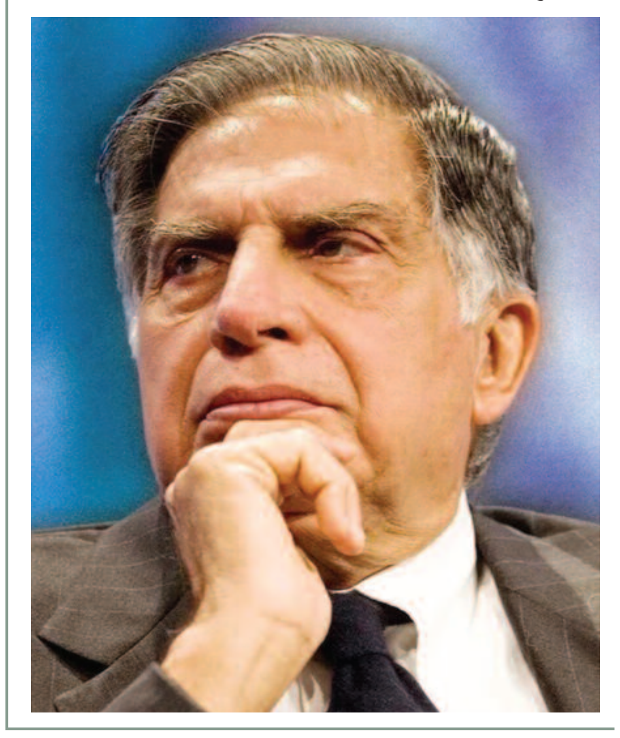

डॉलर के मुकाबले रुपया ऑल टाइम लो पर पहुंचा

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका की इकोनॉमी में मजबूती से डॉलर में जबरदस्त तेजी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयात पर शुल्क बढ़ाने की मंशा जताई है। इस वजह से भी दुनियाभर के मुद्रा कारोबारियों के बीच डॉलर की मांग बढ़ी है।
डॉलर के मुकाबले इस साल रुपये का प्रदर्शन खराब रहा है। 2024 में अमेरिकी मुद्रा डॉलर के मुकाबले रुपया तीन प्रतिशत कमजोर हुआ है। अर्थव्यवस्था की रफ्तार में सुस्ती तथा वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से रुपया प्रभावित हुआ है। वर्ष 2024 के अंत में रुपया अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। इस साल एक जनवरी के 83.19 प्रति डॉलर के स्तर की तुलना में 27 दिसंबर तक रुपया तीन प्रतिशत टूटा है। 27 दिसंबर को रुपया 85.59 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि 2025 में रुपये की स्थिति कुछ बेहतर रहेगी। डॉलर में सुधार का असर उभरते बाजारों की मुद्राओं पर पड़ा है। घटनाक्रमों से भरपूर 2024 में प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले रुपये की विनिमय दर पर प्रभाव जारी रहा। हालांकि, दुनिया की अन्य मुद्राओं से तुलना करें, तो भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव कहीं कम रहा है।
पिछले दो माह में तेजी से गिरा रुपया पिछले दो माह में डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में दो रुपये की रिकॉर्ड गिरावट आई है। गत 10 अक्टूबर को रुपये ने 84 प्रति डॉलर के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। 19 दिसंबर को यह और कमजोर होकर 85 प्रतिशत डॉलर के निचले स्तर पर आ गया। 27 दिसंबर को दिन में कारोबार के दौरान रुपया 85.80 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर तक आया। उस दिन रुपये ने दो साल में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट देखी। हालांकि, डॉलर को छोड़कर अन्य वैश्विक मुद्राओं से तुलना की जाए, तो येन के मुकाबले रुपया 8.7 प्रतिशत मजबूत हुआ है। यह एक जनवरी के 58.99 रुपये प्रति 100 येन से बढ़कर 27 दिसंबर को 54.26 रुपये प्रति 100 येन हो गया। इसी तरह, रुपये में यूरो के मुकाबले 27 अगस्त के बाद पांच प्रतिशत का सुधार हुआ है। 27 अगस्त को यह 93.75 रुपये प्रति यूरो था, जो 27 दिसंबर को 89.11 रुपये प्रति यूरो रह गया।

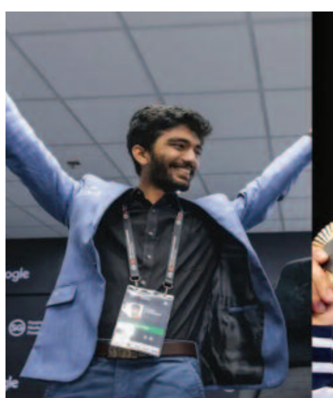

शूटिंग से लेकर हॉकी चेस सहित इन खेलों में प्लेयर्स ने बढ़ाया देश का मान

देश के लिए साल 2024 खेलों में काफी बेहतरीन माना जा सकता है, जिसमें एक तरफ जहां क्रिकेट मैदान पर टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप जीतने में कामयाब रही तो अन्य खेलों में भी भारतीय प्लेयर्स और टीम का कमाल प्रदर्शन देखने को मिला। इस साल पेरिस में ओलंपिक गेम्स का भी आयोजन हुआ था, जिसमें सभी फैंस को पहले के मुकाबले अधिक मेडल की उम्मीद थी, लेकिन उसमें थोड़ा निराश जरूर होना पड़ा इसके बावजूद भी कुछ खेलों में देश मेडल जीतने में कामयाब रहा जिनकी उम्मीद काफी कम की गई थी। इसमें शूटिंग पहले नंबर पर आएगा जिसमें मनु भाकर ने एक नहीं बल्कि 2 मेडल अपने नाम किए थे, वहीं जैवलिन थ्रो इवेंट में नीरज चोपड़ा इस बार गोल्ड जीतने में तो कामयाब नहीं हो सके लेकिन सिल्वर मेडल को जरूर अपने नाम किया। ऐसे में हम आपको साल 2024 में क्रिकेट छोड़ अन्य खेलों में कैसा प्रदर्शन रहा उसके बारे में बताने जा रहे हैं।

शूटिंग मनु और अवनी का नाम हुआ इतिहास के पन्नों में दर्ज

पेरिस ओलंपिक के लिए जब भारतीय दल रवाना हुआ था तो उसमें इस बार सबसे ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद शूटिंग के इवेंट में की गई थी, जिसमें कुछ कैटेगिरी में निशानेबाज मेडल जीतने के काफी करीब पहुंचने के बाद चूक गए थे, लेकिन स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर ने इस बार ओलंपिक में देश के मान को बढ़ाने का जरूर काम किया, जिसमें उन्होंने 22 साल की उम्र में 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीता इसके अलावा 25 मीटर एयर पिस्टल मिक्सड इवेंट में भी कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की। वहीं पैरालंपिक में भी भारत की महिला राइफल शूटर अवनी लखेरा ने इतिहास रचा जिसमें उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने के अलावा एक ब्रॉन्ज को भी अपने नाम किया।

हॉकी में जीता ब्रॉन्ज मेडल

इस बार भारतीय हॉकी टीम का भी ओलंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें भले ही वह गोल्ड मेडल मैच में पहुंचने में कामयाब नहीं हो सके लेकिन इसके बावजूद ब्रॉन्ज मेडल जरूर अपने नाम किया, जिससे ओलंपिक में फिर से फैंस को भारतीय हॉकी का जादू देखने को मिला। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में स्पेन की टीम को 2-1 से मात देने के साथ पदक अपने नाम किया। इस मुकाबले के बाद भारतीय हॉकी इतिहास के सबसे सफल गोलकीपर में से एक पीआर श्रीजेश ने इस खेल को अलविदा भी कह दिया था।

चेस में डी गुकेश ने बनाया अपना दबदबा

चेस का नाम सुनते ही सभी भारतीय फैंस के मन में सबसे पहले विश्वनाथन आनंद का नाम आता है, लेकिन साल 2024 में डी गुकेश का चेस में दबदबा देखने को मिला और वह इस खेल में देश के उभरते हुए सितारे बन गए। गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। वह सिर्फ 18 साल के हैं। गुकेश ने डिंग लिरेन को 14वीं और अंतिम बाजी में हराया और वर्ल्ड चैंपियन बने।

रेसलिंग अमन सहरावत ने रचा इतिहास

रेसलिंग में हमेशा भारत का दबदबा देखने को मिला है, लेकिन इस बार ओलंपिक में रेसलर्स उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके। हालांकि 21 साल के अमन सहरावत ब्रॉन्ज मेडल जीतने के साथ इतिहास रचने में जरूर कामयाब हुए। अमन ने पुरुषों के 57 किग्रा कैटेगिरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता जिसमें वह देश के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता भी बन गए।

नीरज चोपड़ा को सिल्वर से करना पड़ा संतोष

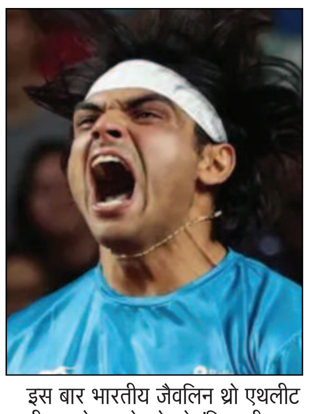

इस बार भारतीय जैवलिन थ्रो एथलीट नीरज चोपड़ा टोक्यो ओलंपिक की तरह गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब तो नहीं हो सके लेकिन 89.45 मीटर दूर थ्रो करने के साथ सिल्वर मेडल को जरूर उन्होंने अपने नाम किया। इसी के साथ नीरज पहले ऐसे भारतीय जैवलिन थ्रो एथलीट बन गए जो ओलंपिक में गोल्ड और सिल्वर दोनों ही मेडल जीतने में कामयाब रहे।

दिवालिया होने की कगार पर अमेरिका का अमीर शहर पोर्टोला वैली, नए नियम से लोग नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के सबसे अमीर शहरों में शामिल एक शहर दिवालिया होने की कगार पर है। यह शहर सैन फ्रांसिस्को से मात्र एक घंटे की दूरी पर है। इसका नाम पोर्टोला वैली है। सरकार के एक नियम के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। इस सिलिकॉन वैली में लिंक्डइन के को-फाउंडर रीड हॉफमैन, सन माइक्रोसिस्टम्स के को-फाउंडर विनोद खोसला और हाल ही रिटायर हुए नाइकी के सीईओ जॉन डोनाहो भी रहते हैं। इस शहर में एक घर की औसतन कीमत 4 मिलियन डॉलर (करीब 34 करोड़ रुपये) है।

इस शहर में करीब 4500 लोगों के घर हैं। इस एरिया को अमीर लोगों के लिए जाना जाता है। दुनिया के कई अरबपति इस शहर में रहते हैं। लेकिन सरकार के नियम से यहां के सभी अरबपति परेशान हैं। सरकार के नियमों को मानने के बाद यह शहर दिवालिया होने से नहीं बचेगा। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार यहां रहने वाले अरबपति भी इस शहर को घाटे में जाने से नहीं रोक सकते।

क्या है सरकार का नियम- कैलिफोर्निया सरकार ने इस शहर में कई चीजों पर खर्च के लिए लागत बढ़ा दी है। यह बढ़ी हुई लागत यहां रहने वाले लोगों से वसूली जाएगी। शहर के सबसे बड़े खर्चों में सैन मेटियो काउंटी शेरिफ

ऑफिस के साथ कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी लागतें, राज्य की आवास जरूरतों का अनुपालन और कर्मचारी संबंधी लागतें शामिल हैं। इसमें पुलिस की सेवाएं लेना भी शामिल हैं। यहां रहने वाले लोग पुलिसिंग के लिए सैन मेटो काउंटी शेरिफ कार्यालय पर निर्भर हैं।

शहर की वित्त समिति के अनुसार सार्वजनिक सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने वाले शेरिफ का कॉन्ट्रैक्ट अगले वित्तीय वर्ष में 1.7 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2.1 मिलियन डॉलर हो जाएगा। यह वर्तमान में पोर्टोला वैली के कुल 8.8 मिलियन डॉलर के बजट का लगभग 20 फीसदी हिस्सा है।

नकदी में आ रही कमी- पोर्टोला वैली के नकद भंडार तेजी से खत्म हो रहा है। इसका कारण भी नए शेरिफ के साथ कॉन्ट्रैक्ट में बढ़ती लागत है। साथ ही इस राज्य की ओर से निर्धारित किफायती आवास की जरूरतें भी हैं।

आवास नियम कहता है कि जहां रहने वाले अमीरों को सरकारी पैसा तभी मिलेगा जब इस जगह पर 253 कम आय वाले घर बनाए जाएं। हालांकि सरकार के इस नियम का यहां रहने वालों ने विरोध किया है।

शेरिफ ने क्या उठाया कदम- शेरिफ कार्यालय को शहर का भुगतान केवल तीन वर्षों में दोगुना हो गया है। साल 2021 में यह एक मिलियन डॉलर था जो 2024 में बढ़कर 2.1 मिलियन डॉलर हो गया। साल 2022 में शेरिफ संघ ने अधिक महंगे श्रम समझौते पर बातचीत की और बढ़ी हुई लागत अब स्थानीय सरकारों पर डाली जा रही है।

वकीलों की ले रहे मदद- राज्य के इन नियमों को लेकर यहां रहने वाले लोग कानूनी सलाह ले रहे हैं। सरकार के कानूनों को दरकिनार करने के लिए यहां के लोगों ने वकीलों को काम पर रखा है।

यहां के मेयर क्रेग ह्यूजेस ने बताया कि ऐसा कोई पड़ोस नहीं है जहां कोई अरबपति न हो और वह सरकार पर मुकदमा न कर सके।

14 रुपये के शेयर पर अभी से 5 रुपये का फायदा, दांव लगाने का बचा है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। आन्या पॉलिटेक का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन दोपहर 12 बजे तक 74 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी के आईपीओ में अभी दांव लगाने का मौका है। आन्या पॉलिटेक का आईपीओ 30 दिसंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला हुआ है। आन्या पॉलिटेक के शेयर ग्रे मार्केट में भी धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 35 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के आईपीओ में शेयर का दाम 14 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम बढ़कर 5 रुपये पहुंच गया है। मौजूदा जीएमपी के हिसाब से आन्या पॉलिटेक के शेयर 19 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। यानी, आईपीओ में जिन निवेशकों को आन्या पॉलिटेक के शेयर अलॉट होंगे, वह लिस्टिंग वाले दिन 35 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। आन्या पॉलिटेक के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के स्म्ब्ध प्लेटफॉर्म पर 2 जनवरी 2025 को लिस्ट होंगे।

आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन दोपहर 12 बजे तक 74.53 गुना सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 101.15 गुना दांव लग गया है। आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 94.28 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 13.12 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। आन्या पॉलिटेक के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते हैं। आईपीओ की एक लॉट में 10000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 1 लॉट के लिए 1,40,000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना होगा।

वेंचुरा ने अडानी के शेयर का टार्गेट प्राइस 37 प्रतिशत किया कम फिर भी स्टॉक में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। वेंचुरा सिक्योरिटीज ने अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के लिए अपने टार्गेट प्राइस को लगभग 37 प्रतिशत घटाकर 3,801 रुपये कर दिया है, जो पहले 5,999 रुपये था। इसके बावजूद इस शेयर को खरीदने की होड़ मची है और आज यह करीब 4 पर्सेंट उछल गया। इस उछाल के पीछे वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 24) में अच्छी वृद्धि का अनुमान है।

बता दें घरेलू ब्रोकरेज ने शेयर पर अपनी रेटिंग बरकरार रखी है। वेंचुरा द्वारा टार्गेट प्राइस में की गई यह कमी करीब दो साल बाद आई है। इसका पिछला लक्ष्य जनवरी 2023 में एईएल के क्यूआईपी के आसपास निर्धारित किया गया था।

क्या रहा आज अडानी एंटरप्राइजेज का हाल- आज अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 2425 रुपये पर खुले और 2536.70 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। सुबह 11ः45 बजे के आसपास, अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत एनएसई पर 4.32 प्रतिशत बढ़कर 2,503.14 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गई। कंपनी का मार्केट कैप 2.90 लाख करोड़ रुपये रहा। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम मूल्य 3,743.90 रुपये प्रति शेयर और 52-सप्ताह का लो 2,025 रुपये प्रति शेयर रहा। वेंचुरा सिक्योरिटीज का मानना है कि अडानी एंटरप्राइजेज को वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 27 के दौरान समेकित राजस्व में 17.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर और शुद्ध आय में 45.8 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण खिलाड़ी- वेंचुरा ने कंपनी द्वारा संचालित एयरपोर्ट बिजनेस के लिए 1.87 ट्रिलियन रुपये, सड़क के लिए 52,056 करोड़ रुपये, कोयला के लिए 29,855 करोड़ रुपये और डेटा सेंटर बिजनेस के लिए 11,003 करोड़ रुपये का इक्विटी मूल्य रखा है।

चीन की कंपनी के साथ इलेक्ट्रिक कार और ई-ट्रक लॉन्च करेगी भारतीय कंपनी!

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की कंपनियों का भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर काम करना जारी है। इस कड़ी में एक और कंपनी जल्द जुड़ सकती है। दरअसल, जेएसडब्ल्यू ग्रुप अपनी इलेक्ट्रिक वाहन क्षमता बढ़ाने के लिए चीनी कंपनियों से बातचीत कर रहा है। किसी अंतिम नतीजे पर पहुंचने के बाद यह ग्रुप चीनी कंपनियों के साथ मिलकर काम करना शुरू कर देगा।

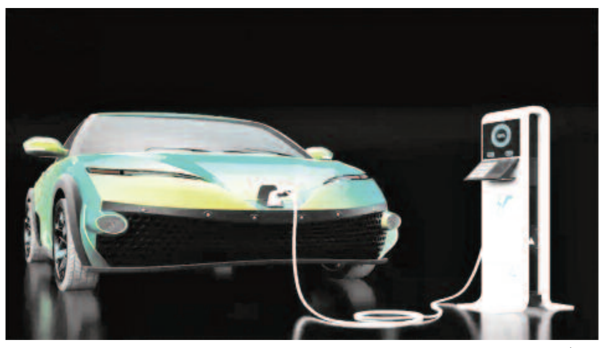

इकॉनमिक टाइम्स के अनुसार जेएसडब्ल्यू ग्रुप अपने खुद के ब्रांड के तहत इलेक्ट्रिक कार और ई-ट्रक लॉन्च करने की प्लानिंग बना रहा है। इसके लिए यह ग्रुप जीली और बीवायडी जैसी चीन की प्रमुख कंपनियों के साथ पार्टनरशिप के लिए बातचीत कर रहा है। बता दें कि इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर के नेतृत्व में भारत का ईवी बाजार 2024 के पहले 11 महीनों में 1.87 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया। साल के अंत तक यह 2 मिलियन के आंकड़े से थोड़ा कम रह सकता है।

साल 2025 में पूरी हो सकती है प्लानिंग- ग्रुप की इस प्लानिंग के बारे में जानकारी रखने वाले एक शख्स ने कहा कि सज्जन जिंदल के स्वामित्व वाला यह ग्रुप सहयोग की तलाश कर रहा है। इसमें चीन की स्थ्रुष्ट मोटर के साथ मौजूदा जॉइंट वेंचर के अलावा एक पूर्ण मोबिलिटी कंपनी के लिए संभावित लाइसेंसिंग एग्रीमेंट या टेक्नॉलजी ट्रांसफर शामिल हो सकता है। माना जा रहा है कि जेएसडब्ल्यू ग्रुप की यह प्लानिंग साल 2025 में पूरी हो सकती है।

शेयर में आई तेजी- यह जानकारी सामने आने के बाद जेएसडब्ल्यू ग्रुप की कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिडेट के शेयर में तेजी आ गई। सोमवार सुबह कंपनी के शेयर 4.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 653.80 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। इससे पहले कंपनी के शेयरों में गिरावट दर्ज की जा रही थी।

क्या है ग्रुप का प्लान

जानकारों के मुताबिक इस ग्रुप ने अपने स्वयं के ईवी ड्राइव के लिए इलेक्ट्रिक कारों और कमर्शियल व्हीकल के लिए दो-दो प्लेटफॉर्म भी चुने हैं। कारोबार को जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी के तहत रखे जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि मौजूदा जॉइंट वेंचर, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया का जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी के साथ तालमेल होगा, लेकिन दोनों स्वतंत्र रूप से काम करेंगे।

जीली वोल्वो कार्स की पेरेंट कंपनी है। वहीं यह लोटस केयर की पार्ट-ऑनर कंपनी है। यह कंपनी इन ब्रांडों के माध्यम से भारत में मौजूद है। भारत के उभरते ईवी बाजार में बीवायडी की भारतीय मार्केट में सीधी मौजूदगी है।

जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कार बनाने के लिए महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में 27,200 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। यह प्रति वर्ष 500000 इलेक्ट्रिक कारें और 100000 कमर्शियल व्हीकल बनाएगा। यह सितंबर 2024 में राज्य मंत्रिमंडल की ओर से स्वीकृत सात प्रोजेक्ट में से एक थी। सितंबर में कंपनी ने राजीव मेहता को व्यवसाय प्रमुख के रूप में नियुक्त किया था।

18000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न, अब मिलेंगे 2 पर 1 शेयर फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक कंपनी एल्गोक्वेंट फिनटेक लिमिटेड ने पहली बार बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी ने 28 दिसंबर 2024 को रिकॉर्ड डेट का ऐलान भी कर दिया है। हालांकि, पिछले 5 साल में यह स्टॉक 18000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस कंपनी के विषय में-

कब है रिकॉर्ड डेट- 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले 2 शेयर पर योग्य निवेशकों को एक शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। कंपनी ने इसके लिए 28 दिसंबर 2024 को रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। शेयर बाजार में कंपनी 8 जनवरी 2025 को एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी।

हो चुका है कंपनी के शेयरों का बंटवारा- एल्गोक्वेंट फिनटेक लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा हो चुका है। कंपनी के शेयर 2021 में एक्स-स्प्लिट स्टॉक के तौर पर ट्रेड किए थे। तब कंपनी के शेयरों को 5 हिस्सों में बांट दिया गया था। जिसके बाद 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो गई थी। बता दें, कंपनी ने अभी तक एक बार भी निवेशकों को डिविडेंड नहीं दिया है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन धमाकेदार- शुक्रवार को कंपनी के शेयर 1.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 1364.30 रुपये के लेवल पर था। बीते 6 महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 1 साल से कंपनी के शेयरों को होल्ड कर रहे निवेशकों को अबतक 24 प्रतिशत का फायदा मिला। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 1619.80 रुपये और 52 वीक लो लेवल 972.10 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 1989 करोड़ रुपये का है।

पिछले 3 साल में स्टॉक का भाव 194 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 5 साल से स्टॉक में निवेश करके शेयरों को होल्ड रखने वाले इनवेस्टर्स को अबतक 18000 प्रतिशत से अधिक का लाभ मिल चुका है।

शेयर बाजार ने लगातार नौवें साल मुनाफा दिया, डॉलर के मुकाबले रुपया 3 पर्सेंट टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। यह साल काफी घटनाक्रमों का रहा। दलाल स्ट्रीटके लिए 2024 का साल काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। साल के दौरान जहां भारतीय शेयर बाजारों ने कई बार रिकॉर्ड बनाया, वहीं दूसरी ओर उसे बीच-बीच बड़े नुकसान का भी सामना करना पड़ा। दुनियाभर में अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय बाजार ने काफी हद तक दबाव के बीच अच्छा प्रदर्शन किया और निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया। साल के दौरान भारत में आम चुनाव के अलावा अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव मुख्य घटनाक्रम रहे। इसके अलावा शेयर बाजारों पर दो प्रमुख भू-राजनीतिक घटनाक्रमों इजरायल-ईरान संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध का भी असर पड़ा।

मोतीलाल ओसवाल वेल्थ मैनेजमेंट ने एक नोट में कहा कि वर्ष 2024 में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच काफी संघर्ष देखने को मिला। साल की पहली छमाही में कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों, घरेलू फंड फ्लो में उछाल और मजबूत वृहद परिदृश्य की

वजह से निफ्टी सितंबर, 2024 में 26,277.35 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा गया था।

बड़ी कंपनियों से बेहतर रहा स्मॉल और मिडकैप कंपनियों का प्रदशन- यह लगातार नौवां साल रहा है जबकि स्थानीय शेयर बाजारों ने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया है। इस दौरान स्मॉल कैप और मिडकैप कंपनियों के शेयरों का प्रदर्शन बड़ी कंपनियों से बेहतर रहा। यही वजह है कि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने निवेशकों को लार्जकैप की तुलना में अधिक रिटर्न दिया है। इसकी मुख्य वजह घरेलू और वैश्विक कारकों की वजह से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की जबर्दस्त बिकवाली है।

सेंसेक्स 6,458.81 अंक उछला

इस साल 27 दिसंबर तक बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 6,458.81 अंक या 8.94 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 2,082 अंक या 9.58 प्रतिशत का उछाल आया है।

रुपया: डॉलर के मुकाबले तीन फीसदी गिरा

इस साल अमेरिकी मुद्रा डॉलर के मुकाबले रुपया तीन प्रतिशत कमजोर हुआ है। अर्थव्यवस्था की रफ्तार में सुस्ती तथा वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से रुपया प्रभावित हुआ है। हालांकि, दुनिया की अन्य मुद्राओं से तुलना करें, तो भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव कहीं कम रहा है।

दिसंबर में नए ऑल टाइम लो पर रुपया

दिसंबर में रुपया अपने नए ऑल टाइम लो पर आ गया। वास्तव में, डॉलर के मुकाबले अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपये में गिरावट कम रही है। यूरो और जापानी येन की तुलना में रुपया लाभ में रहा है। केंद्रीय बैंक रुपये-डॉलर की दर को स्थिर करने के लिए अधिक सक्रिय प्रयास कर रहा है। कच्चे तेल के आयात पर भारत की निर्भरता तथा बढ़ते व्यापार घाटे की वजह से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी है।

2 लाख करोड़ रुपये की इंडस्ट्री पर यह कैसा दाग एनजीटी ने लगा दी सरकार की क्लास!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश इस समय रिन्यूएबल एनर्जी की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसमें एक बड़ा हिस्सा सोलर एनर्जी का है। सोलर एनर्जी पैदा करने के लिए अंबानी और अडानी समेत देश के कई बड़े उद्योगपति प्लांट लगा रहे हैं और बिजली पैदा कर रहे हैं। सोलर एनर्जी पैदा करने के लिए सोलर पैनल का इस्तेमाल होता है। अब यही सोलर पैनल देश के पर्यावरण के लिए खतरा बन रहे हैं।

दरअसल, खराब फोटोवोल्टिक (पीवी) सोलर पैनल का निपटारा और रीसाइक्लिंग देश में सही तरीके से नहीं हो रहा है। इसे लेकर हाल ही में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया है। इस बारे एक याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया था कि खराब सोलर पैनल से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। इस मामले में एनजीटी ने सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

कैसी है भारत की सोलर इंडस्ट्री- भारत की सोलर इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है। बात अगर सोलर एनर्जी की करें तो भारत में साल 2023 में इसका मार्केट 10.4

बिलियन डॉलर का था। साल 2030 तक यह बढ़कर 25 बिलियन डॉलर (करीब 2.13 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच सकता है।

वहीं अगर सोलर पैनल को देखें तो इसका भी देश में बड़ा मार्केट है। साल 2023 में इसका मार्केट कैप 7.31 बिलियन डॉलर था। साल 2024 से 2030 तक इसमें 9.4 प्रतिशत की दर से तेजी आने की उम्मीद है।

खराब सोलर पैनल क्यों हैं दाग- सोलर पैनल की लाइफ 25 से 35 साल तक होती है। हालांकि इसके लिए जरूरी है इनकी देखभाल सही तरीके से हो। कई बार इन्हें इंस्टॉल करते काफी पैनल टूट जाते हैं। वहीं इनका लाइफस्पैन खत्म होने के बाद ये किसी काम के नहीं होते। ऐसे में इनके निपटारे की देश में कोई सही व्यवस्था नहीं है। ऐसे में ये इस तेजी से बढ़ते सेक्टर पर किसी दाग से कम नहीं हैं।

तेजी से बढ़ रहा कचरा- सोलर पैनल का कचरा देश में तेजी से बढ़ रहा है। इसका कारण है कि सोलर पैनल अब गांव-गांव पहुंचने लगे हैं। इसके टूटने या खराब होने के बाद इन्हें सामान्य कूड़े में फेंक दिया जाता है जबकि इसका सही तरीके से निपटारा होना चाहिए।

दरअसल, सोलर पैनल का निपटारा या इनकी रीसाइक्लिंग भी इतनी आसान नहीं हैं। इन्हें रीसाइक्लिंग करने के लिए इनकी हर लेयर को सही तरीके से हटाना जरूरी है। इन्हें बनाने के कई तरह की धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है। इनके खराब होने पर अगर इनका निपटारा सही न किया जाए तो ये पर्यावरण में जहरीले केमिकल और भारी धातुएं छोड़ते हैं।

चांदी भी होती है सोलर पैनल में- सोलर पैनल को बनाने में चांदी समेत कई चीजों का इस्तेमाल होता है। ऐसे में इसे सही तरीके से रीसाइकल करके चांदी समेत कई महत्वपूर्ण धातुओं को अलग किया जा सकता है।

देश में तेजी से बढ़ रही सोलर क्षमता- भारत की सौर क्षमता तेजी से बढ़ रही है। देश-दुनिया की कई कंपनियां इसमें तेजी से काम कर रही हैं। साल 2030 तक यह क्षमता 292 जीडब्ल्यू होने का अनुमान है। ऐसे में देश में सोलर पैनल का कचरा और ज्यादा पैदा होगा। अगर इसका सही तरीके से निपटारा नहीं किया गया तो सोलर एनर्जी के उगते सूरज पर यह कचरा एक बड़ा धब्बा बन सकता है।

कंपनी को उत्तर प्रदेश में मिला 1100 सोलर पम्प लगाने का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड (पहले का नाम सर्वोटेक पावर सिस्टम लिमिटेड) को उत्तर प्रदेश से बड़ा काम मिला है। कंपनी को कुसुम कंपोनेंट सी-1 स्कीम के तहत उत्तर प्रदेश न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट अथॉरिटी से 1100 ग्रिड कनेक्टेड एग्रीकल्चर पम्प का ऑर्डर मिला है। बता दें, इस खबर के आने का असर कंपनी के शेयरों पर भी दिख रहा है। बीएसई में कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। जिसके बाद स्टॉक का भाव 5 प्रतिशत की छलांग मारते हुए 169.41 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

31 करोड़ रुपये के करीब है प्रोजेक्ट की कीमत- इस पूरे प्रोजेक्ट की कीमत करीब 31 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस काम के तहत कंपनी को मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमिशनिंग भी पम्प का करा होगा। इसके अलावा पम्प की 5 साल की वारंटी भी रहेगी। यानी 5 सालों तक कंपनी को मेंटनेंस भी देखना होगा।

सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड (पहले का नाम सर्वोटेक पावर सिस्टम लिमिटेड) को उत्तर प्रदेश से बड़ा काम मिला है। कंपनी को कुसुम कंपोनेंट सी-1 स्कीम के तहत उत्तर प्रदेश न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट अथॉरिटी से 1100 ग्रिड कनेक्टेड एग्रीकल्चर पम्प का ऑर्डर मिला है। बता दें, इस खबर के आने का असर कंपनी

के शेयरों पर भी दिख रहा है। बीएसई में कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। जिसके बाद स्टॉक का भाव 5 प्रतिशत की छलांग मारते हुए 169.41 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

31 करोड़ रुपये के करीब है प्रोजेक्ट की कीमत- इस पूरे प्रोजेक्ट की कीमत करीब 31 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस काम के तहत कंपनी को मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमिशनिंग भी पम्प का करा होगा। इसके अलावा पम्प की 5 साल की वारंटी भी रहेगी। यानी 5 सालों तक कंपनी को मेंटनेंस भी देखना होगा।

इस ऑर्डर के मिलने के बाद सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड की डायरेक्टर सारिका भाटिया कहती हैं, पीएनईडी से मिले इस ऑर्डर से हम काफी उत्साहित हैं। हम किसानों की समस्याओं को समझते हैं। लेकिन ये प्रोजेक्ट उन्हें क्लीन एनर्जी और टिकाऊ व्यसस्था देगा।

मेलबर्न टेस्ट हारा भारत, ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन से हराया

यशस्वी थर्ड अंपायर के विवादित फैसले पर आउट, सबसे ज्यादा 84 रन बनाए

मेलबर्न, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट 184 रन से हार गई है। इस हार का सबसे बड़ा कारण थर्ड अंपायर्स का एक विवादित फैसला रहा, जिसमें यशस्वी जायसवाल 84 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें फील्ड अंपायर ने नॉटआउट दिया था, लेकिन रिव्यू पर पर्याप्त सबूत नहीं होने के बावजूद थर्ड अंपायर्स ने उन्हें आउट किया। जब जायसवाल का विकेट गिरा, तब भारत को मैच ड्रॉ कराने के लिए 22 ओवर खेलने थे और 3 विकेट बाकी थे। ऐसे में यहां भारत मैच ड्रॉ करा सकता था, लेकिन यशस्वी के विकेट के बाद भारत का लोअर ऑर्डर (आखिरी 3 बैटर्स) बिखर गया।

सोमवार को टीम इंडिया के सामने यह स्थिति टॉप ऑर्डर बैटर्स के खराब परफॉर्मेंस की वजह से आई। यशस्वी के अलावा, शुरुआती 3 बल्लेबाज रोहित शर्मा (9), केएल राहुल (0) और विराट कोहली (5) दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए।

यशस्वी ने ऋषभ पंत के साथ 88 रन की साझेदारी कर टीम को शुरुआती झटकों से उबारा, लेकिन पंत ने खराब शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा दिया। इसके बाद जडेजा और रेड्डी के भी विकेट जल्दी-जल्दी गिर गए। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस ने एक ही ओवर में 2 विकेट लिए। वे 3 विकेट ले चुके हैं। मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, नाथन लायन और ट्रैविस हेड को एक-एक विकेट मिले। सुबह ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 234 रन बनाते हुए भारत को जीत के लिए 340 रन का टारगेट दिया था। इससे पहले, पहली पारी में भारत ने 369 और ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन बनाए थे।

रूस के 18 वर्षीय मुरजिन वोलोदर बने विश्व रैपिड चैम्पियन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। रूस के 18 वर्षीय युवा खिलाड़ी अंतिम समय तक हार ना मानने के अपने बेहतरीन प्रयास के चलते शतरंज इतिहास के दूसरे सबसे युवा विश्व रैपिड चैम्पियन बन गए है । 13 राउंड के इस मुक़ाबले मे 12वें राउंड में मुरजिन भारत के प्रज्ञानन्दा के खिलाफ हार के बेहद करीब थे पर अंतिम समय में प्रज्ञानन्दा न्ने एक भारी भूल कर दी और मुरजिन हारी हुई बाजी जीत गए और इसके साथ ही वह 9.5 अंको के साथ के साथ खिताब के करीब पहुँच गए और अंतिम राउंड में उन्होने अर्मेनिया के केरेन गिरगोरयन के साथ ड्रॉ खेलते हुए अपना पहला विश्व खिताब और स्वर्ण पदक हासिल कर लिया । विश्व रैपिड के पुरुष वर्ग के तीनों मेडल रूस नें अपने नाम किए , अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक नें यूएसए के दोमिंगेज पेरेज से ड्रॉ खेलते हुए 9.5 अंको के साथ रजत पदक तो यान नेपोमनिशि नें यूएसए के सविएन सेमुएल को पराजित करते हुए 9.5 अंको के साथ कांस्य पदक हासिल किया । भारत के अर्जुन एरिगैसी को अंतिम राउंड में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को मात देनी थी पर उनकी बाजी ड्रॉ रही और अर्जुन 9 अंक ही बना सके और दोमिंगेज पेरेज के बाद पांचवें स्थान पर रहे अर्जुन को 36000 डॉलर पुरूस्कार के तौर पर मिले ।

जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप में लौटे कार्लसन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना था। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। टूर्नामेंट में रैपिड चैंपियनशिप के नौवें दौर में उन्हें किसी के खिलाफ उतारा नहीं गया।फिडे से खिलाड़ियों को जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में लौटे जिन्हें ड्रेस कोड के उल्लंघन के कारण रैपिड वर्ग से बाहर कर दिया गया था। पांच बार के विश्व चैम्पियन कार्लसन पर शनिवार को फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जींस पहनकर आने के बाद 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना था। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। टूर्नामेंट में रैपिड चैंपियनशिप के नौवें दौर में उन्हें किसी के खिलाफ उतारा नहीं गया।नीति में बदलाव की घोषणा करते हुए अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के अध्यक्ष अर्काडी वोरवोविच ने कहा, मैंने पोशाक की उपयुक्तता के संबंध में निर्णय लेने में फिडे अधिकारियों को अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए इस नजरिये का प्रयोग करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, नियम सरल है कि आधिकारिक ड्रेस कोड का अभी भी पालन करना होगा लेकिन थोड़े से बदलाव (जैकेट के साथ जींस) की अनुमति दी गई है। बयान में कहा गया, फिडे को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि मैग्नस कार्लसन फिडे विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में भाग लेंगे।कार्लसन ने रविवार को टूर्नामेंट के दौरान फिडे उपाध्यक्ष और भारत के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद से मुलाकात की।

दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रोटियाज ने 148 रन के मामूली लक्ष्य को रोमांचक अंदाज में हासिल किया और चौथे दिन 2 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर अपनी जगह पक्की कर ली है। वह 11 मैचों में से सात जीत के बाद 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब तीसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया या भारत में से एक उनका प्रतिद्वंद्वी होगा।

दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान

सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका ने 27/3 के खतरनाक स्कोर से शुरुआत की। एडेन मार्करम अपने स्कोर में 15 रन जोड़कर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बने। कप्तान टेम्बा बावुमा ने 40 रन बनाए, लेकिन मोहम्मद अब्बास की गेंद पर आउट हो गए जिससे एक बार फिर पाकिस्तान की उम्मीदें जगी। लेकिन मार्को जेनसन और कैगिसो रबाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जेनसन ने 16 रन बनाकर नाबाद रहते हुए विजयी रन बनाए और रबाडा 31 रन बनाकर नाबाद रहे। शनिवार को जेनसन के छह विकेटों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 148 रन के छोटे लेकिन मुश्किल लक्ष्य को हासिल कर लिया। स्टंप्स तक दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 27/3 था, जिसमें पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों ने चौंकाने वाले नतीजे की संभावना पैदा कर दी थी।

तीन साल से अधिक समय के बाद लंबे प्रारूप में वापसी करने वाले मोहम्मद अब्बास ने अंतिम सत्र में टोनी डी जोरजी (2) और ट्रिस्टन स्टब्स (1) को एलबीडब्लू आउट किया। इस बीच खुर्रम शहजाद ने कप्तान शान मसूद को रयान रिकेल्टन के खिलाफ सफल रिव्यू लेने के लिए राजी किया, जो पांच गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। पाकिस्तान की पारी के दौरान, सऊद शकील (84) और बाबर आज़म (50) ने अर्धशतक लगाए लेकिन जेनसन के चार ओवर में तीन विकेटों ने पाकिस्तान को प्रभावित किया क्योंकि मेहमान टीम ने 88-3 से आगे खेलने के बाद 84 रन पर सात विकेट खो दिए।

शकील और बाबर ने कैगिसो रबाडा (2-68), कॉर्बिन बॉश (1-54) और डेन पैटरसन (1-55) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी पर 79 रनों की साझेदारी में आक्रामक बल्लेबाजी की। बाबर अच्छी लय में दिखे लेकिन 20 पारियों में पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा करने के तुरंत बाद उन्होंने जेनसन की शॉर्ट गेंद को डीप बैकवर्ड पॉइंट पर बॉश के हाथों में दे मारा। मोहम्मद रिजवान (3) और सलमान अली आगा (1) भी लापरवाह शॉट खेलकर आउट हो गए। रिजवान ने जेनसन की लेग-साइड गेंद को विकेटकीपर के हाथों में थमा दिया और सलमान तीसरी गेंद पर ड्राइव खेलने के बाद कैच आउट हो गए। शकील ने काफी धैर्य दिखाया और पाकिस्तान की बढ़त को 136 रन तक पहुंचाया, लेकिन जेनसन की फुल टॉस को चूककर आउट हो गए। पाकिस्तान की टीम आखिरकार आखिरी सत्र में आउट हो गई, जब डेब्यू करने वाले बॉश ने मैच का अपना पांचवां विकेट लिया।

संन्यास मुबारक हो...

रोहित-विराट को किसने दी विदाई?

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का खराब फॉर्म जारी है. मेलबर्न टेस्ट में भी इन खिलाड़ियों के बल्ले से रन देखने को नहीं मिले. ये दोनों ही खिलाड़ी अपने टेस्ट करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं. ऐसे में उनके लिए ये दौरा काफी अहम है. लेकिन रोहित और विराट इस बड़े मौके का फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच कई बार टीम इंडिया में बदलाव की मांग उठाई जा चुकी है और माना जा रहा है कि इन दिग्गजों में से कोई टेस्ट फॉर्मेट को छोड़ भी सकता है. मेलबर्न टेस्ट में जीत टीम इंडिया के लिए काफी जरूरी है, वरना वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना टूट सकता है. लेकिन इस बड़े मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली पूरी तरह फ्लॉप रहे. रोहित शर्मा ने मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में 3 रन बनाए थे. वहीं, दूसरी पारी में भी वह 9 रन का ही योगदान दे सके. दूसरी ओर विराट कोहली भी फ्लॉप रहे. पहली पारी में 36 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में सिर्फ 5 रन ही बना सके. इस खराब प्रदर्शन के बाद अब रोहित और विराट फैंस के निशाने पर आ गए हैं.

सोशल मीडिया पर भारतीय फैंस रोहित शर्मा और विराट कोहली को संन्यास की बधाई दे रहे हैं. यानी फैंस का मानना है कि इन दोनों खिलाड़ियों का टेस्ट करियर अब खत्म हो गया है और वह आगे टेस्ट खेलते हुए नजर नहीं आएंगे. इन दोनों खिलाड़ियों के संन्यास को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट वायरल हो रहे हैं और 'हैप्पी रिटायरमेंट.' का हैशटैग ट्रेंडिंग में हैं. एक यूजर ने विराट के फोटो को शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी रिटायरमेंट विराट कोहली.' वहीं, एक यूजर ने रोहित के लिए लिखा, 'रोहित और विराट ने टेस्ट से लिया संन्यास! यादों के लिए धन्यवाद. हैप्पी रिटायरमेंट.'

रोहित शर्मा का विकेट लेते ही पैट कमिंस ने रचा इतिहास

मेलबर्न, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में कंगारू टीम के कप्तान पैट कमिंस ने रोहित शर्मा का विकेट लेने के साथ टेस्ट क्रिकेट में

एक नया इतिहास रच दिया है। इस मुकाबले में रोहित शर्मा लगातार दूसरी बार पैट कमिंस की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। रोहित को कमिंस ने सिर्फ 9 के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजा।

टेस्ट क्रिकेट में ऐसा काफी कम ही देखने को मिला है, जब एक टीम के कप्तान ने अपने विरोधी टीम के कप्तान का विकेट हासिल किया, लेकिन पैट कमिंस ने जब बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच के 5वें दिन के खेल में रोहित शर्मा का विकेट हासिल किया तो उन्होंने ऐसा छठी बार किया जब वह बतौर कप्तान रोहित शर्मा का विकेट हासिल करने में कामयाब हुए, जिसमें रोहित उस समय टीम इंडिया की कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे। टेस्ट क्रिकेट में ये एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है क्योंकि इससे पहले रिची बेनोड ने 5 बार टेड डेक्सर को अपना शिकार बनाया था जिसमें दोनों ही अपनी-अपनी टीम के कप्तान थे।

जायसवाल का कैच आउट विवाद

गावस्कर और शास्त्री ने अंपायर के फैसले को बताया गलत

मेलबर्न, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेट सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने सोमवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल को पैट कमिंस की गेंद पर तीसरे अंपायर के फैसले गलत बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

भारत की दूसरी पारी के 71वें ओवर में जायसवाल ने कमिंस की शॉर्ट पिच गेंद को पुल करने का प्रयास किया था लेकिन गेंद उनके बल्ले के बेहद करीब से निकली और कीपर ने पीछे कैच किया। ऑस्ट्रेलिया ने अपील की लेकिन मैदानी अंपायर जोएल विल्सन ने नकार दिया। कमिंस ने इस पर रिव्यू लिया और तीसरे अंपायर बंगलादेश के शफुद्दौला ने जब स्निको पर इस कैच को चेक किया तो कोई भी डिफलेक्शन नहीं दिख रहा था। लेकिन नॉर्मल वीडियो में दिख रहा था कि गेंद यशस्वी के ग्लब्स के पास से डिफलेक्ट हो रही थी।

तीसरे अंपायर ने नॉर्मल वीडियो के डिफलेक्शन पर भरोसा किया और स्निको को नकारते हुए आउट का फैसला दिया। इसके बाद कॉमेंटी कर रहे गावस्कर ने कहा, 'यह फैसला पूरी तरह से गलत है। तीसरे अंपायर को सबूत चाहिए और तीसरे अंपायर को उसी हिसाब से निर्णय देना होगा। अगर मैदानी अंपायर ने कोई निर्णय लिया है तो उसको बदलने के लिए पर्याप्त सबूत चाहिए होते हैं, जो इस मामले में नहीं था। ऐसे में आप तकनीक का प्रयोग क्यों ही कर रहे हैं। वीडियो में जो दिख रहा है, वह ऑप्टिकल इल्यूजन भी हो सकता है। वहीं शास्त्री ने कहा, 'बहुत कम बार ऐसा फैसला होता है, जहां पर स्निको में कुछ नहीं दिखता और आप मैदानी अंपायर के नॉट आउट के फैसले को बदल कर आउट का निर्णय लेते हैं। आज ऐसा लग रहा है कि स्निको ऑस्ट्रेलिया का छठा गेंदबाज है।

डिफेंडर्स के दम पर हरियाणा स्टीलर्स पहली बार बने पीकेएल चैंपियन

पुणे, एजेंसी। अपने डिफेंडर्स के शानदार प्रदर्शन की बदौलत हरियाणा स्टीलर्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में रविवार रात को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के फाइनल मुकाबले में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स को 32-23 के अंतर से हराते हुए पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। हरियाणा ने बीते साल भी फाइनल खेला था लेकिन वह पुनेरी पल्टन से हार गई थी।

इसे हरियाणा के डिफेंडर्स बनाम पटना के रेडर्स का मुकाबला कहा जा रहा था और हरियाणा के डिफेंडर्स ने 11 के मुकाबले 16 अंकों के साथ लट्ठ गाड़ते हुए अपना वर्चस्व साबित किया और इस दौरान उन्होंने पटना के दोनों स्टार रेडर्स- देवांक (5) और अयान (3) को पूरी तरह रोके रखा। पटना के लिए डिफेंडर गुरदीप ने सबसे अधिक 6 अंक लिए।

दूसरी ओर, हरियाणा के लिए शिवम पटारे (9) और मोहम्मदरेजा शादलू (7) ने दोनों विभागों में अपना कमाल दिखाया और राहुल सेतपाल (3) तथा जयदीप (2) के साथ मिलकर पटना के रेडरों की नकेल कसते हुए बतौर कोच मनप्रीत सिंह को चौथे प्रयास में पहला खिताब दिलाया।

बहरहाल, पहले खिताब की आस में हरियाणा ने मनमाफिक आगाज के साथ शुरुआती 10 मिनट में 7-5 की बढ़त बना ली थी। इस दौरान दोनों टीमें डिफेंस में 3-3 से बराबरी पर रहीं लेकिन अयान और देवांक की नाकामी के कारण पटना रेडिंग में 4 के मुकाबले सिर्फ दो अंक ले सके। साथ ही शिवम पटारे पर लगाम नहीं लगा पाना भी उसे भारी पड़ता दिख रहा था। ब्रेक के बाद हालांकि देवांक ने शादलू की छुट्टी कर वापसी के संकेत दिए। इसके बाद अयान ने भी अपने हाथ खोले और मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर बराबर कर हरियाणा को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। अगली रेड पर शिवम ने अयान को सुपर टैकल कर हरियाणा को लीड दिला दी। शिवम डिफेंस में लगातार अंक ले रहे थे। हरियाणा 12-9 से आगे हो गए थे। इसके बाद अंकित ने विनय को लपका तो जयदीप ने देवांक को लपक इसका जवाब दिया। फिर नवीन ने डू और डाई रेड पर अंकित का शिकार कर लीड 4 कर दी। इसके बाद राहुल ने अयान को बैकहोल्ड कर लिया। पटना के लिए अब सुपर टैकल आन था। गुरदीप ने इसका पूरा लाभ लिया और शिवम को सुपर टैकल कर हाफटाइम तक स्कोर 12-15 कर दिया।

हाफटाइम के बाद सुधाकर ने नवीन को आउट कर देवांक को रिवाइव करा लिया। फिर दीपक ने विनय को आउट कर स्कोर 14-15 कर दिया। हरियाणा ने हालांकि लगातार दो अंक लेकर फासला फिर 3 का कर दिया लेकिन गुरदीप ने डू ओर डाई रेड पर शिवम को आउट कर न सिर्फ स्कोर 15-17 किया बल्कि हाई-5 भी पूरा किया।

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के सेट पर घायल हुई तेजस्वी प्रकाश

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के सेट पर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश के साथ एक घटना घटी। वहीं, उन्हें इसके पीछे की वजह का भी खुलासा करते देखा गया है।

तेजस्वी प्रकाश टेलीविजन स्क्रीन पर वापस आने के लिए तैयार हैं और प्रशंसक इसे जानकर काफी ज्यादा उत्साहित हैं। अभिनेत्री जल्द ही आगामी रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में अपनी कुकिंग स्किल का प्रदर्शन करती नजर आएंगी। कुकिंग रियलिटी शो की शूटिंग शुरू हो गई है। दुर्भाग्यवश, सेलिब्रिटी मास्टरशेफ की शूटिंग के दौरान तेजस्वी घायल हो गईं।

सेट पर स्पॉट हुईं तेजस्वी

तेजस्वी प्रकाश को हाल ही में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के सेट पर पैपराजी ने स्पॉट किया। नीले टॉप और ग्रे जॉगर्स में तेजस्वी तस्वीरों के लिए पोज देती हुई खूबसूरत लग रही थीं। हालांकि, पैपराजी ने तेजस्वी के घायल हाथ को देखा और अपनी चिंता व्यक्त की। उनसे बात करते हुए अभिनेत्री ने शो में खाना बनाते वक्त घायल होने का खुलासा किया।

शो के सेट पर जलीं अभिनेत्री

तेजस्वी प्रकाश ने पैपराजी को अपनी चोट के बारे में सूचित करते हुए कहा, जल गया। जब उनसे पूछा गया कि उनका हाथ कैसे जल गया, तो तेजस्वी ने कहा, जल गया, ओवन में। इसमें देखा गया कि अभिनेत्री ने अपने घायल हाथ पर क्रीम लगाई हुई थी। नागिन 6 के बाद तेजस्वी प्रकाश सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में नजर आएंगी। प्रशंसक उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के लिए उत्साहित तेजस्वी

आगामी रियलिटी शो के निर्माताओं ने एक के बाद एक प्रोमो जारी करना शुरू कर दिया है, जिससे दर्शकों को इस शो में प्रतियोगियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों की झलक मिल रही है।

अपने उत्साह के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने साझा किया, मैं वास्तव में विश्वास करती हूं कि खाना एक लव लैंग्वेज है, इसलिए मैंने दर्शकों को प्रभावित करने के लिए अपना दिल (और कुकिंग स्किल) लगाने का फैसला किया है, और मुझे उम्मीद है कि यही सफलता का नुस्खा है।

राजेश खन्ना की 'आनंद' का बनेगा मराठी सीक्वल

राजेश खन्ना की फिल्म 'आनंद' का मराठी सीक्वल बनाया जाएगा। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राजेश खन्ना की जयंती पर 29 दिसंबर को इसकी घोषणा की गई। हेमंत कुमार महाले इस फिल्म का निर्देशन करेंगे जो कुसुमाग्रज द्वारा लिखे गए नाटक पर आधारित होगी।

'आनंद' की आगे की कहानी कहेगी मराठी फिल्म

फिल्म के निर्माता ऋषिकेश मुखर्जी जब अपनी फिल्म आनंद के विमोचन के लिए नासिक गए थे, तो उन्होंने कुसुमाग्रज से उनके साथ फिल्म देखने का अनुरोध किया था। उन्होंने लेखक को फिल्म को नाटक में बदलने का भी सुझाव दिया था। कुसुमाग्रज ने इसी नाम से एक नाटक लिखा था। मराठी फिल्म इसी नाटक पर आधारित होगी। यह वहीं से शुरू होगी जहां हिंदी फिल्म आनंद खत्म हुई थी।

फिल्म के मशहूर गीत

फिल्म 'आनंद' के कई गीत मशहूर हुए, जो आज भी लोगों के पसंदीदा है। आनंद की कहानी और गीत दोनों ही दिल छू लेने वाले हैं। 'कहीं दूर जब दिन ढल जाये', 'जिन्दगी कैसी है पहेली', 'ना जिया लागे ना', 'मैंने तेरे लिए ही', जैसे गीत आज भी लोगों को खूब पसंद आते हैं।

फिल्म की स्टार कास्ट

फिल्म 'आनंद' में राजेश खन्ना (आनंद), अमिताभ बच्चन (डॉ. भास्कर बनर्जी उर्फ बाबू मोशाय) और रमेश देव (डॉ. प्रकाश कुलकर्णी) सुमिता सान्याल, ललिता पवार,असित सेन, दारा सिंह, दुर्गा खोटे, जॉनी वॉकर ने अहम भूमिका निभाई है। वहीं, फिल्म के सीक्वल में राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन और रमेश देव की भूमिकाओं के लिए अभिनेताओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सीक्वल की सिनेमैटोग्राफिंग सुरेश सुवर्णा करेंगे। संगीत अविनाश-विश्वजीत देंगे। फिल्म विघ्नहर्ता फिल्म्स के बैनर तले बनेगी।

'मैंने प्यार किया' के 35 साल पूरे

सलमान खान के फैंस को तोहफा, सिनेमाघरों में होगी री-रिलीज

सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' फिर से सिनेमाघरों में इसकी 35वीं वर्षगांठ पर रिलीज हुई है। निर्माताओं ने इसके 35 वर्ष पूरे होने पर इसके रिलीज की घोषणा की है। सलमान खान के प्रशंसकों के लिए उनके जन्मदिन के बाद एक और खुशखबरी सामने आ रही है। उनकी फिल्म 'मैंने प्यार किया' सिनेमाघरों में री-रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म अपनी 35वीं वर्षगांठ के अवसर पर फिर से रिलीज की जा रही है।

सलमान की पहली लीड रोल फिल्म

'मैंने प्यार किया' 29 दिसंबर, 1989 को रिलीज हुई यह फिल्म सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी। यह सलमान की बतौर मुख्य अभिनेता पहली फिल्म थी और भाग्यश्री ने इस फिल्म से अभिनय में पहली फिल्म थी। मैंने प्यार किया÷ में क्लास, दोस्ती, प्यार और पारिवारिक मूल्यों के विषयों को दिखाया गया था।

डायलॉग और गीत आज भी हैं यादगार

फिल्म के संगीत और डायलॉग आज भी यादगार हैं। दोस्ती का एक उसूल है मैडम, नो सॉरी, नो थैंक यू जैसे संवादों के कारण इसके प्रशंसकों की संख्या बहुत अधिक है। प्रोडक्शन बैनर राजश्री प्रोडक्शंस ने फिल्म के रिलीज के 35 वर्ष पूरे होने के इस अवसर पर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा की और इसके री-रिलीज की घोषणा की। निर्माताओं ने लिखा एक ऐसी फिल्म जिसने प्यार के बारे में हमारा नजरिया बदल दिया। गहरी दोस्ती से लेकर जादुई रोमांस तक, मैंने प्यार किया एक कालजयी क्लासिक है, जिसने लाखों लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया है। यह सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित उनकी पहली फिल्म है। जिसने हमें जीवन भर के लिए प्रेम और सुमन दिए।

ये गीत आज भी हैं मशहूर

'मैंने प्यार किया' के लगभग सभी गाने आज भी फैंस के दिलों पर राज करते हैं। जिसमें, 'कबूतर जा जा जा', 'दिल दीवाना', 'आजा शाम होने आई', और 'आते जाते हंसते गाते' जैसे गीत शामिल हैं। साउंडट्रैक रामलक्ष्मण द्वारा रचित था और बोल देव कोहली और असद भोपाली द्वारा लिखे गए थे।

रविवार को जलसा के बाहर फैंस से मिले अमिताभ बच्चन, फैंस को दिए तोहफे

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने रविवार को अपने घर के बाहर फैंस से मुलाकात की। अमिताभ हर रविवार को जलसा के बाहर अपने फैंस से मिलते हैं। इस दौरान अमिताभ अपने फैंस को तोहफे बांटते भी नजर आए।

जलसा के बाहर फैंस से की मुलाकात

अमिताभ बच्चन ने अपने घर के बाहर आकर फैंस को तोहफे बांटे। इस दौरान फैंस की भीड़ भी वहां मौजूद रही। अमिताभ ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने हाथ हिलाकर सभी को आने के लिए धन्यवाद भी दिया। अमिताभ बच्चन इस दौरान नीली जैकेट में दिखाई दिए। उन्होंने सिर पर भी रुमाल बांधा हुआ था। बिगबी का स्टाइल फैंस को काफी पसंद आया। उन्होंने जिस तरह फैंस से मुलाकात की। ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

यूट्यूब पर नंबर वन पर ट्रेंड हुआ सिकंदर का टीजर

- सलमान खान ने अल्लू अर्जुन-शाहरुख खान को छोड़ा पीछे

शनिवार को रिलीज हुआ सिकंदर के टीजर ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। सलमान खान की फिल्म के टीजर ने टॉप 10 की लिस्ट में भी जगह बना ली है।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर का दमदार टीजर अभिनेता के जन्मदिन के एक दिन बाद रिलीज हुआ, जिसने रिलीज के साथ ही फैंस के बीच धमाल मचा दिया। इसके साथ ही इसने महज कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर भी अपना कब्जा जमा लिया। ट्रेलर का जादू 24 घंटे बाद भी कम नहीं हुआ और यह 24 घंटे के भीतर ही यूट्यूब पर नंबर वन पर ट्रेंड होने लगा।

24 घंटे में यूट्यूब पर मिले इतने व्यूज

सलमान खान की सिकंदर के टीजर को यूट्यूब पर रिलीज होने के सिर्फ 24 घंटों के भीतर लगभग 42 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया है, जिसने रिकॉर्ड तोड़ दिया है और दुनिया भर में प्लेटफॉर्म पर नंबर वन पर ट्रेंड कर रहा है, जिसकी व्यू काउंट प्रति घंटे दो मिलियन है। इसे बड़ी संख्या में दर्शक मिले और यह अब प्रभास अभिनीत आदिपुरुष के बाद पहले 24 घंटों में दूसरा सबसे ज्यादा देखा जाने वाला बॉलीवुड टीजर बन गया, जिसे 69 मिलियन बार देखा गया था।

महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए मैं बहुत उत्सुक हूं : कंगना रनौत

मंडी लोकसभा सीट से भाजपा सांसद व मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा है कि वह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए बहुत उत्सुक हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वह अपनी धर्म संस्कृति से जुड़ें। क्योंकि, अपनी धर्म संस्कृति से जुड़ने में कोई शर्म की बात नहीं है। कंगना रनौत रविवार को जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य की राम कथा में पहुंची थीं। यहां उन्होंने राम कथा सुनी। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने जिस तरह से राम कथा सुनाई, मेरे साथ सभी भक्त भाव-विभोर हो गए। वह लोगों के धार्मिक कर्तव्य को राष्ट्रीय कर्तव्य से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामभद्राचार्य जी से मेरी पहली मुलाकात अयोध्या में राम जन्मभूमि पर हुई थी । वो उस वक्त एक यज्ञ कर रहे थे। मेरा मानना है कि जो इस मातृभूमि का नहीं हो सकता, वह किसी का नहीं हो सकता है। 'महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान पर भाजपा सांसद ने कहा कि बिल्कुल सही बात है। देखिए हमने इतिहास में कई बार देखा है कि चाहे वह अंग्रेजों का समय हो या अलग-अलग राजनीतिक दलों का दौर, हमें विभाजित करने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश को एकजुट करने का कार्य कर रहे हैं। महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए देश-विदेश से लोग आएंगे। मैं भी वहां जाने के लिए उत्सुक हूं।

अमन गुप्ता ने इंडस्ट्री के घमंडी स्टार का किया भंडाफोड़

शॉर्क टैंक इंडिया के जज और एन्त्रप्रेन्योर अमन गुप्ता ने हाल ही में एक अनाम बॉलीवुड फिल्म स्टार के बारे में अपनी स्पष्ट टिप्पणियों से हंगामा खड़ा कर दिया। उन्होंने अभिनेता को बेहद अहंकारी आदमी बताया, जिससे सोशल मीडिया पर अटकलों और बहस की लड़ी लग गई है।

पॉडकास्ट पर अपनी हालिया उपस्थिति के दौरान, अमन ने बताया कि कैसे बोट ब्रांड ने इस विशेष अभिनेता को अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त किया था। हालांकि, जिस बात ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया वह अभिनेता की सार्वजनिक छवि और निजी तौर पर उनका व्यवहार था। अमन ने बताया कि दोनों में काफी अंतर था, जिसे देखकर वह दंग रह गए। जानकारी हो कि अमन गुप्ता बोट के सह-संस्थापक हैं।

अनुपम मित्तल के साथ दोस्तकास्ट पर बोलते हुए, उन्होंने याद किया, वह एक बेहद अहंकारी व्यक्ति थे। समाचारों में, मैंने हमेशा उनके बारे में अच्छी बातें सुनी थीं। लोग केवल यही लिखते थे कि वह स्वीट, अच्छे, दयालु और विनम्र हैं।

लगाए बड़े आरोप

अमन गुप्ता ने आगे कहा,उन्होंने यह भी लिखा था कि वह इकोनॉमी क्लास में यात्रा करते हैं, लेकिन जब उन्होंने हमारे साथ काम किया तो उनका रवैया बिल्कुल विपरीत था। इसे देखकर मुझे एहसास हुआ कि आजकल लोगों ने विनम्र होने का दिखावा करने में महारत हासिल कर रखी है।

दिलजीत दोसांझ ने अपना कॉन्सर्ट पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को किया समर्पित, दी श्रद्धांजलि

पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने अपने गुवाहाटी कॉन्सर्ट को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को समर्पित किया। शो के दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर की रात को निधन हो गया। उनके निधन का पूरा देश शोक मना रहा है। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर बॉलीवुड की दिग्गज हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और दुख जताया। अब पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने अपने अपने गुवाहाटी कॉन्सर्ट में मनमोहन सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। दिलजीत ने पूर्व प्रधानमंत्री के जीवन से सीखे जा सकने वाले जीवन के सबक भी बताए।

सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

रविवार को दिलजीत दोसांझ ने अपने गुवाहाटी कॉन्सर्ट से एक क्लिप शेयर की की। यह कॉन्सर्ट 29 दिसंबर, 2024 को आयोजित किया गया था। वीडियो में उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए देखा जा सकता है, जिनका 26 दिसंबर को निधन हो गया था। दिलजीत ने कॉन्सर्ट को मनमोहन सिंह को समर्पित किया, जिन्होंने 2004 से 2014 तक भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया।

दिलजीत ने पूर्व प्रधानमंत्री की सादगी की तारीफ की

दिलजीत ने अपने कॉन्सर्ट में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह बहुत ही साधारण जीवन जीते थे। उन्होंने आगे कहा, अगर मैं उनके जीवन की यात्रा की तरफ देखूं, तो उन्होंने इतना सादा जीवन जिया है, अगर उनको किसी ने बुरा भी बोला, तो उन्होंने कभी उल्टा जवाब नहीं दिया। हालांकि, राजनीति के करियर में ये सबसे मुश्किल काम है।